मूल्य-20

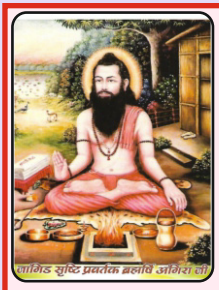

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 119, अंकः 01, जनवरी-2026 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

SBI

AKHIL BHARTIYA JANGID BRAHMIN

SCAN & PAY

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 11 जनवरी 2026 स्थान अंबेडकर सभागार जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज अजमेर में आयोजित किया गया। इसमे समाज ने अजमेर की धरती पर वह क्षण देखा जिसे आने वाले वर्षों तक समाज गौरव के साथ दोहराएगा। यह अवसर था, महिला शक्ति की सामाजिक चेतना , संस्कार, नेतृत्व और संघटनात्मक क्षमता के परिचय का।

प्रधान,रामपाल शर्मा

शुभलाभ
GREEN VALLEY
2&3 BHK LUXURIOUS FLAT & SHOPS

शुभलाभ
VINTAGE VILLA
6 BHK Luxurious Villas

THE VINTAGE
शुभलाभ
3 BHK Premium Living

शुभलाभ
HERITAGE
3 | 4 BHK Heritage Living & Penthouse

शुभलाभ
SQUARE
Showrooms | Corporate Entertainment

शुभलाभ
GROUP

AHMEDABAD

THE VINTAGE
Naroda- Dehgam Road
Opp. Shyam Valencia Bungalow
New Naroda, A'bad-382230

Nilesh Sharma 96388 00449
Anurag Sharma 83201 68811

शुभलाभ
HEIGHTS
2 | 3 BHK Premium Living

SENTOSA
ROYAL BUNGALOW
4 BHK Royal Living Homes

PALATE
RESTAURANT & BANQUET

GRAND
Neelkanth
banquet & restaurant
100-1000 Capacity Banquet

FITNESS FUEL
365 Days Open, Luxurious Gym

महिला प्रकोष्ठ - राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह की चित्रावली

जिला सभा सीकर कार्यकारणी के शपथ ग्रहण समारोह की चित्रावली

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

OUR STRENGTHS
- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE
- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE
- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AEROPOSTALE, ARROW, LP LOUIS PHILIPPE, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, S3EAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

पंजीकृत सं. एस.-27/1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

सह सम्पादक-प.प्रहलाद राय शर्मा ''जांगिड''- 08140229679

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

03. महिला प्रकोष्ठ - राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं कार्यकारणी.
03. जिला सभा सीकर कार्यकारणी के शपथ ग्रहण समारोह...
07. संपादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. सृष्टि रचयिता भगवान- श्री विश्वकर्मा का...
13. चुनाव के परिपेक्ष में मेरी भावना.....
15. राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ शपथ ग्रहण समारोह अजमेर.
17. नडियाद - प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग का..
23. नववर्ष 2026 में, महासभा रुपी परिवार, ...
24. प्र. सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष- श्री हनुमान प्रसाद...
25. जांगिड विकास समिति द्वारा जयपुर ,राजस्थान में , ..
27. मुण्डका भवन दिल्ली में, महासभा का स्थापना के119वां
28. जांगिड - सुथार समाज द्वारा युवा शिक्षा एवं महिला...
30. 27 दिसम्बर 2026, को मनाये गए 119 वें स्थापना..
32. अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण सभा द्वारा राजनैतिक..
33. जांगिड सेवा संघ द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के
35. जिला सभा सीकर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ.
37. मुन्नी देवी जांगिड कर्नाटक प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की..
38. महासभा की मासिक पत्रिका "जांगिड ब्राह्मण" में.....
39. नववर्ष-नई आशाओं, आत्मविश्वास और नये संकल्पो.
41. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना की..
43. जांगिड ब्राह्मण समाज ने ओबीसी की आरक्षण सीमा..
44. प्रदेश सभा-राजस्थान के आह्वान पर जांगिड समाज ने .
45. जिला सभा द्वारा सीकर विश्वकर्मा जयंती पर अवकाश..
46. 119वें स्थापना दिवस पर सुंदरकांड का पाठ का...
47. कुरुक्षेत्र के भारत जांगिड, राजस्थान में न्यायिक मजिस्ट्रेट.
48. दिल्ली संगम विहार के नरेश जांगिड चार्टर्ड अकाउंटेंट..
49. डॉ तनुषी शर्मा , को उसकी उपलब्धि के लिए पुरस्कार..
50. रजनीता ने 12 दिसम्बर को आयोजित सीनियर राष्ट्रीय.
51. रिद्धि जांगिड को हार्दिक बधाई.....
52. दुबई में 21 दिसंबर को आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में
53. महासभा के एक लाख रुपये के प्लैटिनम ..
59. शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रुपये के..
60. शोक संदेश एवं वैवाहिक विज्ञापन...
61. शुभ विवाह- दहेज प्रथा के विरुद्ध समाजहित के लिये..

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

शुभ लाभ ग्रुप
कृष्णा इंटीरियर
भारत व्हील
शर्मा एंड कंपनी
भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नही हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय - ------

जीवन में चुनौतियां मजबूत बनाती हैं, इनका मुकाबला करने से ही सफलता मिलती है।

सम्पादक राम भगत शर्मा।

सबसे पहले मैं, नववर्ष 2026 की लालिमा की नई किरणों के स्वागत के साथ ही, महासभा रुपी परिवार तथा समाज हितेषी सोच रखने वाले उन सभी महानुभावों और मातृशक्ति को हृदय के अन्तःकरण से नववर्ष की पावन बेला में हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। यह नववर्ष आप सभी के जीवन में मंगलकारी, सुख समृद्धि, सफलता और वैभव से परिपूर्ण हो और जीवन में प्रगति के नए आयाम स्थापित हो और परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा आप और आपके परिवार पर सदैव ही इसी प्रकार से बनी रहे और हम सभी मिलकर प्रेम और आपसी सद्भाव तथा सामाजिक मूल्यों का भलीभांति निर्वहन करते हुए, अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में सक्षम और सफल हो। इसी मनोकामना के साथ आपका जीवन देदीप्यमान और जाज्जवल्मान हो और असीम आनन्द और सुख समृद्धि का साम्राज्य बना रहे।

यह नववर्ष वास्तव में, आत्ममूल्यांकन के साथ-साथ ही अपनी कमियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में इनको सुधारने का संकल्प लेने के साथ ही नववर्ष के दौरान किए जाने वाले, अपने संकल्पों और लक्ष्यों के बारे में, अपनी कार्य योजना को मूर्त रूप देने के साथ ही निर्धारित लक्ष्य हासिल करने का भी एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। और इसके साथ ही मैं, देश के 77 वें गणतंत्र दिवस की बधाई देता हूँ और हम सभी देशवासी मिलकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले आजादी के दीवानों के सपनों को साकार करने के लिए और देश को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ मिलकर कार्य करें ताकि उनके सपनों को साकार किया जा सके।

जीवन में नववर्ष के दौरान सफलता हासिल करने के लिए एक निर्धारित संकल्प के साथ आगे बढ़ना पड़ता है और यह भी इस जीवन का एक अकाट्य सत्य है कि जीवन में, सभी को अपना लक्ष्य हासिल करने में सफलता नहीं मिलती है और यह भी सत्य है कि जीवन में आने वाली चुनौतियां, एक व्यक्ति को तोड़ती नहीं हैं, अपितु एक कुन्दन से सोना बनाने का काम करती हैं। कई बार आपने देखा होगा कि एक व्यक्ति असफल होने से, हताश और निराश और कुंठा ग्रस्त होकर बैठ जाता है, लेकिन **वास्तव में जो व्यक्ति, इन चुनौतियों से निपटने हुए, अपने जीवन में सदैव ही निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर होता रहता है, वही सफलता को हासिल करने में कामयाब रहता है।** कोयले से हीरा बनने की कहानी तो आप सबने सुनी होगी। आप के मन-मस्तिष्क में, यह एक विचार सहज रूप से ही कौंध रहा होगा कि, काले कोयले से हीरा कैसे बन सकता है। इसके माध्यम से यह असीम प्रकृति हमें यह संदेश देने की कोशिश करती है कि, **जीवन में धैर्य, संयम और असहनीय कष्ट सहने से ही, जीवन में आशातीत सफलता हासिल की जा सकती है।**

एक उदीयमान और प्रतिभावान व्यक्ति के लिए जीवन में सफलता हासिल करने का आधार, कोयले से हीरा बनने की ऊर्जावान कहानी बनती है। पृथ्वी के गर्भ में हजारों साल तक उसका अत्यधिक ताप और असहनीय दबाव ही, कोयले से हीरा बनने की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं। यह अवधारणा परिव्यापत है कि, **सतह से नीचे कार्बन के अणुओं पर असंख्य पत्थरों का भार और असहनीय गर्मी के दबाव के कारण यह अणु आपस में मिलकर एक मजबूत संरचना को वास्तविक स्वरूप देते हैं और जिसको हीरे के नाम से जाना जाता है। इस लम्बी और असहनीय प्रक्रिया से गुजरते**

हुए ही हजारों वर्षों की प्रतीक्षा के बाद ही कोयले से हीरा बनता है और **इस प्रक्रिया के दौरान धैर्य , सहनशीलता और समय ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी प्रकार जो भी अपने जीवन में संयम और धैर्य रखते हुए परिश्रम करता है सफलता उसका वरण करती है।** इस उदाहरण से यह स्पष्ट है कि संयम और धैर्य रखने वाला व्यक्ति बार-बार गिरने के बाद भी, अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर निरंतर ही अग्रसर होता रहता है और अन्त में सफलता हासिल कर ही लेता है।

मेरा तो, यही मानना है कि, **जिसने भी, अपने जीवन में , समसामयिक परिस्थितियों से लड़ना सीख लिया है, उसकी सहन शक्ति कई गुना बढ़ जाती है और फिर जिसको भी , रास्ते में आने वाली कठिनाईयों से गिरकर उठना आ गया है , वह एक दिन सफलता के शिखर पर पहुँचने में अवश्य ही सफल होगा और उसको कोई भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता है।** कई बार **दिग्भ्रमित हो कर एक व्यक्ति को अभिमान हो जाता है कि मैंने अपने जीवन में जो ऊंचाई हासिल की है, वह उसके अपने प्रयासों का प्रतिफल है, लेकिन वह यह भूल जाता है कि इस सफलता में बार-बार गिरना और फिर धैर्य, हिम्मत और साहस के साथ आगे बढ़ने से ही, उसको सफलता का वरण हासिल हुआ है।** जीवन में सफलता का मूल्यांकन केवल एक बात से नहीं हो सकता है कि एक व्यक्ति ने जीवन में कितनी ऊँचाई हासिल की है, **बल्कि इस सफलता का मूल्यांकन इसपर निर्भर है कि , जीवन के कर्तव्य पथ पर कितनी बार गिर कर खड़े हुए हैं।**

जीवन में सफल और असफल लोगों में केवल एक ही अन्तर होता है **दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास तथा स्पष्ट दृष्टिकोण का** , कई व्यक्तियों में आमतौर पर **बल और बुद्धि का अंतर नहीं होता है , लेकिन जिस समय उसकी सफलता का मूल्यांकन किया जाता है तो, इस बात का पता चलता है कि सफल और असफल व्यक्तियों में केवल मात्र, दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प का ही, वह मूल अंतर था, जिसने बार-बार गिरने के बाद भी, अपने लक्ष्य से विमुख नहीं होने दिया और वह बार-बार गिरने के बावजूद भी अपने निर्धारित लक्ष्य की तरफ आगे ही बढ़ते रहे।** जहां तक सामर्थ्य और बल तथा बुद्धि का प्रश्न ,यह सभी गुण तो कई बार असफल लोगों में भी मिल जाते हैं, **लेकिन वह अपने संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में, इस संकल्प को पूरा करने में असमर्थ रहते हैं तथा वह सहज और स्वाभाविक रूप से ही हिम्मत हार कर बैठ जाते हैं,** क्योंकि ऐसे व्यक्तियों का, संकल्प बड़ा ही कमजोर और अस्थिर और चलायमान होता है।

जीवन में किसी व्यक्ति की सफलता का मूल्यांकन और आंकलन उसकी बार-बार गिर कर उठने की क्षमता से ही भलीभांति लगाया जाना चाहिए। रोमांचक मैच कौन सा होता है, जिस मैच में अन्तिम समय तक हार-जीत को लेकर असमंजस की परिस्थितियां ही बनी रहे और मैच का आनन्द केवल निष्पक्ष भाव रखने वाले दर्शक ही उठा सकते हैं। इस जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचना बड़ी बात नहीं है , लेकिन जो खिलाड़ी बार-बार असफल होने के बाद भी सफलता की कहानी लिखते हैं, उनका ही इतिहास लिखा जाता है। **महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन ऐल्वा ने बल्ब का आविष्कार करते समय अपने 1000 प्रयोगों में असफल रहे, लेकिन उन्होंने 1001 वें आविष्कार में बल्ब की खोज करके यह सिद्ध कर दिया कि बल्ब बनाने के एक हजार तरीकों से बल्ब नहीं बन सकता है, और वह अपने आविष्कारों के कारण ही दुनिया का सबसे महान वैज्ञानिक बना। इसी प्रकार बार-बार गिरने के बाद भी ऊँचाइयों की उड़ान भरना एक व्यक्ति की हिम्मत और साहस का परिचायक है** और, जिस दिन एक व्यक्ति, दूसरों को दी जाने वाली सलाह पर स्वयं भी अमल करना और चलना सीख जायेगा, उसी दिन उसकी सफलता की नींव रखी जाएगी और बार-बार गिरने के बाद भी उसकी जीत सुनिश्चित हो जाएगी।

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

नववर्ष के दौरान नव संकल्प लेने के साथ आत्मविश्लेषण का भी दिन है।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

नव वर्ष के मंगलमय अवसर पर, मैं अपने हृदय के अन्तःकरण से महासभा रुपी परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं और सभी का अभिनंदन करता हूँ एवम आशा करता हूँ कि **आप सभी के जीवन में इस नववर्ष के दौरान सुख समृद्धि, शांति और खुशहाली के साथ-साथ सफलता का भी शंखनाद हो । आप अपने निर्धारित लक्ष्य में सफल हो तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित करें, ऐसी मेरी मंगलकामना है।** इसके साथ 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस की हार्दिक बधाई। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने देश के 20 होनहार बच्चों को अदम्य साहस के लिए वीरता पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही 27 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह की 359वीं जयंती पर बधाई जिन्होंने सन् 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी और इसी दिन गुरु ग्रंथ साहिब को

प्रधान,रामपाल शर्मा

खिखों का शाश्वत गुरु घोषित किया गया था । मैं अयोध्या में भगवान श्रीराम लला की मूर्ति स्थापना की द्वितीय स्वर्णिम वर्षगांठ के अवसर पर बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आपमें से अधिकांश लोगों ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन करके अपनी आध्यात्मिक प्यास भी बुझाई होगी। इसके साथ ही विश्व हिंदी दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस और महासभा के महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण की भी हार्दिक बधाई और मंगल कामनाएं देता हूँ। साथ ही मकर संक्रांति पर्व और लोहड़ी की भी बधाई देता हूँ।

नव वर्ष एक प्रकार से, **अपने पुराने संकल्पों का आत्मविश्लेषण करने के साथ ही नई ऊर्जा और नये संकल्प के साथ आगे बढ़ने की भी प्रेरणा देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम अपने सफर में कहां पर पहुंचे हैं और अधूरे संकल्प को पूरा करने में जो भी बाधाएं और कठिनाइयां आई हैं, भविष्य में उनको कैसे दूर किया जा सकता है।** महासभा का मुख्य सेवक होने के नाते ही **मैं, आज तक यह नहीं समझ पाया हूँ कि आपने मुझे इतना अधिक स्नेह और प्यार दिया तथा आप सभी के विश्वास पर ही हम सभी मिलकर समाज के महापुरुषों के सपनों को साकार करने के लिए मुण्डका में महासभा का भवन बनाने में सफल हो सके हैं।**

अब नव वर्ष 2026 है और यह वर्ष हमें समाज के उत्थान और विकास के लिए संकल्प लेने और नई सकारात्मक दृष्टिकोण और सोच के साथ आगे बढ़ते हुए अपने कर्तव्य का बोध करात है। आपके सहयोग से ही महासभा का भवन भी बन गया और इसके संचालन के लिए ठेकेदार देवी सिंह जांगिड की अध्यक्षता में एक 5 सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया है। पिछले महीने 23 दिसम्बर को कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई थी उस बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि समाज के उदीयमान और प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इसमें संघ लोक सेवा आयोग और अन्य प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करने के लिए उचित व्यवस्था करनी चाहिए ताकि समाज के गरीब बच्चे, इसका लाभ उठा कर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सके और वह अपने जीवन को सार्थक बना सकें।

इसके साथ ही महासभा का इस वर्ष सबसे बड़ा फोकस **शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष रूप से रहेगा।** मैंने अपने **अनुभव के आधार पर महसूस किया है कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन गरीबी की दीवार उनके सामने बाधा बन कर खड़ी हो जाती है।** इस समस्या के निराकरण के लिए समाज के सभी दानदाताओं और भामाशाहों के भरोसे ही महासभा द्वारा **शिक्षा कोष और गरीब कल्याण कोष की स्थापना की गई है और इस शिक्षा कोष में गरीब बच्चों की सहायता करने के लिए पत्रिका के मुख पृष्ठ पर प्रकाशित क्यू आर कोड के माध्यम से 10 रुपए से लेकर अपनी श्रद्धानुसार कितनी भी राशि दान कर सकते हैं। आपका दिया हुआ एक एक पैसा उन गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान बच्चो की किस्मत की लकीरों को बदलने वाला सिद्ध हो सकता है।** मैं अपने गुरु जी के वचनों पर विश्वास रखता हूँ, जिन्होंने मुझे दीक्षा देते समय कहा था कि **जीवन में आप कितना ही धन और संपत्ति एकत्रित कर लें लेकिन अपनी श्रद्धानुसार और सामर्थ्य के अनुसार, दान नहीं किया तो आपको गरीब बच्चों की दुआयें नहीं मिल सकती हैं और इसी का पालन करते हुए मेरी जीवन**

संगिनी श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने 5 बच्चियों को गोद लिया हुआ है जिसका सारा खर्च उनके द्वारा वहन किया जा रहा है। इसके साथ ही श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट भी इस महापुण्य के कार्य में लगी हुई है और उसके द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति ग्रहण करके समाज के हजारों बच्चों ने सफलता की नई इबारत लिखी है।

महासभा द्वारा इस यज्ञ को आगे बढ़ाने के लिए ही **शिक्षा कोष की स्थापना की गई है।** आपका सहयोग के रूप में बढ़ाया गया हाथ, एक नए इतिहास की रचना करेगा आप सभी इस महायज्ञ में अपनी अपनी श्रद्धानुसार आहुति डाल कर पुण्य के भागी बनने का सौभाग्य प्राप्त करें।

संकल्प 1- पिछले वर्ष हमने आपसे एक वायदा किया था कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की यादों को संजोए हुए, अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या मे समाज के लिये एक भवन बनाने के लिये जमीन खरीदी जायेगी इसी मुहिम को आगे बढ़ाने के लिये मैंने पिछले वर्ष भी अयोध्या का दौरा किया था और कई स्थानों पर इस भवन के लिए जगह देखी गई थी और इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मैंने महामंत्री सांवरमल जांगिड, डॉ मुकेश जांगिड समलेटी एवं बजरंगलाल बांदीकुई के साथ 11 जनवरी से 14 जनवरी तक अयोध्या का दौरा किया है और उम्मीद है कि भगवान श्रीराम की अनुकंपा से अयोध्या में समाज के भव्य भवन के निर्माण के लिए जमीन खरीदने का कार्य शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। इस दौरे के दौरान दो तीन जगहों का निरीक्षण किया गया है। यह कार्य अन्तिम चरण में है और मुझे उम्मीद है कि समाज का यह सपना भी जल्दी ही मूर्त रूप लेकर पूरा होगा।

संकल्प 2- महासभा की विरासत अंगिरा भारती पब्लिक स्कूल के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया गया है और यह कार्य महासभा की प्राथमिकता में शामिल है और मेरी तो यही जिज्ञासा है कि समय आने पर इस स्कूल को पदोन्नत करके इसको एक आधुनिक कालेज बनाने पर भी विचार किया जा सकता है और यह सपना समाज के सभी लोगों के सहयोग से ही पूरा किया जा सकता है।

संकल्प 3- बसंत कुंज में स्थित सती मठ में एक छात्रावास बनाया जा रहा है और इस पर दिल्ली प्रदेश सभा द्वारा महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड और वर्तमान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल शर्मा के कार्यकाल में लगभग 1 करोड़ रुपए की राशि अब तक खर्च की जा चुकी है। महासभा के कार्यकारी प्रधान के मार्ग दर्शन में बनाए जा रहे इस छात्रावास का कार्य अन्तिम चरण में है। इसमें समाज के प्रतिभावान और आर्थिक रूप से कमजोर निर्धन बच्चों के रहने की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी ताकि वह अपना भविष्य उज्ज्वल बना सके।

संकल्प 4 - इसके साथ ही मथुरा जिले के गोवर्धन में भगवान विश्वकर्मा का मंदिर है जिसका कब्जा छुड़वाने के लिए महासभा द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं, इसका मामला न्यायालय में चल रहा है और इसकी पैरवी महासभा के वकीलों द्वारा बड़े ही जोरदार तरीके से की जा रही है।

संकल्प 5- आप सभी के सहयोग से महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाने के लिए पहले ही कार्यकाल के दौरान आपके विश्वास पर सदस्यता मिशन डेढ़ लाख शुरू किया गया था और मुझे विश्वास है कि यह डेढ़ लाख का आंकड़ा इस कार्यकाल के दौरान अवश्य ही पहुंच पूरा हो जाएगा और इस प्रकार महासभा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा।

संकल्प 6- इसके साथ ही महासभा रुपी परिवार के प्लेटिनम सदस्यों की संख्या बढाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और मुझे खुशी है कि इस प्रक्रिया को पिछले 4 सालों के दौरान विशेष बल मिला है। महासभा में पिछले चार सालों के दौरान दौगुना से अधिक नए प्लैटिनम सदस्य जोड़े गए हैं। जनवरी 2022 में महासभा के प्लैटिनम सदस्यों की कुल संख्या 68 थी जो वर्तमान मे 183 हो गयी है। इस प्रकार पिछले चार वर्षों के दौरान लगभग दो गुना से ज्यादा प्लेटिनम सदस्य महासभा के परिवार में शामिल किए गए हैं। **मैं, समाज के भामाशाह और दानदाताओं से अनुरोध करता हूँ कि वह अधिक से अधिक संख्या में महासभा के प्लेटिनम सदस्य बने और इसके साथ ही अपने सहयोगियों को भी इस अभियान में शामिल करें और इसमें अपना भरपूर सहयोग दें।**

इसके साथ ही मैं 26 जनवरी को देश के 76वें गणतंत्र दिवस की भी हृदय के अंतःकरण से महासभा रुपी परिवार को शुभकामनाएं देता हूँ। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था का परिचायक है। आओ हम सब मिलकर इस देश की एकता और अखंडता को बनाए रखते हुए देश के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें ताकि यह देश विश्व की विकसित देशों की अग्रिम श्रेणी में शामिल हो सके। मैं, सभी को विश्वास दिलाता हूँ कि हम सभी मिलकर समाज में शिक्षा का स्तर सुधारने के साथ-साथ एक टीम के रूप में कार्य करते हुए समाज को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे। मैं परमात्मा से प्रार्थना करता कि इस नव वर्ष के दौरान आपके सभी मनोरथ पूरे हो और जो संकल्प आपने लिया है उसको सकारात्मक दृष्टिकोण से आत्मसात करते हुए पूरा करें।

आप सभी को पुनः नववर्ष की मंगलमय शुभकामनाओं के साथ। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

सृष्टि रचयिता भगवान- श्री विश्वकर्मा का - आओ करें गुणगान

****

"विश्व-निर्माण- कर्तारं मंगलं वरदायकम, हंसारूढं वास्तुदेवं विश्वकर्माणं नमामि"

आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जिनके एक हाथ मे गज, दूसरे हाथ में जलमंडल और तीसरे हाथ में डोरी तथा चौथे हाथ में सर्वश्रृष्टि रचित विश्वकर्मा पुराण हैं। जो हंस पर विराजमान है तथा मस्तक पर रत्नजड़ित मुकुट धारण किए हुए है। तीन लोक, देवद्वार, राजमहल एवं समस्त सृष्टि की रचना कर सर्व के हितकारी, कल्याणकारी, विश्व विराट, शेष नारायण, परमदयालु भगवान श्री विश्वकर्मा को हम बारंबार प्रणाम करते हैं।

इस स्थावर जड़वत जगत को जिसने बनाया उस परमपिता परमात्मा को अनेक नामों से पुकारा जाता है। इनमें विराट श्री विश्वकर्मा एक है। उन्हें वेदों में **"ईश्वर की शिल्प कला"** का प्रतीक माना जाता है। सृष्टि निर्माता का यह गुण बोधक एवं गुणात्मक नाम है। विश्व के समस्त पदार्थों को ईश्वर ने रचा है। इसलिए इनका नाम **श्री विश्वकर्मा** है। विराट श्री विश्वकर्मा द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर ही संसार का यह चक्र चल रहा है। ऋग्वेद और यजुर्वेद के विश्वकर्मा सूक्तों में इसका वर्णन आया है। स्कंद पुराण में भगवान विश्वकर्मा को अनादि निराकार आदि बताकर विश्वकर्मा के विराट स्वरूप का ही वर्णन किया है जिसका न आदि है और न अंत।

आराध्यदेव भगवान श्री विश्वकर्मा सृष्टिकर्ता, सर्वेश्वर,सर्वव्यापक, सर्वांतव्यापी,अनुपम और अनादि हैं। श्री विश्वकर्मा सृष्टिकर्ता, सर्वेश्वर और विज्ञान के पूर्ण ज्ञाता हैं इसीलिए इन्हें विज्ञान का आद्याचार्य और शिल्प प्रवर्तक कहा जाता है और यही कारण है कि संसार में इन्हें संस्कृति का प्रथम आविष्कारक मानते हैं। श्री विश्वकर्मा ने ही सृष्टि को ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, स्थापत्य और समस्त कला का प्रकाश दिया। देवताओं के इंजीनियर कहलाने वाले महान तेजस्वी श्री विश्वकर्मा ने जनकल्याण के लिए अनेक अस्त्र- शस्त्रों का एवं सुविधा-वस्तुओं का निर्माण किया है। उनकी शिल्प विद्या इतनी अलौकिक और चमत्कारिक थी कि अन्य देवतागण भी इनका असीम सत्कार करते थे। समस्त विश्व की रचना करने के कारण ही इन्हें विश्वकर्मा के नाम से पुकारा जाता है। आज संसार में जो भी दृष्टिगोचर हो रहा है यह सब उन्हीं की देन है।

भगवान श्री विश्वकर्मा में ईश्वरीय ज्योति का प्रकाश था। इसलिए इनकी गणना उच्च कोटि के देवताओं में की जाती है। यदि संपूर्ण शास्त्रों व साहित्य की खोज की जाए तो आराध्य देव श्री विश्वकर्मा की महिमा में अनेकों ग्रंथ तैयार हो सकते हैं। परम दयालु श्री विश्वकर्मा देदिप्यमान, तेज प्रताप तथा स्वयं प्रकाशित हैं। उनका ध्यान सुख शांति एवं उन्नति प्रदान करता है इसीलिए कोई भी श्रेष्ठ कार्य भगवान श्रीविश्वकर्मा की पूजा किए बिना पूर्ण हुआ माना ही नहीं जा सकता। वस्तुतः सिद्धांत है कि श्री विश्वकर्मा की पूजा कल्याण चाहने वालों के लिए अनिवार्य है।

जिस प्रकार चैत्र शुक्ला नवमी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की, भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी भगवान श्रीकृष्ण की जन्मतिथि है उसी प्रकार **माघ शुक्ला त्रयोदशी निर्माण के देवता, विज्ञान सम्राट श्री विश्वकर्मा**

की जन्मतिथि है।

अतः जन्म तिथि पर भगवान श्री विश्वकर्मा का पुण्य स्मरण कर उनकी जयजय कार करे। वैसे तो सभी प्रतिदिन श्री विश्वकर्मा जी का गुणगान करते हैं परंतु विशेष रूप से श्री विश्वकर्मा जन्म तिथि के दिन भी हम इनका विधि विधान से पूजन करें तो निश्चित ही प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। सभी प्रकार के वास्तुदोष इनकी पूजा मात्र से ही समाप्त हो जाते हैं। इनकी पूजा समस्त दोषों का निवारण करने वाली और उन्नति देने वाली मानी जाती है इसलिए सकल ब्रह्मांड को धारण करने वाले तथा संसार के रचयिता एवं हमारे आराध्य प्रभु श्री विश्वकर्माजी की बारंबार जयकार करे।

।। जय विश्वकर्मा भगवान ।।

प्रवीण कुमार शर्मा नीमच
मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा

भगवान श्री विश्वकर्मा जी की जयंती 31 जनवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

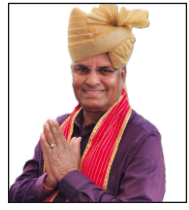

भगवान विश्वकर्मा, शिल्पकला और निर्माण के देवता हैं, जिन्होंने इस सृष्टि की रचना के साथ ही, विश्व को विज्ञान और प्रौद्योगिकी का ज्ञान भी दिया है और भगवान विश्वकर्मा ने ही अस्त्र शस्त्र और बड़े बड़े महलों का निर्माण किया है। भगवान श्रीकृष्ण के लिए द्वारकापुरी, रावण की सोने की लंका और इन्द्र के लिए अमरावती का निर्माण भी किया है। आज उनके कला कौशल को आत्मसात करके ही ,भगवान विश्वकर्मा की सन्तानों ने प्रत्येक क्षेत्र में अनुकरणीय उपलब्धि हासिल की है।

पंचाग के अनुसार भगवान विश्वकर्मा जयंती हर वर्ष माघ महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन मनाई जाती है। लेकिन भगवान विश्वकर्मा ही देवताओं में एक ऐसे देवता हैं, जिनकी पूजा सामुहिक रूप से एक साल में तीन बार की जाती है। पहली, जन्म जयंती माघ महीने की त्रयोदशी, जो जनवरी - फरवरी में आती है। दूसरी बार 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस और उसके बाद तीसरी बार, उत्तरी भारत, हरियाणा और दिल्ली सहित, दीपावली के अगले दिन, अन्नकूट के दिन भी भगवान विश्वकर्मा पूजा ,सभी औद्योगिक संस्थानों और कारीगरों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।

वेदों और शास्त्रों में भी कहा गया है कि जगत के संपूर्ण कर्म , जिसके द्वारा संपन्न होते हैं अथवा संपूर्ण जगत में जिसका कर्म है। वह सब जगत का कर्त्ता परमपिता परमात्मा परमेश्वर विश्वकर्मा ही है। विश्वकर्मा शब्द के इस यथार्थ के आधार पर ही विविध कला कौशल के आविष्कार सिद्ध हो सकते हैं, तथापि सर्वाधर सर्वेकर्ता , परमपिता परमात्मा की सर्व प्रथम विश्वकर्मा है। प्रजापति परमेश्वर, प्रजा को उत्पन्न करने से, सर्वप्रथम विश्वकर्मा है। ईश्वर एक महान रचनाकार शिल्पी है और ईश्वर के विश्वकर्मा होने का प्रमाण है,रचनाकार के बिना सुंदर रचनाए नहीं हो सकती , जैसे सोने से अपने आप आभूषण नहीं बन सकते हैं, उसी प्रकार प्रकृति से अपने आप सृष्टि नहीं बन सकती है। वेदों में ईश्वर के लिए विश्वकर्मा शब्द भी आया है और चारों वेदों में 71 बार प्रमुखता से भगवान विश्वकर्मा का नाम आया है। इस तरह विश्वकर्मा नाम परमात्मा ईश्वर का ही एक रूप है।

मेरा महासभा रुपी परिवार के सदस्यों से, अनुरोध है कि वह अपनी आस्था और विश्वास के अनुसार ही उपरोक्त तीनों दिवसों को अपनी सुविधानुसार यह उत्सव मना सकते है।

।। जय विश्वकर्मा भगवान ।।

चुनाव के परिपेक्ष में मेरी भावना.....

प्रधान महासभा , रामपाल शर्मा,

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में चुनाव महत्वपूर्ण आधार है। कारण यह है कि इसमें हम अपने नेतृत्व का चयन बहुमत के आधार पर करते हैं। हमारा समाज संगठन भी अपने विधान अनुसार लोकतान्त्रिक आदर्शों को अपना आधार मानता हैं।

लोकतंत्र की परिभाषा चुनाव को अहमियत देती है, जिससे समाज का हर व्यक्ति अपनी पसन्द से चुनिंदा उम्मीदवारों से अपना प्रतिनिधि चुन सकता है। यदि समाज का प्रमुख बनने के लिए प्रत्याशीयो की कतार बडी हो तो चुनाव आवश्यक हो जाता है। और जब चुनाव ही एकमात्र विकल्प रह जाता है तो चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित इकाई का प्रमुख निर्वाचित घोषित किया जाता है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आत्मा हैं इस कथन को चरितार्थ करने के लिए चुनाव अधिकारी महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा अंतर्गत वे विशिष्ट समाज बंधु जो सामाजिक चुनाव में गहरा अनुभव रखते हैं, चुनाव अधिकारी मनोनीत होते हैं तथा समाज के चुनाव का संचालन करते हैं और समाज में लोकतंत्र को सुरक्षित रखते हैं तथा चुनाव कराते समय महासभा के संविधान एवं चुनाव निर्देशिका के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराते हैं।

चुनाव अधिकारी मतदान संबंधी नियमों तथा निर्देशों का नियमित रूप से अध्ययन करते हैं तथा आवश्यक होने पर उसमे संशोधन कराते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि सामाजिक मतदाताओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो तथा चुनाव समाज की गरिमा को बनाए रखते हुए निर्विघ्न संपन्न हो। चुनाव अधिकारी महासभा एवं अन्तर्गत सभाओं की मीटिंगों में लिए गए निर्णय अनुसार निर्धारित दिनांकों पर चुनाव हेतु विज्ञप्ति जारी करते हैं। पात्रता मापदंडों को सुनिश्चित करते हैं तथा नामांकन कराते हैं और आवश्यकता होने पर प्रजातांत्रिक तरीके से गुप्त मतदान द्वारा निष्पक्ष चुनाव कराते हैं।

महासभा के सदस्यों की निरंतर वृद्धि के परिणामस्वरूप महासभा एवं अन्तर सभाओं के चुनाव कराना कठिन दर कठिन होता जा रहा है। चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार तथा आवागमन का खर्च, समाज बंधुओ का बूथ तक आने-जाने का खर्च, स्टेशनरी, प्रिंटिंग, बूथ तक चुनाव सामग्री प्रेषित करने आदि में खर्च एवं समय अधिक लगने लगा है तथा चुनावी टीम भी बड़ी होने लगी है। इस प्रकार चुनाव बहुत खर्चीले हो गये हैं। अत्यधिक चुनावी खर्च के कारण सामान्य व्यक्ति चुनाव प्रक्रिया से दूर होता जा रहा है। इससे जहां समाज की एकता में सेंध दिखने लगती है वही मतभेद और मनभेद होकर पक्ष-विपक्ष बन जाते हैं। साथ ही गुटबाजी एवं छींटाकशी के साथ वैमनस्य बढ़ जाता है।

ऐसे में खर्च एवं समय की बचत को ध्यान में रखते हुए चुनाव अधिकारियों सहित सुलझे हुए ओर समझदार प्रत्याशियों तथा सामाजिक कार्यकर्ता एवं बंधुओं ने भी भरपूर सहयोग दिया और महासभा प्रधान के रूप में मेरा चुनाव महासभा के इतिहास में अनेक दशकों के बाद निर्विरोध संपन्न हुआ। जिससे समाज मे धन एवं समय की तो बचत हुई साथ ही समाज की एकता भी बनी रही। चुनाव अधिकारी हमारे सामाजिक लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समाजबंधु हैं। वे हमारे समाज के ऐसे सेवाभावी व्यक्ति हैं जो विज्ञप्ति जारी होने के समय से जब तक चुनाव संपन्न नहीं होते कई दिनों तक कड़ी मेहनत करते हैं। उस समय राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी मंडल में मुख्य चुनाव अधिकारी नीमच के श्री प्रवीण कुमार शर्मा, चुनाव अधिकारी गण दिल्ली के श्री सुरेंद्र वत्स, जयपुर के श्री कैलाशचंद्र शर्मा (साली वाले), ब्यावर के श्री बसंत कुमार जांगिड एवं सीकर के श्री राधेश्याम मांडन रहे जिन्होंने प्रधान पद कि चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराई।

यही प्रक्रिया सत्र 2025 में संपन्न हुए प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु चुनाव में निरंतर गतिमान रही और महासभा के राष्ट्रीय मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण कुमार शर्मा के निर्देशन मैं विभिन्न प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। प्रदेशाध्यक्ष के इन सभी चुनावों में श्री सांवरमल जागिड ने अपनी महति सेवाएं प्रदान की।

महासभा अन्तर्गत प्रदेश सभाओं के सत्र 2025 में निर्विरोध निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी निम्नानुसार हैं।

क्रमाक	प्रदेश का नाम	चुनाव अधिकारी का नाम एवं स्थान	निर्विरोध निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का नाम
1.	प्रदेश सभा उत्तराखंड	श्री मनोहर लाल शर्मा (दूरदर्शन), जयपुर श्री ब्रह्मदेव शर्मा, ब्यावर	श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा, हरिद्वार
2.	प्रदेश सभा छत्तीसगढ़	श्री मक्खन लाल जांगिड, नागपूर श्री देबू जांगिड, नागपूर	श्री भोलाराम शर्मा, कुम्हारी
3.	प्रदेश सभा गुजरात	श्री शंकर लाल जांगिड, जयपुर श्री प्रहलाद राय शर्मा, सीकर	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, डभाण
4.	प्रदेश सभा कर्नाटक	श्री मनोहर लाल जांगिड, जयपुर श्री रामजीलाल जांगिड, जयपुर	श्री बाबूलाल शर्मा, बैंगलुरु
5.	प्रदेश सभा गोवा	श्री प्रहलाद राय शर्मा, सीकर श्री प्रहलाद शर्मा, मूंडवाड़ा	श्री जसाराम सुथार, पणजी
6.	प्रदेश सभा पंजाब	श्री बलराम सिलक, दिल्ली श्री ऋषि प्रकाश, दिल्ली	श्री सीताराम बरवाडिया, चंडीगढ़
7.	प्रदेश सभा तेलंगाना	श्री मनोहर लाल शर्मा (दूरदर्शन), जयपुर श्री शंकर लाल जांगिड, जयपुर	श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद
8.	प्रदेश सभा तमिलनाडु	श्री राजेन्द्र कुमार जांगिड, बंगलौर श्री मनमोहन शर्मा, बंगलौर	श्री रामकिशोर आसलिया, चेन्नई
9.	प्रदेश सभा हरियाणा	श्री बसंत कुमार जांगिड ब्यावर श्री कमलकिशोर गोठडीवाल, ब्यावर	श्री हनुमान प्रसाद, फरीदाबाद
10.	प्रदेश सभा पश्चिम बंगाल	श्री बजरंग लाल शर्मा, दुर्ग श्री राधेश्याम माडण, सीकर	श्री प्रभु दयाल बरवाड़िया , हुगली

आप सभी चुनाव पदाधिकारियों के मार्गदर्शन, अटूट समर्थन और समर्पण तथा चुनावों को सुचारू, शांतिपूर्ण और निर्विरोध रूप से संपन्न कराने हार्दिक आभार। आपकी कड़ी मेहनत, सकारात्मक दृष्टिकोण, निष्पक्षता और कुशल प्रबंधन ने लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपके अमूल्य सहयोग और विश्वास के लिए में सदैव आभारी रहूंगा जो निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए मुझे प्रेरित करता है।

महासभा के प्रधान एवं विभिन्न प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनावों के साथ- साथ विभिन्न प्रदेशों में जिलाध्यक्ष, तहसील एवं ब्लॉक अध्यक्ष तथा शाखा अध्यक्षों के भी चुनाव संपन्न हुए हैं। इन चुनावों में भी विभिन्न चुनाव पदाधिकारियों ने अपनी उल्लेखनीय सेवाएँ दी हैं। में उन सब के पति भी धन्यवाद जापित करते हुए आभार व्यक्त करता हूं और उम्मीद करता हूं कि भविष्य में भी आप सभी चुनाव पदाधिकारी गण इसी प्रकार महासभा को अपनी सेवाएं देते रहेंगे। पुनः धन्यवाद के साथ.....

महासभा की राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह अजमेर में संपन्न हुआ।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 11 जनवरी 2026 को जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज अजमेर के भव्य अंबेडकर सभागार मे आयोजित किया गया। इस समारोह मे समाज ने अजमेर की धरती पर वह क्षण देखा जिसे आने वाले वर्षों तक गौरव के साथ याद किया जायेगा। समारोह मे महिला शक्ति की नेतृत्व और संघटनात्मक क्षमता का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। यह सिर्फ आयोजन नहीं था बल्कि यह भावना थी उभरती शक्ति की। यह संदेश था समाज में परिवर्तन का।

यह इस बात का प्रमाण था कि जब महिला नेतृत्व आगे आता है तो इतिहास लिखा जाता है। खचाखच भरा सभागार इस बात का साक्षी बना कि समाज में संगठन के प्रति मातृशक्ति की सोच मे एक बहुत बड़ा बदलाव और चेतना का संचार हुआ है। महासभा के किसी भी आयोजन मे पहली बार इतनी संख्या मे मातृ शक्ति की उपस्थिति ने हमारे समाज को गौरान्वित किया है। आयोजक टीम जिसमे महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमति सविता जांगिड एवम श्री श्रीगोपाल चोयल के नेतृत्व एवम हमारी मातृशक्ति के प्रबंध कौशल ने आयोजन को सुनियोजित तरीके से संचालित करने मे कोई कोर कसर नही छोड़ी।

मुख्य अतिथि मान. राज्यमंत्री राज. सरकार श्रीमति मंजू बाघमार, विशेष अतिथि श्रीमति अनिता भदेल (पूर्व मंत्री एवम वर्तमान विधायक अजमेर पश्चिम), महासभा के सम्माननीय कार्यकारी प्रधान श्री लादुराम जांगिड, महासभा के मुख्य सलाहकार श्री श्रीगोपाल चोयल, कानूनी सलाहकार श्री सुरेन्द्र वत्स, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमति सविता जांगिड, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा, राजनैतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री राकेश कुमार जांगिड, सह सम्पादक श्री प्रहलादराय जांगिड, श्री रामजीलाल जांगिड प्रभारी मिशन डेढ लाख, मुख्य संरक्षक महिला प्रकोष्ठ श्रीमति मधु शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष - श्री प्रभुलाल बरनेला (मध्यप्रदेश), श्री घनश्याम पंवार (राजस्थान), श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (गुजरात), श्री बाबूलाल शर्मा (कर्नाटक), श्री धर्मपाल (दिल्ली), श्री अशोक शर्मा (उत्तरप्रदेश), प्रदेश प्रभारी - श्री मदनलाल जांगिड (दिल्ली), श्री रमेश शर्मा (कर्नाटक), श्री प्रमोदजी जांगिड सूरत कार्यकारी अध्यक्ष गुजरात, श्री जगदीश खंडेलवाल कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ - श्रीमति रेणु शर्मा (राजस्थान), श्रीमति माया शर्मा (मध्यप्रदेश), श्रीमति मुन्नीदेवी शर्मा (कर्नाटक), श्रीमति रीमा जांगिड (गुजरात), श्रीमति उषा जी (उत्तरप्रदेश), श्रीमति स्मिता जांगिड राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, राजस्थान प्रदेश सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री बसंत कुमार जांगिड, युवा

प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजस्थान श्री धर्मवीर जांगिड, जांगिड रत्न से सम्मानित श्री शंकरलाल लदोया, पहाड़गंज मन्दिर अध्यक्ष श्री गंगादीन जांगिड, श्री ललित जडवाल, श्री नीलेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गुजरात, श्री रामप्रसाद बोदल्या जिलाध्यक्ष अजमेर, श्री रतन लाल जांगिड अजीतगढ़, श्री मांगीलाल जांगिड (Rtd RAS), श्री सतीश जांगिड (Rtd Dy. SP) और समस्त माननीय संरक्षकगण, महासभा पदाधिकारी, उच्चस्तरीय एवम कोर कमेटी सदस्य, महासभा महिला प्रकोष्ठ, राजनीतिक सलाहकार, मध्यप्रदेश से पधारी महिला टीम, अजमेर शहर, सीकर, ब्यावर, जयपुर राजस्थान के अन्य शहरों से पधारी टीम, समाज के प्रबुद्ध भामाशाह सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियो ने इस समारोह मे भाग लेकर महिला शक्ति की प्रतिभा को गौरान्वित किया है।

राजस्थान के सभी जिलों से अन्य राज्यों से आई महिला शक्ति ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ा महिला संगठन समारोह बना दिया। कार्यक्रम के सुसंस्कृत और उत्कृष्ट संचालक ने यह सिद्ध कर दिया कि संगठन में अनुशासन और टीम की भावना हो तो असंभव कुछ नहीं।

शपथ ग्रहण समारोह का उत्साह इस बात से लगाया जा सकता है कि महासभा के पदाधिकारी व महिला प्रकोष्ठ के सदस्य एक दिन पहले ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे। आयोजन स्थल का चयन इतना सोच समझ कर किया गया था जिससे रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड दोनों नजदीक रहे। आयोजकों द्वारा अतिथि को लाने ले जाने की व्यवस्था एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस तीनों जगह से की गयी थी। यही नहीं अतिथियों को कोई असुविधा न हो इसका पूरा ध्यान रखा और इसके लिये ठहरने तथा खाने पीने की शानदार व्यवस्था की गयी थी। जब मन से और श्रद्धा से व पूरी लगन से कोई कार्य किया जाए तब भगवान आपका सहयोग पूरी तरह से करते हैं। इसका सच्चा प्रमाण था, रविवार की वह ऐतिहासिक सुबह जो खुशनुमा गर्म और सुहानी थी। यह सूर्य भगवान का आशीर्वाद था जिसकी पहली किरण के साथ अंबेडकर सभागार में राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ का इतिहास लिखने वाला कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। अजमेर शहर के मुख्य चौराहे से लेकर सभागार तक महिला प्रकोष्ठ के पोस्टर व बेनर ही नजर आ रहे थे जिसमें राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष की फोटो सब के साथ नए युग का आगाज करती दिखाई दे रही थी।

रविवार सुबह अजमेर शहर के सभागार में नगाड़ों की धूम थी उत्साह और चहल पहल थी। सभागार को रंगोली से सजाया गया। नाश्ते में अजमेर की फेमस कड़ी-कचोरी के साथ अन्य विभिन्न प्रकार के पकवान अपने मेजबानों का इंतजार कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरा अनुसार झंडा रोहण के साथ भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा के गगनभेदी जयकारों तथा देशभक्ति के नारे की प्रतिध्वनि के साथ हुआ। जब-जब जांगिड समाज में अजमेर का नाम आता है तो एक ही चेहरा दिखाई देता है वो चेहरा है श्री श्री गोपाल जी चोयल का।

कार्यक्रम की कमान संभालते हुए झंडा रोहण स्थल पर श्री श्री गोपाल चोयल ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सामाजिक एकता, संगठन शक्ति और मातृशक्ति द्वारा इस विशालकाय भव्य समारोह की प्रशंसा की। भारत माता की जयकारे पूरे जांगिड समाज की एकता को दर्शा रहे थे जो यह सिद्ध कर रहे थे कि समाज के लिए उसका देश सर्वोपरि है। अब समय था अतिथि सम्मान का, जैसे ही हमारे राष्ट्रीय प्रधान का सभागार में आगमन हुआ पूरा सभागार जो समाज की महिला पुरुष व बच्चों से भरा था गर्व और गर्मजोशी से भर गया। तालिया के उद्घोष के साथ हमारे प्रधान जी की उपस्थिति को सार्थक किया।

राष्ट्रीय प्रधान रामपाल जी शर्मा ने इस समारोह को ऐतिहासिक बताते हुये महिला शक्ति का दिल से आभार व्यक्त किया और भविष्य मे और अधिक भागीदारी की उम्मीद जतायी।

राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा कार्यक्रम की दिशा और धूरी रही जिसने इस समारोह मे नेतृत्व का स्वर्णिम अध्याय रचा। श्रीमती सविता शर्मा जी के द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया जिसमे महिला सशक्तिकरण, संगठन शक्ति और महिलाओं की स्वयं की पहचान पर विशेष बल दिया।

महासभा महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड ने अपने उद्बोधन में कहा कि पूरे भारत मे जांगिड समाज एक मजबूत संगठन है, इसे और मजबूत बनाना है। महामंत्री ने उपस्थित मंत्री महोदया से जांगिड समाज को राजनीति मे उचित भागीदारी की मांग को मुख्यमंत्री महोदय तक पहुचाने का निवेदन किया।

इस समारोह के दौरान राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा दिये निर्देशानुसार सभी जिलो, तहसीलो पर विश्वकर्मा जयंती पर स्थायी अवकाश की मांग को लेकर पूरे प्रदेश मे समाज की विभिन्न जिला सभाओं, तहसील सभाओं तथा अन्य संस्थाओं द्वारा दिये गये ज्ञापनो की प्रतियां मुख्यमंत्री महोदय को पहुंचाने के लिये मंत्री महोदया को सौंपी गयी।

अब इंतजार था उस घड़ी का जहां देश के कोने-कोने से महिलाएं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए शपथ लेने के लिए एकत्रित हुई। गुजरात, हरियाणा, उत्तराखंड, कर्नाटक ,बेंगलुरु ,मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और देश के सभी प्रान्तों से महिलाएं राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शपथ लेने के लिए आई। 60 से ज्यादा महिलाओं ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए शपथ ली। शपथ लेने वाली सभी पदाधिकारियो का ड्रेसकोड पिंक साड़ी था। हरियाणा प्रदेश से महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए सुमन जी को शपथ दिलाई गई। बेंगलुरु से महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए मुन्नी देवी जी को शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के इस चरण में अजमेर की जिला अध्यक्ष श्रीमती मंजू लदोया जी ने भी अपनी जिला कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। कार्यक्रम को रंगारंग बनाने के लिए सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए एक नाट्य कार्यक्रम रखा गया। जिसमें फोन के दुरुपयोग के बारे मे बताया गया। माता-पिता की सेवा पर विशेष बल दिया गया। वृद्धा अवस्था में माता-पिता को परिवार की जरूरत होती है ना कि वृद्ध आश्रम इस बात को दर्शाया गया। इस नाट्य कार्यक्रम के द्वारा पूरे समाज में एक संदेश दिया गया कि हमारे माता-पिता हमारे जनक है, हमारे लिए सर्वोपरि है। अंतिम दिनों में हम उनके साथ रहे यह संदेश समाज के सभी व्यक्तियों को दिया गया।

यह शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही साथ विभिन्न क्षेत्रों मे विशेषता प्राप्त ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान समारोह भी था जिन्होंने अपने प्रदर्शन से देश, राज्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर खयाति प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया हो। इस कड़ी में सम्मानित

(1)-श्रीमती किशोरी जी चोयल को महिला उद्यमी के रूप में सम्मानित किया गया। आपने समाज की महिलाओं को अपनी सोच और नेतृत्व क्षमता से महिलाओं को न सिर्फ रोजगार दिया बल्कि जीवन के कई मायने सिखाये। आज उन्होंने हर महिला को गर्व से सर उठाकर और इज्जत से जीना सिखाया।

(2)-दीपिका शर्मा को भी सम्मानित किया गया जो एक सफल और प्रेरणादायक न्यूज़ एंकर है। इन्होनें अपनी विशेष वाणी, निष्पक्ष पत्रकारिता और लगन के साथ खबरों को जन-जन तक पहुंचाकर अपनी मेहनत, ईमानदारी से इस क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है।

(3)-शोभा शर्मा, अध्यक्ष महिला शाखा सभा ने स्टेट लेवल सीनियर सिटीजन रेस में 100 मीटर और 200 मीटर रेस में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

(4)-प्रियंका शर्मा अंतरराष्ट्रीय आर्ट फेस्टिवल में भाग लिया और शिल्प कला में द्वितीय स्थान हासिल किया।

(5)- उषा बरड़वा ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 60 आयु वर्ग के 5 किलोमीटर और 1500 मीटर औरा 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अजमेर की होनहार एंकर श्रीमति प्रीति शर्मा एवम साक्षी जी ने बहुत ही अलंकृत शब्दो के साथ मंच संचालन किया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे पांच स्तंभ जिसमे मीनू शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री, पुष्पा शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मंजू शर्मा जिला अध्यक्ष अजमेर, संतोष शर्मा जिला कार्यकारी अध्यक्ष अजमेर, शोभा शर्मा शाखा सभा अजमेर का विशेष योगदान रहा।

अंत मे मीनू शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री महिला प्रकोष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुये सभी का आभार व्यक्त किया।

मीनू शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री महिला प्रकोष्ठ

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2860/2025 दिनांक 22/12/2025

नडियाद - प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग का सार

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत कार्यरत प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं महासभा पदाधिकारियों की तृतीय त्रैमासिक बैठक गुजरात प्रदेश सभा के सौजन्य से **दिनांक 06 दिसम्बर, 2025 शनिवार को रात्रि 9 बजे से होटल साईप्रस, केनाल रोड, नडियाद** में महासभा प्रधान **श्रीमान रामपाल जांगिड** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसके मुख्य अतिथि महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चंद जी बरनेला इंदौर एवं श्री रविशंकर शर्मा जयपुर थे। जिसमें महासभा के निम्न प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी उपस्थित होकर मीटिंग के एजेंडे पर सर्व सहममति से निर्णय लिए गये जो महासभा के पत्रांक- अ.भा.जां.ब्रा. महासभा- दिल्ली/2820/2025 दिनांकः- 24/11/2025 के तहत जारी किया गया था, जो निम्नानुसार हैः-

1. श्रीमान रामपाल शर्मा	महासभा प्रधान	18. श्री रवि शंकर शर्मा	पूर्व प्रधान महासभा
2. श्री कैलाश चंद बरनेला	पूर्व प्रधान महासभा	19. श्रीमती सविता जांगिड	अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ
3.श्री नानु राम जांगिड	प्रदेशाध्यक्ष- महाराष्ट्र	20. श्री मोहन लाल दायमा	सदस्य कोर कमेटी
4. श्री प्रवीण शर्मा	मुख्य चुनाव अधिकारी	21. श्री सुरेन्द्र वत्स	कोर कमेटी सदस्य
5. श्री घनश्याम शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष - राजस्थान	22. श्री ख़ुशी राम जांगिड	प्रदेशाध्यक्ष - हरियाणा
6. श्री प्रभु दयाल बरनेला	प्रदेशाध्यक्ष-मध्य प्रदेश	23. श्री राजेंद्र कुमार शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष - गुजरात
7. श्री कैलाश शर्मा	उच्चस्तरीय कमेटी	24. श्री बाबु लाल शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष - कर्नाटक
8. श्री मुकेश शर्मा	प्रदेश प्रभारी-उतरप्रदेश	25. श्री मदन लाल जांगिड	प्रदेश प्रभारी-दिल्ली
9. श्री चंपा लाल जांगिड	प्रदेश प्रभारी-महाराष्ट्र	26. श्री रतन लाल लाडवा	प्रदेश प्रभारी- मध्यप्रदेश
10. श्री संतलाल जांगिड	वरिष्ठ उपप्रधान	27. श्री ओम प्रकाश शर्मा	कोर कमेटी सदस्य
11. श्री गंगादीन जांगिड	कोर कमेटी सदस्य	28. श्री रामजी लाल जांगिड	प्रभारी मिशन डेढ़ लाख
12. श्री द्वारका प्रसाद शर्मा	उच्चस्तरीय कमेटी	29. श्रीमती मीनू शर्मा	मंत्री महिला प्रकोष्ठ
13. श्री जसा राम सुथार	प्रदेश अध्यक्ष गोवा	30. श्री जगदीश खंडेलवाल	कार्यकारी अध्यक्ष दिल्ली
14. श्री रोहितास जांगिड	उच्चस्तरीय कमेटी	31. श्री गोपेश जांगिड	अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ
15. श्री सांवर मल जांगिड	महामंत्री महासभा	32. श्री भोला राम शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष -छतीसगढ़
16. श्री ऋषि प्रकाश जांगिड	कार्यालय प्रभारी	33. श्री मिश्री लाल दायमा	उच्च स्तरीय कमेटी
17. श्री प्रमोद कुमार जांगिड	कार्यकारी अध्यक्ष गुज.	34. श्री रूप किशोर जांगिड	महासभा प्रवक्ता

सर्वप्रथम महासभा **महामंत्री सांवरमल जांगिड** ने रायपुर में सम्पन्न होने जा रही प्रदेशाध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों की तृतीय त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों तथा महासभा पदाधिकारियों का मीटिंग में पधारने पर गर्म जोशी के साथ हार्दिक स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही मीटिंग में पहली बार पधारे नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल शर्मा कर्नाटक, श्री जसाराम सुथार गोवा, श्री गोपेश जांगिड अध्यक्ष युव प्रकोष्ठ, श्री मुकेश शर्मा प्रदेश प्रभारी उतर प्रदेश एवं श्री रूप किशोर जांगिड महासभा प्रवक्ता का **परिचय, स्वागत एवं अभिनंदन किया गया** तत्पश्चात महामंत्री ने मीटिंग के पूर्व निर्धारित एजेंडा अनुसार चर्चा करने हेतु विधिवत शुरुआत की गयी :-

एजेंडा नम्बर - 1 रायपुर त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 27/09/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन।

महामंत्री ने मीटिंग एजेंडे की शुरुआत करते हुए कहा कि रायपुर में दिनांक 27 सितम्बर, 2025 को कार्यकारिणी की तीसरी मीटिंग में लिए गये निर्णयों के मिनट्स महासभा द्वारा पत्रांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2790/2025 दिनांक 17/10/2025 के तहत जारी किये जाने के साथ ही महासभा की पत्रिका माह अक्टूबर-2025 के पेज नम्बर 49 से 54 पर भी प्रकाशित किये जा चुके हैं। अतः उक्त मीटिंग के मिनट्स का पुनः वाचन नही करके महासभा पत्रिका में प्रकाशित कार्यवृत को पढ़ा हुआ मानकर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों से रायपुर मीटिंग में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया।

जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा करतल ध्वनि के साथ उक्त निर्णयों का अनुमोदन किया।

एजेंडा नबर - 2 महासभा का 2022 तक का पुराना सम्पूर्ण रिकोर्ड को डिजिटल करने पर चर्चा।

महामंत्री ने बताया कि महासभा का गठन हुए लगभग 118 साल से भी अधिक समय हो गया है तथा महासभा का अब तक का सम्पूर्ण रिकार्ड पुराना तथा जीर्ण-शीर्ण अवस्था मे होने के कारण उसको अब सुरक्षित रख पाना सम्भव नही है। सभी उपस्थित पदाधिकारियों से विचार विमर्श एवं राय मशविरा करके प्रधान जी ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि महासभा के 2022 तक के सम्पूर्ण पुराने रिकॉर्ड की पीडीएफ बनाकर डिजिटल करके कम्प्युटर की बड़ी हार्ड डिस्क में सुरक्षित रखने के साथ ही एक अन्य कंप्यूटर में भी स्टैंडबाई सुरक्षित रखा जाये। जिससे भविष्य में कभी भी जरूरत पड़ने पर काम में लिया जा सकें। इस मुद्दे पर श्री रवि शंकर शर्मा पूर्व प्रधान के सुझाव को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मत्ति से यह निर्णय भी किया गया कि पुराना रिकार्ड को एक कमेटी का गठन करके ही स्क्रैप किया जाये, जिसका अनुमानित खर्चा लगभग दो लाख तक या उससे भी ज्यादा आने की संभावना है।

प्रधान जी द्वारा लिए गये उक्त निर्णय पर महामंत्री द्वारा बैठक मे उपस्थित समस्त पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया गया, जिसका सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने करतल ध्वनि के साथ उक्त निर्णय का अनुमोदित किया।

एजेंडा नम्बर -3 महासभा की मासिक पत्रिका के प्रकाशन करवाने बाबत चर्चा।

महासभा महामंत्री ने बताया कि महासभा में वर्तमान में लगभग 28000 हजार ऐसे सदस्य है (जैसे संरक्षक सदस्य, प्लैटिनम सदस्य, स्वर्ण सदस्य, रजत सदस्य, संपोषक एवं विशेष संपोषक आदि सदस्य) जिनको महासभा द्वारा संविधान अनुसार मासिक पत्रिका भेजना अनिवार्य है जिसका अनुमानित रूपये 25 प्रति पत्रिका के हिसाब से कुल रूपये 700000/- मासिक खर्चा आएगा, जिसको वहन करना महासभा के लिए सम्भव नही है, क्योंकि महासभा के पास आज की तारीख में कोई भी स्थाई आय का स्रोत नही है इसलिए यदि आप सहमत हो तो मासिक पत्रिका को डिजिटल करके भविष्य में सोशल मिडिया के माध्यम से सभी सदस्यों को प्रेषित कर दिया जाये इस पर सभी के विचार आमंत्रित है :-

इस बिंदु पर सभी प्रदेश अध्यक्षों ने अपने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किये जैसे कि पत्रिका प्रिंट करना बंद कर देनी चाहिए या जिन सदस्यों के आवेदन आये है सिर्फ उन्ही सदस्यों को पत्रिका भेजनी चाहिए या सिर्फ प्रदेश अध्यक्षों / जिला अध्यक्षों के माध्यम से ही पत्रिका भेजनी चाहिए या मासिक पत्रिका को डिजिटल करके भविष्य में सोशल मिडिया के माध्यम से सदस्यों को भेजनी चाहिए या सिर्फ 1000 पत्रिका प्रिंट करवाकर मुख्य पदाधिकारियों या जिन सदस्यों को आवश्यकता है उन्ही सदस्यों को प्रेषित करनी चाहिए ताकि पत्रिका प्रिंटिंग होने वाली महासभा कि अनावश्यक होने वाली खर्च राशि को बचाया जा सकेगा।

अंत में प्रधान जी सभी पदाधिकारियो के सुझाव सुनने के बाद पूर्व प्रधान श्री रवि शंकर शर्मा एवं श्री कैलाश जी बरनेला की सहमति से यह निर्णय किया गया कि जनवरी 26 से बनने वाले 2100 रूपये के संरक्षक सदस्यों को मासिक पत्रिका नही भेजी जाये तथा अब सिर्फ उन्ही सदस्यों को मासिक पत्रिका भेजी जानी चाहिए जिन्होंने पत्रिका भेजने हेतु आवेदन किया है एवं छोटे प्रदेश के अध्यक्ष को 5 एवं बड़े प्रदेश को 10 पत्रिका भेजनी चाहिए इसके साथ ही जिन संस्थाओं ने महासभा में अपना रजिस्ट्रेशन करवा रखा है उनको भी प्रत्येक माह पत्रिका भेजनी चाहिए तदुपरांत मीटिंग में उस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सर्व सम्मत्ति से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर-4 महासभा का महाधिवेशन आयोजित करने एवं संविधान संशोधन कमेटी का गठन करने पर चर्चा :-महामंत्री ने बताया कि महासभा संविधान के नियम 5 के अनुसार प्रत्येक प्रधान को अपने कार्यकाल में कम से कम एक बार महासमिति की बैठक का आयोजन करके अपने कार्यकाल में महासभा संविधान में किये गये संशोधनों का अनुमोदन करवा कर संविधान को संशोधित कर सहकारी विभाग से रजिस्टर्ड करवाना अति आवश्यक है। इस हेतु पहले चरण में महासभा कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित संशोधनों का महासभा के संविधान में समावेश करने हेतु एक संविधान संशोधन कमेटी का

गठन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

उक्त विषय पर सभी प्रदेश अध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों ने पर्याप्त विचार विमर्श करने के बाद मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने सर्वसम्मती से यह प्रस्ताव पारित किया कि संविधान संशोधन कमेटी का गठन करने हेतु महासभा प्रधान को अधिकृत किया जावे तथा वे महासभा के मुख्य सलाहकार, क़ानूनी सलाहकार एवं मुख्य चुनाव अधिकारी से विचार विमर्श करके महासभा के शिक्षित, अनुभवी एवं महासभा संविधान के ज्ञाता पदाधिकारियों की एक कमेटी का गठन करें ताकि महासभा संविधान को संशोधित करने के लिए महासमिति की आगामी बैठक का आयोजन किया जा सके। जिसका मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने उक्त प्रस्ताव का स्वागत करते हुए पुरजोर समर्थन के साथ अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर - 5 महासभा के विरुद्ध अनावश्यक कोर्ट केस करके हारने वाले सदस्यों के खिलाफ कार्यवाही करने बाबत चर्चा -

मीटिंग में सभी को संबोधित करते हुए महामंत्री ने बताया कि महासभा के कुछ सदस्य ऐसे भी है जो जानबूझकर छोटी-छोटी बातों या अनावश्यक कारणों कि वजह से महासभा के विरुद्ध कोर्ट केस करके महासभा की प्रतिष्ठा को समाज में धूमिल करने की कुचेष्टा करते है। तथा झूठे एवं बेबुनियाद आरोप लगाने एवं केस का उचित प्रमाण ना होने के कारण कोर्ट में हार भी जाते हैं। ऐसे आदतन सदस्यों द्वारा कोर्ट केस करने के कारण पिछले 4 वर्षों में कोर्ट केस की उचित एवं दमदार पैरवी करने के लिए महासभा द्वारा अपने दानदाताओं की खून पसीने की गाढी कमाई से प्राप्त दानराशी से लगभग 7 लाख रूपये से भी ज्यादा याशी का वकीलों को भुगतान करना पड़ा।

उक्त मुद्दे पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों काफी चर्चा करने के उपरांत यह प्रस्ताव पारित किया गया कि महासभा के विरुद्ध अनावश्यक कोर्ट केस करके केस हारने वाले सदस्यों के खिलाफ (जैसे श्री आशाराम जांगिड रेवाड़ी, श्री रामचन्द्र दीक्षित बांकनर, श्री नवीन शर्मा जयपुर, श्री ओम प्रकाश जांगिड पंजाबी बाग - दिल्ली एवं कई अन्य सदस्य) अविलम्ब अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए महासभा द्वारा कोर्ट केस पर खर्च की गई राशी की वसूली करनी चाहिए और यदि वह महासभा द्वारा कोर्ट केस में खर्च कि गई राशी जमा नही करवाये तो उनकी महासभा की सदस्यता को स्थाई रूप से समाप्त कर दी जानी चाहिए। साथ ही श्री आशाराम जांगिड रेवाड़ी के खिलाफ उनके द्वारा किये गये कोर्ट केस का निर्णय आने के बाद ही कार्यवाही किये जाने का निर्णय किया।

जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने सर्वसम्मत्ति से अपने अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर - 6 अंगिरस भारती स्कूल के संचालन कार्य में बाधा पहुँचाने एवं अनावश्यक गतिविधियाँ करने पर श्री राम चन्द्र दीक्षित बांकनेर की महासभा की आजीवन सदस्यता समाप्त करने पर चर्चा -

महामंत्री ने इस तथ्य से भी सभी को अवगत कराया कि महासभा द्वारा संचालित अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले श्री रामचन्द्र दीक्षित को बार-बार चेतावनी देने के बावजूद वे जान बुझकर स्कूल स्टाफ को भडकाने एवं स्कूल संचालन कार्य में बाधा पहुँचाने तथा स्कूल परिसर में अनावश्यक गतिविधियाँ करते हुए स्कूल की प्रतिष्ठा को सार्वजनिक रूप से नुकसान पहुँचाने की कुचेष्टा करने के कारण महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चंद्र बरनेला द्वारा महासभा के पत्रांक 2458/10 दिनांक 24/10/2013 के तहत श्रीरामचंद्र दीक्षित को पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। उसके बाद भी उनके द्वारा कि जाने वाली गतिविधियों में कोई सुधार नही होने के कारण महासभा के पूर्व प्रधान श्री रविशंकर शर्मा द्वारा महासभा पत्रांक 190/18 दिनांक 18/10/2018 के तहत पुनः पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्काषित किया गया था।

श्रीरामचंद्र दीक्षित को दो बार निष्काषित किये जाने के उपरांत भी उनका आचरण वैसा का वैसा ही रहने पर महासभा प्रधान द्वारा उनको एक बार पुनः चेतावनी देते हुए महासभा के पत्रांक 2091/2023 दिनांक 04/10/2023 के तहत फिर से पांच वर्ष के लिए महासभा की सदस्यता से निष्काषित किया गया था। महामंत्री ने सदन को बताया कि इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी उनके आचरण एवं गतिविधियों से ऐसा प्रतीत नही होता है की भविष्य में उनमें किसी तरह का सुधार या

बदलाव कि सम्भावना है। अतः क्यों नहीं उनको उपरोक्त कृत्यों का दोषी ठहराते हुए महासभा द्वारा अब तक की गई कार्यवाही एवं महासभा प्रधानों द्वारा लिए गये निर्णयों को उचित मानते हुए उनकी महासभा की आजीवन सदस्यता को स्थायी रूप से समाप्त कर दिया जाए।

उक्त विषय पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने महासभा प्रधानों द्वारा की गई कार्यवाही पर सहमति व्यक्त करते हुए श्री राम चन्द्र दीक्षित कि महासभा सदस्यता को आजीवन रूप से समाप्त करने हेतु ध्वनि मत से समर्थन करते हुए उक्त प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

एजेंडा नम्बर - 7 महासभा अधीनस्थ इकाईयों के चुनावों में बिना किसी ठोस कारण के अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी नहीं करने / चुनाव के बाद संस्था का चार्ज नही देने वाले पदाधिकारियों पर कार्यवाही करने पर चर्चा

महासभा महामंत्री ने मीटिंग के दौरान सभी को अवगत कराया कि राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा द्वारा महासभा के संज्ञान में लाया गया है की राजस्थान प्रदेश सभा की अधीनस्थ ईकाइयों के चुनाव के दौरान कुछ जिला अध्यक्ष जान बुझकर चुनाव में भाग लेने वाले प्रत्याशी को अदेयता तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नही करते है। जिस कारण कई समाज बन्धु चुनाव में भाग लेने से वंचित रह जाते है जो कि सरासर महासभा संविधान एवं लोकतंत्र के विरुद्ध कृत्य है।

इस बिंदु पर मीटिंग में काफी विचार विमर्श करने के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय किया गया की ऐसे पदाधिकारियों के खिलाफ यदि मामला जिला अध्यक्षों से सम्बन्धित है तो चुनाव में भाग लेने वाला उम्मीदवार प्रदेश अध्यक्ष को शिकायत कर सकता है तथा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मामले कि पूर्ण जाँच पड़ताल करके सम्बन्धित आवेदनकर्ता को अदेयता / अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है और यदि सम्बन्धित चुनाव प्रत्याशी प्रदेश अध्यक्ष कि कार्यवाही से संतुष्ट नही है तो वह महासभा में अपील कर सकता है। यदि मामला प्रदेश से सम्बन्धित है तो सम्बन्धित प्रत्याशी सीधे महासभा में शिकायत कर सकते है तदुपरांत महासभा द्वारा मामले कि पूर्ण जाँच करके अदेयता तथा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जा सकेगा स यदि शिकायत कि जाँच में कोई भी जिलाध्यक्ष या प्रदेशाध्यक्ष दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी महासभा संविधान के तहत कार्यवाही कि जा सकेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं पदाधिकारी कि होगी स साथ ही किसी भी सभा के चुनाव के एक माह बाद भी किसी पदाधिकारी द्वारा अपना चार्ज नव निर्वाचित कार्यकारिणी को नही सोंपता है तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही करने का स्पष्ट उल्लेख महासभा संविधान में पहले से ही वर्णित है।

अंत में एक बार फिर से महामंत्री ने मीटिंग में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया ताकि चुनाव प्रक्रिया एवं महासभा संविधान में उचित संशोधन कर दिया जाये प् जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने -अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर- 8 महासभा अधीनस्थ इकाईयों के चुनावों में नामांकन के बाद विभिन्न उम्मीदवारों द्वारा किसी एक उम्मीदवार के पक्ष में लिखित शपथ पत्र द्वारा समर्थन देने पर उस प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करने बाबत चर्चा।

महासभा महामंत्री ने इस एजेंडा बिंदु पर अपने विचार प्रकट करते हुए अवगत करवाया कि महासभा कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित चुनाव निर्देशिका - 2024 में उक्त एजेंडा बिदु को पेज नम्बर 23 पर निर्देशिका के नियम 13 के उपनियम (ब) के तहत पहले से ही स्पष्ट किया हुआ होने के कारण प्रदेश अध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों कि उक्त मीटिंग में इस इस मुद्दे पर किसी तरह कि कोई चर्चा नही की गई।

महासभा पत्रिका जुलाई-2024 में प्रकाशित चुनाब निर्देशिका - 2024 के नियम 13 का उप नियम (ब) निम्नानुसार स्पष्ट है कि यदि चुनाव में सभी प्रत्याशी किसी एक प्रत्याशी के समर्थन में अपना नाम वापस ले लेते है या चुनाव लडना नहीं चाहते हैं तो इसकी लिखित सूचना रुपये 500/- के स्टाम्प पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र के साथ संबंधित चुनाव पदाधिकारी को दी जावेंगीं। ऐसी परिस्थिति में चुनाव में शेष रहे एक प्रत्याशी को चुनाव से पूर्व ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जावेगा और चुनाव दिनांक को चुनाव नहीं होंगे। चुनाव नहीं लडने या किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष के नाम वापस लेनें की उपरोक्तानसुर सूचना मतदान प्रारम्भ होने के समय से 7 दिवस पूर्व देना आवष्यक होंगा अन्यथा सूचना पर

कोई विचार नहीं किया जायेंगा। तहसील एवं शाखा अध्यक्ष के चुनाव में यह अवधि 2 दिवस पूर्व की रहेगी।

एजेंडा नम्बर - 9 जिला सभाओं के चुनाव में चुनाव शुल्क राशि डिमांड ड्राफ्ट से लेने बाबत चर्चा

महासभा महामंत्री ने बताया कि महासभा के यह संज्ञान में लाया गया है कि पिछले दिनों विभिन्न प्रदेशों में जिला सभा के चुनावों में महासभा पत्रिका जुलाई-224 में प्रकाशित चुनाब निर्देशिका - 2024 के पेज नम्बर 31 में आवश्यक नियम सूचनाए एवं दिशा निर्देश के नियम 12 के अनुसार जिला सभा एवं उसके अधीनस्थ सभाओं के चुनाव में चुनाव शुल्क राशि नकद में लेने बाबत निर्देश होने के कारण कई समाज बन्धु निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न नही होने देते और समाज को अनावश्यक चुनाव में धकेल कर समाज को बाँटने एवं चुनाव कार्य में बाधा पहुँचाने का कार्य करने कि वजह से विभिन्न समाज बन्धुओं एवं प्रदेश अध्यक्षों से कई तरह की शिकायतें प्राप्त हुई है।

मीटिंग उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने गहन चर्चा करने के उपरांत सर्व सम्मत्ति से यह निर्णय किया गया कि अब से आगामी महासभा के अधीनस्थ कार्यरत जिला सभाओं तक के चुनाव में चुनाव शुल्क राशि को सिर्फ डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से ही जमा किया जाये ताकि कोई भी समाज बन्धु निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाने या समाज को अनावश्यक चुनाव में धकेल कर समाज को बाँटने एवं चुनाव कार्य में बाधा पहुँचाने का कार्य नही कर सकें।

सभी विचार एवं सुझाव पर चर्चा के बाद अंत में महामंत्री ने मीटिंग में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया ताकि चुनाव प्रक्रिया एवं महासभा संविधान में उचित संशोधन कर दिया जाये। जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने-अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

एजेंडा नंबर 10 अन्य कोई विषय प्रधान जी की अनुमति से:- प्रदेश अध्यक्षों को अधीनस्थ इकाइयों के अध्यक्षों के खिलाफ कार्यवाही करने का अधिकार देनें पर चर्चा :-

महामंत्री ने मीटिंग में सभी से कहा कि बंधुओं जैसा कि आपको ज्ञात है की महासभा के अधीनस्थ इकाइयों के पदाधिकारी किसी भी तरह का संविधान विरुद्ध कार्य करते है तो उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए संविधान अनुसार केवल महासभा प्रधान ही अधिकृत है परन्तु महासभा रूपी अपने सामाजिक संगठन को अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाने के लिए सभी प्रदेश अध्यक्षों को एक बार छः माह के लिए कार्यवाही करने के अधिकार दे दिए जाये ताकि वो अपने अधीनस्थ इकाइयों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही कर सकें।

इस विषय पर मीटिंग में समस्त प्रदेश अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के विचार एवं सुझाव जानने के पश्चात महासभा प्रधान जी ने पूर्व प्रधान श्री कैलाश जी बरनेला एवं श्री रवि शंकर शर्मा कि सहमति पर सर्वसम्मति से यह निर्णय किया कि अब सभी प्रदेश अध्यक्षों को दिनांक 01/01/2026 से 30/06/26 तक अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के अधिकार दिए जाए ताकि वो भी अपने अधीनस्थ इकाइयों के खिलाफ कार्यवाही कर सकें। इस दौरान यदि कोई भी पदाधिकारी सम्बन्धित प्रदेश अध्यक्ष कि कार्यवाही से संतुष्ट नही है तो प्रदेश अध्यक्ष के निर्णय के 15 दिवस के भीतर महासभा प्रधान को अपील कर सकता है।

महामंत्री महासभा ने सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से उक्त प्रस्ताव का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया जिस पर सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों ने अपने-अपने हाथ खड़े करके उक्त प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अनुमोदन किया।

मीटिंग के अंत में महासभा महामंत्री ने उपस्थित सभी प्रदेश अध्यक्षों/ प्रदेश प्रभारियों/ उच्च स्तरीय कमेटी /कोर कमेटी सदस्यों तथा महासभा एवं अन्य पदाधिकारी गणों को मीटिंग में अपना अमूल्य समय निकालकर भाग लेने एवं अपने महत्वपूर्ण सार्थक एवं उपयोगी सुझाव देने के लिए आभार... धन्यवाद.. एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधान जी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्माजी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति को घोषणा की गई।

प्रतिलिपि :- सभी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-

समस्त प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी गण,

राजस्थान, हरियाणा, उतराखंड, महराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटका, तेलंगाना, तमिलनाडु, छतीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उतर प्रदेश एवं पंजाब

सांवरमल जांगिड , महामंत्री - महासभा

नववर्ष 2026 में, महासभा रुपी परिवार, नए संकल्पों के साथ-साथ क्षमा करने के प्रण को भी आत्मसात करे।

सांसद, राज्य सभा सदस्य राम चन्द्र जांगड़ा।

नववर्ष के दौरान सूर्य की लालिमा से परिपूर्ण पहली किरण के साथ ही महासभा रुपी परिवार के साथ ही सभी समाज बंधुओं को हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। यह नववर्ष खुशियों से जाज्वलयमान और प्रकाशमान हो और नव वर्ष के दौरान नि करें। निर्धारित संकल्प और लक्ष्य हासिल करने के साथ-साथ आपके वैभव और प्रतिष्ठा में भी चार चांद लगने के साथ ही सुख और समृद्धि की अभिवृद्धि हो। इसके साथ ही, नववर्ष के दौरान परम पिता परमात्मा सर्वेश्वर भगवान प्रभू की अनुकम्पा आप पर और आपके परिवार पर सदैव ही इसी प्रकार बनी रहें और सकारात्मक सोच और उदात्त दृष्टिकोण को आत्मसात करते हुए, इस महासभा परिवार के साथ मिलकर इसे आगे बढ़ाने में अपना बहू मूल्य योगदान दे। क्योंकि लोकतंत्र में असली ताकत संगठन में है और संगठन के द्वारा ही राजनीति में विशेष रूप से अग्रसर हो सकते है। जीवन में आप सुख समृद्धि और सफलता हासिल हो ऐसी मेरी मनस्कामना है।

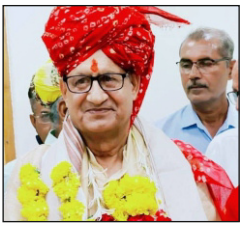

मैं,भी महासभा से लगातार जुड़ा रहा हूँ। मुझे पता चला है कि हरियाणा प्रदेश में 3 जनवरी को, 24 वर्षों के बाद, प्रदेश अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जांगिड निर्विरोध रुप से अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। **मैं हनुमान प्रसाद जांगिड को बधाई देने के साथ ही महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा को भी बधाई देता हूँ और वह निर्विरोध निर्वाचन की इसी परम्परा को प्रदेश और जिला स्तर पर भी लागू करवा रहे हैं।** इस परम्परा से जहां समाज में आपसी प्रेम सौहार्द और समरसता की भावना का विकास होता है, वही समाज का पैसा बचता है। **प्रधान रामपाल शर्मा भी 30 वर्षों के बाद अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।**

मैं, नववर्ष के दौरान महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा से भी यही अनुरोध है कि **महासभा का मुण्डका भवन बन चुका है** और अब इस भवन का उपयोग समाज के होनहार और प्रतिभाशाली युवाओं को, **जो संघ लोक सेवा आयोग या अन्य किसी राज्य स्तर की प्रशासनिक परिक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनके तैयारी करने के लिए देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में, रहने की उचित व्यवस्था इस भवन में की जाए।** जैन ,जाट और सैनी सहित अनेक दूसरों समाजों ने भी अपने बच्चों के उत्थान के लिए यह व्यवस्था की हुई है और हमारा समाज के बच्चों को अगर थोड़ा सा सहारा मिल जाए तो वह साहिल बनकर अपनी किश्ती को पार लगा सकते हैं। मेरा समाज के बुद्धिजीवियों और मातृशक्ति से भी यही विनती और विनम्र अनुरोध है कि आज के इस चुनौती भरे डिजिटल और कृत्रिम इंटैलीजैंस के युग में अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा दिलाने का प्रयास करें ताकि बच्चे आगे बढ़ सकें।

अन्त में, मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि नए साल में तीन संकल्प जरुर लें, **1 - अपने माता-पिता का सम्मान करना**, क्योंकि माता-पिता सौभाग्य से मिलते हैं और माता-पिता में सभी तीर्थ छिपे हुए हैं। भगवान शंकर जी कहते हैं कि जो अपने माता-पिता का सम्मान नहीं करता है, वह अपना दुर्भाग्य अपनी कलम से अपने आप ही लिखता है, इसलिए अपने परिवार से आत्मीयता के सम्बन्ध बनाए रखें क्योंकि मुसीबत में वही काम आते हैं। **2- क्षमा करना** अगर आप अपने जीवन में शांति और सुकून चाहते हो तो, क्षमा करना सीखो, क्षमा करने के बाद ,एक व्यक्ति के मन का बोझ हल्का हो जाता है, क्योंकि क्षमा घाव को मिटाती नहीं ,बल्कि एक नया अर्थ देती है, जिस समय आप किसी को क्षमा करते हैं तो, ईश्वर आपके भीतर मुस्कुराने लगता और किसी को क्षमा करना ही आत्मा का उच्चतम स्तर है। **3- माँ स्वरूप महासभा के साथ जुड़े** महासभा के 119 वर्षों के इतिहास की गौरव गाथा महान, हमारे महापुरुषों ने हमें जीने का रास्ता दिखाया। उनकी सोच का परिणाम ही महासभा है। महासभा के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा और विश्वास रखते हुए, समाज के उन महापुरुषों के तप और त्याग को भलीभूत करें, जिन्होंने इस समाज को उस जमाने में एक विशेष पहचान दिलवाई है।

मैं महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा से भी गुजारिश करूंगा कि, महासभा रूपी संगठन का अधिकतम प्रचार प्रसार करने के साथ ही इसके द्वारा महापुरुषों की संकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए समाज के गरीब से गरीब व्यक्ति को, इसके साथ जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

मैं इसका स्वयं साक्षी रहा हूँ, मैंने अपने प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान , गांव-गांव में घूम कर समाज में, महासभा के प्रति जागृति पैदा की और महासभा का परचम लहराया था और यही कारण है कि उस समय मुझे लगातार दो बार, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में, जन सेवा करने का मौका मिला और उसका आज मुझे राज्य सभा सांसद के, रूप में प्रति फल भी मिला है।

मेरा प्रधान रामपाल शर्मा से, एक ही अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महासभा की पहचान का ज्यादा से ज्यादा विस्तार करने के लिए , आज के इस डिजिटल युग में सोशल मीडिया या अन्य किसी सशक्त माध्यम किया जाना चाहिए। नववर्ष के दौरान आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाओं के साथ ही आप सभी का विपुल धन्यवाद। *******

प्रदेश सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे

श्री हनुमान प्रसाद

निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा हरियाणा के **प्रदेशाध्यक्ष** पद के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2800/2025 दिनांक 01 नवम्बर 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 03 जनवरी 2025 शनिवार को नामांकन स्थल **महासभा कार्यालय, रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली** पर निर्धारित समयानुसार संपन्न हुई।

नामांकन प्रक्रिया में नाम वापसी के पश्चात केवल एक ही नामांकन पत्र रहने के कारण **"श्री हनुमान प्रसाद सुपुत्र श्री मूलचन्द शर्मा निवासी फरीदाबाद** को प्रदेश सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रदेश सभा हरियाणा के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **"श्री हनुमान प्रसाद"** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....।

जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	सुरेन्द्र कुमार वत्स	बसंत कुमार जांगिड	कमलकिशोर गोठडीवाल
नोडल अधिकारी महासभा दिल्ली	मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा दिल्ली	चुनाव समन्वयक महासभा दिल्ली	चुनाव अधिकारी महासभा दिल्ली	चुनाव अधिकारी महासभा दिल्ली

जांगिड विकास समिति द्वारा जयपुर , राजस्थान में , प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

जीवन में कुछ सामाजिक संस्थाओं का एकमात्र लक्ष्य होता है, सामाजिक सरोकारों को पूरा करने के लिए समाज कल्याण के कार्यों को निस्वार्थ भाव से अभिप्रेरित होकर करना और जयपुर में एक ऐसी ही संस्था है, जांगिड विकास समिति, जो समाज सेवा के उद्देश्य से शुरू की गई थी और इससे लोग जुड़ते गए और जनसहयोग से यह समिति आगे बढ़ती रही है। इस समिति द्वारा 25 दिसम्बर को 17 वां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जांगिड-सुथार समाज के होनहार और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को, वजीफा, साईकिल और लैपटॉप तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, देश के होनहार विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, मैं इस अवसर पर सम्मानित होने वाले देश के उज्ज्वल भविष्य को बधाई देता हूँ और इसके साथ ही, जांगिड विकास समिति दादी का फाटक के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड और इसकी कर्मठ और अनुशासित कार्यकारी के सभी सदस्यों के बधाई देता हूँ, जो विगत 17 सालों से सुव्यवस्थित और अनुशासनपूर्वक तरीके से शानदार आयोजन कर रही है और सभी सदस्यों की इसमें सक्रिय भागेदारी को देखकर, ऐसा लगता है कि यह समिति सेवा ही लक्ष्य है की मूल भावना को मूर्त रूप देते हुए समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान बच्चों को वजीफा और होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करके, उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रख रही है।

प्रधान रामपाल शर्मा ने यह उद्गार अपने उद्बोधन में जांगिड विकास समिति दादी का फाटक द्वारा 25 दिसम्बर को रजत पैराडाइज जयपुर में, आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। समारोह का श्रीगणेश , गणेश वंदना और भगवान विश्वकर्मा की आरती और पूजन के साथ किया गया तथा इस अवसर पर राजकीय सेवा में चयनित, लोक सेवकों, खिलाड़ियों और कलाकारों सहित 421 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को, गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं साईकल, लैपटॉप और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही समिति द्वारा प्रकाशित की गई पत्रिका प्रोत्साहन 2025 का भी विमोचन किया गया और इसके सम्पादक संजय जांगिड को सम्मानित किया गया।

समाज के बच्चों को इस कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल युग में, बेहतर शिक्षा देने का अभिभावकों को आह्वान करते हुए रामपाल शर्मा ने कहा कि, शिक्षा के माध्यम से ही किसी भी समाज का विकास सुनिश्चित हो सकता है और शिक्षा के साथ-साथ ही बदलते हुए इस आधुनिक परिवेश में ,बच्चों को संस्कार देने की महत्ती आवश्यकता है। संस्कार वह रामबाण हैं, जिसके आधार पर बच्चा माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कारों को आत्मसात करते हुए,किसी भी प्रकार की चुनौती का डटकर मुकाबला करने में सक्षम हो सकता है। इसके साथ ही उनको अपना आचरण शुद्ध रखने और नशे से दूर रहने के लिए भी अभिप्रेरित किया जाना चाहिए। यह समिति भविष्य में भी समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत होकर, निस्वार्थ भाव से प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करती रहेगी। जांगिड विकास समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड ने, इस अवसर समाज के दान-दाताओं और भामाशाहों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि, समाज के भामाशाहों के असीम सहयोग और अतुलनीय योगदान तथा समर्थन के परिणाम स्वरूप ही, इस प्रकार का जिला स्तरीय आयोजन विगत 17 वर्षों से समिति द्वारा किया जा रहा है। जांगिड विकास समिति दादी का फाटक द्वारा, पिछले 17 सालों में इस समिति द्वारा लगभग 8000 से अधिक बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है और 350 से अधिक साईकिल, 250 से अधिक छात्र -छात्राओं को 5000 रुपए के हिसाब से छात्रवृत्ति दी गई है और इसके लैपटॉप टेबल, 200 से अधिक गोल्ड और 300 से अधिक सिल्वर पदक और 2 बच्चों को टैबलेट और एक बच्ची को लैपटॉप वितरित किया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि यह समिति निस्वार्थ भाव से,समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को,आगे बढ़ाने में सहयोग कर रही है और निस्वार्थ भाव से अभिप्रेरित होकर ही, यह समिति अपना कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस समिति द्वारा, जिला स्तरीय

प्रतिभा सम्मान समारोह में जांगिड-सुथार समाज के होनहार और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को वजीफा, साइकिल ,लैपटॉप और स्मृति चिह्न देखकर सम्मानित किया गया है। अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के सेवा भाव, अनुशासन , एकजुटता समर्पण सत्य निष्ठा से कार्य करने की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही यह संभव हो सका है। मैं सभी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम शर्मा पंवार ने, समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनको हृदय से साधुवाद देता हूँ और मेरे शब्द कम पड़ जाते हैं। शायद पूरे भारत में इतनी कोई अनुशासित टीम नहीं है और यह दूसरी संस्थाओं के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान भी है। प्रतिवान बच्चों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी में आगे बढ़ने का एक ज्ज्बा है और तप कर ही सोना बनता है। आज के युवाओं में वह क्षमता और ताकत है, इसलिए जीवन में अपने लक्ष्य को भेदना है तो अपनी संकल्प शक्ति के साथ आगे बढ़े, सफलता अवश्य ही मिलेगी। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों और तहसील अध्यक्षों को, इस समिति का अनुसरण करने का आह्वान भी किया। उद्योगपती, मधुसूदन आमेरिया ने कहा कि सफलता किसी का मोहताज नहीं है। उन्होंने छात्र छात्राओं से, अनुनय विनय किया कि वह अपने पिता के संस्कारों और माता-पिता के संघर्ष को कभी भी न भूलें। बच्चों को चरित्रवान बनने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का एक ही मूल मंत्र है और वह है, विनम्रता और शालीनता। सफलता हासिल करने के लिए मेहनत और पुरुषार्थ की निरंतरता होनी चाहिए। मैं इस गौरवशाली समिति को धन्यवाद देता हूँ, जिसने देश के भावी कर्णधारों के भविष्य को संवारने का बीड़ा उठाया है। मंजिलें केवल उन्हीं को मिलती है, जिनके हौसलों में उड़ान होती है। समिति के संरक्षक सदस्य चन्द्र दत्त जांगिड ने अपने उद्बोधन में समिति के कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, कई वर्षों पहले लगाया गया,यह जांगिड विकास समिति रुपी पौधा, जो एक छोटा सा पौधा लगाया गया था और आज यह पौधा एक विशाल वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस पौधे को बढ़ाने में समिति के उपस्थित सदस्यों की महत्ती भूमिका रही है और समिति के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की बदौलत ही यह समिति, उदीयमान प्रतिभाओं को सम्मानित करके उनके भविष्य को सुनिश्चित कर रही है।

समारोह में, समिति के संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा, समिति अध्यक्ष कैलाश जांगिड (आर. के.) व महामंत्री , छगनलाल शर्मा एवं चन्द्र दत्त जांगिड सहित कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा आगंतुक सभी भामाशाहों और अतिथियों का शाल, दुपट्टा, साफा व स्मृति चिह्न देकर स्वागत सम्मान किया गया। जिनमें प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व महासभा प्रधान रविशंकर शर्मा, महामंत्री महासभा, सांवरमल जांगिड, महासभा के मिशन डेढ़ लाख प्रभारी रामजी लाल जांगिड, वस्तु एवं सेवाकर के अधीक्षक प्रेम कुमार जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, राजस्थान के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, गजानंद जांगिड, महासभा के युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष राहुल शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष मुकेश झांझवाड, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर, अमित जांगिड , मानव जांगिड, सुभाष जांगिड, प्यारेलाल जांगिड, मदन लाल जांगिड, दिनेश चंद शर्मा, राधेश्याम शर्मा, अनिल जांगिड, राजेश जांगिड, अध्यक्ष कर्मचारी समिति बृजकिशोर जांगिड, पूर्व जिला अध्यक्ष, हरिशंकर जांगिड, पूर्व चुनाव अधिकारी नन्द लाल खण्डेला, गजानंद गोगोरिया, जालसू तहसील अध्यक्ष, लालचंद जांगिड, अशोक जांगिड, मदनलाल जांगिड, ज्ञानेश जांगिड, उपप्रधान गौरीशंकर जांगिड, विश्वकर्मा बाल मन्दिर के कौशल शर्मा, सिन्धी कैम्प व्यापार मण्डल से, गजानंद जांगिड, डॉ महेश जांगिड, डॉ सी पी सुथार, मनोज कुमार एवं भारी संख्या में मातृशक्ति शामिल है। आनंद ईलेक्ट्रिकल्स जयपुर के भामाशाह अमित जांगिड द्वारा 26 साईकिले और 99.33 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली, कुमारी पायल जांगिड को भी एक लैपटॉप लेकर सम्मानित किया गया और इसी प्रकार आर. के.फर्नीचर, रतन सिंह जांगिड द्वारा 26 लैपटॉप विद्यार्थियों को दी गई।

समारोह की कवरेज करने वाले दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरीराम जांगिड एवं विश्वकर्मा टूडे यूट्यूब चैनल के हैड नरेश शर्मा, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति करने वाली बालिकाओं हंसिका जांगिड, काव्या जांगिड और कोरियोग्राफर कुमारी साक्षी , समिति के पूर्व अध्यक्ष, कैलाश शर्मा साली वाले, अध्यक्ष कैलाश जांगिड, पूर्व अध्यक्ष भगवान सहाय धानोता, महेश बड़वाल, ब्रजकिशोर जांगिड और लालचंद बड़वाल को भी समिति द्वारा साफा, शॉल, दुपट्टा एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस समारोह में मंच संचालन और एंकरिंग चन्द्र कान्त जांगिड और कैलाश शर्मा साली वाले द्वारा ने बेहतरीन ढंग से की गई। अंत में, समिति के महामंत्री छगनलाल शर्मा ने, उपस्थित महानुभावों भामाशाहों, विज्ञापनदाताओं, पत्रकार बंधुओ, मातृशक्ति, एवं अपनी कार्यकारिणी के साथियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि इस 17वें प्रतिभा सम्मान समारोह का लाइव प्रसारण, विश्वकर्मा यू ट्यूब चैनल पर किया गया, इससे विश्वकर्मा टूडे पत्रिका के सम्पादक नरेश शर्मा की, समाज के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच को परिलक्षित होती है।

सम्पादक विश्वकर्मा टूडे, नरेश शर्मा, जयपुर।

मुण्डका भवन दिल्ली में, महासभा का 119 वां स्थापना दिवस मनाया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रांगण में 27 दिसम्बर को महासभा का 119वां स्थापना दिवस, दिल्ली और आसपास के समाज के प्रबुद्ध एंव गणमान्य विभूतियों और मातृशक्ति की उपस्थिति में बड़े ही गरिमा पूर्ण, ऐतिहासिक और भव्य आयोजन के रूप में मनाया गया और इस कार्यक्रम के माध्यम से महासभा की ऐतिहासिक धरोहर और महापुरुषों के समाज के प्रति असीम परित्याग और समर्पण की भावना को जीवंत और सजीव चित्रण किया गया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और वह समाज भावना से ओत-प्रोत हो कर जीवन में अग्रसर हो सकेंगे।

दिल्ली प्रदेश सभा के अध्यक्ष ने धर्मपाल शर्मा ने, समाज के देदीप्यमान कोहिनूरों के महासभा को आगे बढ़ाने के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि, वास्तव में आज, महासभा के 118 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास को पुनः स्मरण करने का दिन है और इस महायज्ञ में, समाज के जिन, महान पुरोधाओं और महान विभूतियों ने अपनी आहुति डाली, उनमें बाबू गोवर्धन दास शर्मा, पंडित डालचंद शर्मा, पंडित बृजलाल शर्मा, गुरुदेव जय कृष्ण मणिठिया, पालाराम शर्मा और डॉ इंद्रमणि शर्मा शामिल हैं, जिन्होंने इस महासभा की स्थापना में अपनी-अपनी अंहम भूमिका अदा की और काफिले को आगे बढ़ाने की शुरुआत प्रथम प्रधान नत्थू लाल शर्मा से शुरू होकर, आज यह सफर महासभा 38 वें प्रधान रामपाल शर्मा के नेतृत्व में अनवरत रूप से जारी है।

उन्होंने कहा कि समाज को आज, सशक्त, संगठित और शक्तिशाली बनाने के लिए , जागरुकता और संगठन पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम का श्रीगणेश प्रातः 11 बजे ध्वजारोहण के साथ किया गया और उसके पश्चात इस अवसर पर समाज के उन महान पुरुषों के त्याग और तपस्या तथा समर्पण की भावना को, याद करते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों को शाल ओढाकर सम्मानित किया गया। जिन महापुरुषों ने आज से लगभग 118 वर्ष पूर्व अपनी दूरदर्शिता और सेवा भावना से ओत-प्रोत होकर, इस महासभा की नींव रखी थी और उनका असीम त्याग और समाज के प्रति समर्पण की भावना, आज भी हमारे दिलों में गूंज रही है और उनके द्वारा दिखलाए गए मार्ग पर, चलकर ही, हम अपने समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित समाज के प्रमुख व्यक्तित्वों ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जिनमें, अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सुरेन्द्र वत्स, महासभा भवन मुंडका भवन कमेटी के अध्यक्ष देवी सिंह जांगिड ठेकेदार, जांगिड ब्राह्मण संघ, नांगलोई के अध्यक्ष, जगदीश राय शर्मा, महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, सत्य पाल वत्स, विश्वकर्मा महा संगठन, दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन और विश्वकर्मा महा संगठन की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा शर्मा शामिल हैं।

अधिकतर वक्ताओं ने, महासभा के इतिहास, समाज की सशक्तिकरण की दिशा, युवाओं के संगठन, डिजिटल युग में परंपराओं का संरक्षण, आर्थिक सशक्तिकरण, और सामाजिक न्याय पर अपने-अपने सार गर्भित विचार व्यक्त किए और आह्वान किया कि हम सब को मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी मिलकर अगले वर्ष 120वें स्थापना दिवस तक, ऐसे मील के पत्थर स्थापित करेंगे जो, आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और गर्व का स्रोत बने। मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन प्रखर वक्ता और महासभा के पूर्व महामंत्री चन्द्रपाल भारद्वाज ने बड़े ही कुशल पूर्वक और बेहतरीन तरीके से किया और कार्यक्रम की क्रमबद्धता और निरन्तरता को बनाए रखा।

अंत में, प्रदेश सभा के महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा ने, सभी आगंतुकों और समाज के शुभचिंतकों का दिल से आभार व्यक्त किया और अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही ,आज का यह स्थापना दिवस कार्यक्रम इतना सफल और यादगार रहा। विपुल धन्यवाद।

महामंत्री, प्रादेशिक सभा, दिल्ली, ब्रह्मानंद शर्मा।

जांगिड - सुथार समाज द्वारा युवा शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जाए।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आज के इस आधुनिक युग में, युवाओं के सामने अनेकों चुनौतियां हैं और इन चुनौतियों का दक्षतापूर्ण मुकाबला, केवल बेहतर शिक्षा और बेहतर संस्कारों के माध्यम से ही किया जा सकता है और महासभा समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए सतत प्रयास कर रही है और महासभा द्वारा **शिक्षा कल्याण कोष की स्थापना की गई है, इससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा** और मातृशक्ति एक प्रकार से सशक्त होगी।

यह विचार अपने उद्बोधन में 20 दिसम्बर को, जिला सभा चुरु की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर, उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी सहित 171 सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई। समारोह का शुभारंभ भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा और आराधना के साथ किया गया तथा राष्ट्रगान गाया गया तथा इसके पश्चात सभी अतिथियों का माला, साफा, शाल और सम्मान प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

रामपाल शर्मा ने, चुरु के युवा जिलाध्यक्ष नीरज रोलीवाल की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए और नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि उनमें इतनी कम और युवा अवस्था में ही, समाज सुधार की जो ललक परिलक्षित होती है, उससे इनका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है। उन्होंने जिला अध्यक्ष बनने के बाद नवाचार करते हुए, वरिष्ठ जनों से मार्ग दर्शन ग्रहण करके, चुरु जिला में समाज हित के अनेक काम किए हैं। इसके लिए मैं नीरज रोलीवाल को विशेष रूप से साधुवाद और धन्यवाद देता हूँ क्योंकि , समाज को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए, आपसी एकता और सहयोग तथा एक विचार के साथ सभी को साथ लेकर चलना, यह हमारी सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह रूढ़िवादी परंपराओं को परित्याग करके, अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार प्रदान करें और युवाओं से विशेष रूप से आग्रह है कि, वह समाज के विकास में अपना अमूल्य योगदान करें, क्योंकि समाज से आपको यही अपेक्षाएं हैं।

राजस्थान सरकार में, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष , रामगोपाल सुथार ने कहा कि आज जिलाध्यक्ष नीरज रोलीवाल की नवगठित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण हो रहा है और इसके साथ ही, जिला सभा का दायित्व और भी अधिक बढ़ गया है। मैं अपेक्षा करता हूँ कि जिला चुरु की नवगठित कार्यकारिणी, जिला अध्यक्ष नीरज रोलीवाल की टीम, समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों के अनुभव और उनके मार्गदर्शन का लाभ उठाते हुए, समाज और विशेष कर युवाओं में, एक नई ऊर्जा और चेतना का संचार करेंगी और इसके साथ नई कार्यकारिणी समाज बंधु, युवा शिक्षा के बारे में भी सतत् प्रयास करते नए आयाम स्थापित करने का प्रयास करें और शिक्षा के साथ साथ बच्चों को तकनीकी शिक्षा हासिल करने के लिए भी अभिप्रेरित करें ताकि वह भविष्य के इंजीनियर बन कर समाज का नाम गौरवान्वित कर सकें।

महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देश में जातीय जनगणना करवाने का कार्य, शुरू किया जा रहा है और मेरा आप सभी, समाज बंधुओं से करबद्ध निवेदन है कि, आप सभी ने, अपने नाम के आगे **जांगिड शब्द लिखकर , पूरे भारतवर्ष में समाज एकता का परिचय देना है** ताकि यह समाज अन्य, किसी भी शब्द में बट ना जाए। आपसी एकता का परिचय देने का यह सबसे स्वर्णिम अवसर है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि, वहीं समाज राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ता

है, जिसमें एकता और संगठन की चारदीवारी मजबूत होती है। इसलिए अपने अस्तित्व की पहचान साबित करने के लिए ही जांगिड शब्द का भरपूर लाभ उठाएं।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम पवार ने कहा कि चुरू जिला अध्यक्ष और उनकी कर्मठ टीम वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ जिला राजस्थान ,पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी है और यह हम सबके लिए गौरव की बात है और मैं अपेक्षा करता हूँ कि वर्ष 2025 से 28 तक का अवार्ड भी, शायद चुरू जिला वापस नवाचार और पूर्ण कार्य करके हासिल करेगा, ऐसी मेरी कामना है। समाज में प्रतिभाओं को सम्मानित करना, छात्र -छात्राओं को शिक्षा से जोड़ना, महिला सशक्तिकरण तथा सहयोग की सहायता करना ऐसा कार्य निश्चित रूप से महासभा ही करती है और जिला सभा चुरू भी अंहम भूमिका निभा रही है और भविष्य में भी इसी, भावना से कार्य करती रहेगी।

चुरु जिला अध्यक्ष और युवाओं के दिलों की धड़कन और युवाओं को महासभा के प्रति आकृष्ट करने वाले, सरल स्वभाव और दूरदर्शी सोच रखने वाले और गुरु देव जयकृष्ण मणीठिया के प्रशंसक, नीरज रोलीवाल ने महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का, गुरु जयकृष्ण मणीठिया की आखरी धरा पर, स्वागत करते हुए , अपने उद्बोधन में कहा कि विगत तीन वर्षों के दौरान आप सभी के सहयोग से जो कार्य किए गए हैं,उसी के परिणाम स्वरूप ही चुरु जिला सभा को राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा सर्वश्रेष्ठ जिला सभा का पुरस्कार दिया गया है और आगामी तीन वर्षों के दौरान भी हम सभी , आपसी सौहार्द और समरसता का पालन करते हुए समाज में शिक्षा और संस्कारों पर बल देने का कार्य करेगें।

उन्होंने कहा कि, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा से अनुरोध किया कि, समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने और जागृत करने के लिए जो अद्वितीय योगदान गुरुदेव जयकृष्ण मणीठिया का रहा है, उनकी स्मृति को सजीव और जीवन्त बनाए रखने के लिए ही महासभा का द्वारा एक कार्य योजना तैयार करके, इस समाधि स्थल का सौंदर्यीकरण करना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के लोगों ने उन पर जो दूसरी बार भरोसा किया है उस पर वह खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगे ताकि समाज के विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि, नवगठित जिला सभा चुरू की यह टीम, निरंतर ही, समाज के कार्य में अग्रणी भूमिका निभा रही है। विश्वकर्मा जयंती, विश्वकर्मा पूजा दिवस या महासभा स्थापना दिवस, गुरुदेव मणीठिया दिवस, इसके अलावा वृक्षारोपण पक्षियों के लिए परिंदा लगाना रक्तदान शिविर नेत्र चिकित्सा शिविर महिला सशक्तिकरण समारोह है युवा प्रेरणा स्रोत समारोह आदि अनेक कार्य पूर्ण करके जिले में समाज जागृति का काम कर रही है।

तारानगर विधानसभा से पूर्व विधायक प्रत्याशी राकेश जांगिड ने कहा कि युवा शक्ति मिलकर ही देश और समाज का भविष्य बदल सकती है। आज हमारे समाज के युवाओं को एक साथ होकर शिक्षा के क्षेत्र में हर तहसील स्तर पर नवाचार करना चाहिए ,समाज के कार्यों में बिना सोचे , बिना विलंब किए गए, अग्रणी रूप से सहयोग करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में जनार्दन पवार, सीताराम जांगिड, राधेश्याम जांगिड, भंवरलाल संवलोदिया, एडवोकेट विक्रम पाल, रामचंद्र छाबड़ा, देवकिशन सुथार, बैजू राम राजोतिया, भंवरलाल चोयल, लीलाधर राजोतिया, शंकरलाल खंडेलवाल, बुद्धरमल सिल्क,ओम प्रकाश राजोतिया, चूरू तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश सुजानगढ़ तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बीदासर तहसील अध्यक्ष मांगीलाल रतनगढ़ तहसील अध्यक्ष बनवारी लाल राजलदेसर तहसील अध्यक्ष सांवरमल सरदारशहर तहसील अध्यक्ष रमेश कुमार तारानगर तहसील अध्यक्ष विनोद कुमार राजगढ़ तहसील अध्यक्ष सुनील कुमार सिधमुख तहसील अध्यक्ष डॉ रामेश्वर लाल बनीपुर तहसील अध्यक्ष चंद्रमल माकड़ आदि का विशेष सामान विशेष सम्मान किया गया। इस समारोह में युवा शक्ति मातृशक्ति की विशेष रूप से शामिल थी।

इस कार्यक्रम के अंत में, मंदिर अध्यक्ष झूमर में, राजोतिया ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन कल्पना जांगिड और डॉ बैजूराम राजोतिया ने किया।

जिला अध्यक्ष चुरु , नीरज रोलीवाल

27 दिसम्बर 2026, को मनाये गए 119 वें स्थापना दिवस की कुछ झलकियां

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा भीलवाड़ा में श्री विश्वकर्मा मंदिर में महासभा का 119 वां स्थापना दिवस जांगिड समाज के संरक्षक मंडल और अध्यक्ष महावीर सुथार की मौजूदगी में मनाया गया। स्थापना दिवस के संदर्भ में जिला महामंत्री महावीर प्रसाद अमेरिया ने समारोह की शुरुआत की और श्री विश्वकर्मा आरती के पश्चात महासभा की स्थापना और राष्ट्रीय स्तर पर महासभा के इतिहास के बारे में उद्बोधन दिया महासभा के संविधान के उद्देश्य एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी।

इसी कड़ी में अध्यक्ष महावीर सुथार ने जिला सभा के किए गए सामाजिक कार्यों के साथ-साथ भविष्य में भी सभी जांगिड सुथार समाज को हर सामाजिक कार्यों में आगे रहने की पहल की एवं जिला सभा के शिक्षा कार्यों के बारे में एवं धार्मिक पर्व पर एकजुट और युवाओं को एकता का संदेश दिया। स्थापना दिवस समारोह में संरक्षक मंडल रामपाल, जयकिशन, सांवरमल रामगोपाल ,सांवरलाल ,रतन सुथार (प्रदेश उपाध्यक्ष) शंकर लाल,सज्जन ,रतन गुराडिया रमेश मारोठिया, किशन, प्रदेश निलेश, देवीलाल, शिव, सुखदेव आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 119वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जांगिड भवन, पुराना कोर्ट रोड, रेवाड़ी मे मनाया गया। इस समारोह का आयोजन अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की जिला सभा, रेवाड़ी एण्ड शाखा सभा, रेवाड़ी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्री विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत रेवाड़ी जिला अध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र जांगिड़ एवं रेवाड़ी शाखा प्रधान श्री सतपाल जांगिड़ ने किया। श्री कैलाश चंद्र जांगिड ने अपने उद्बोधन में **"माँ तुल्य"** महासभा के सभी संस्थापक सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया, जिनके अथक प्रयासों से जांगिड ब्राह्मण समाज निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है।

इस अवसर पर नरेश जांगिड़ (महासभा संरक्षक), धीरज जांगिड (मीडिया प्रभारी), राजेंद्र प्रसाद (महासभा उप प्रधान), रविदत्त जांगिड (कार्यकारी प्रधान, जिला सभा), अजय शर्मा (कोषाध्यक्ष, जिला सभा), अश्वनी जांगिड (सह-सचिव), अशोक जांगिड (ब्लॉक प्रधान), शिव कुमार, राजेंद्र जांगिड एवं आजाद सिंह आदि समेत भारी मात्रा में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 119 वां स्थापना दिवस तहसील कोटकासिम जिला खैरथल तिजारा राजस्थान में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वकर्मा जी को माल्यार्पण कर प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित समाज बंधुओं से समाज के अधिक से अधिक लोगों को महासभा से जुड़ने के लिए प्रेरित करने हेतु अपील की गई।

इस अवसर पर रामनिवास जांगिड उपप्रधान अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, नरेश कुमार जांगिड प्रदेश संगठन मंत्री राजस्थान, शेरसिंह जांगिड तहसील अध्यक्ष कोटकासिम, बाबूलाल जांगिड, सुदेसिंह जांगिड, सुभाष जांगिड,सूरज जांगिड, सूरजभान जांगिड, महेंद्र जांगिड,योगेश जांगिड के अलावा समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। --------------------

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के 119 वां स्थापना दिवस महिला कमेटी ने यज्ञ वेदी में वेद मंत्रों की आहुतियां देकर विश्वकर्मा जांगिड समाजवाडी अहमदाबाद नरोडा में महिला मंडल की यज्ञ शाला बनाई हुई है। उसमें स्थापना दिवस मनाया गया है इस वाडी में हर कार्य यज्ञ से प्रारंभ होता है - **सुमित्रा शर्मा अहमदाबाद**

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के 119 वें स्थापना दिवस समारोह का हुआ आयोजन।

जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा सवाई माधोपुर के तत्वावधान में महासभा का 119 वाँ स्थापना दिवस समारोह विश्वकर्मा आश्रम खेरदा में मनाया गया। इसी दौरान जिला सभा की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का भी आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा एवं महर्षि अंगिरा की पूजा अर्चना के पश्चात विभिन्न वक्ताओं नें महासभा का इतिहास भूमिका उद्देश्य एवं उपलब्धि आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष बरवाडा ओमप्रकाश जांगिड तहसील अध्यक्ष खण्डार गिर्राज प्रसाद जांगिड तहसील अध्यक्ष मलारना मोती लाल जांगिड तहसील अध्यक्ष बामनवास विष्णु जांगिड तहसील अध्यक्ष सवाई माधोपुर सुभाष जांगिड तहसील अध्यक्ष बौली पूरणमल जांगिड का अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष खेमराज जांगिड पूर्व जिलाध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, हुकुम चंद शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष चिरंजीलाल जांगिड भाजपा महिला ब्लॉक अध्यक्ष निहारिका पूर्व उपप्रधान घनश्याम जांगिड, राजेन्द्र जांगिड युवाप्रकोष्ठ अध्यक्ष पुरुषोत्तम जांगिड महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रश्मि उपमन्यु जिला कार्यकारिणी से महामंत्री मुकेश जांगिड, मूल चंद डिडायच, बृजमोहन जुवाड, सीताराम अजनोटी देवकीनन्दन जांगिड ब्रह्म प्रकाश शर्मा रघुनंदन छान, तुलसी राम हा० बोर्ड, रामस्वरूप राजेंद्र करमोदा, बाबू लाल गोगोर भवानी शंकर जी, भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष गायत्री, पुरुषोत्तम खिरनी, कमलेश हीरापुर, हरिशंकर खंडार, शभू दयाल, द्वारिका प्रसाद टापूर, रमेश चन्द्र जडावता, सहित बडी संख्या मे अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। अंत में भोजन प्रसादी का वितरण किया गया।

जांगिड ब्राह्मण महासभा का 119 वा स्थापना दिवस विश्वकर्मा छात्रावास बालोतरा में हर्षोल्लास के साथ मनाया।

सवाई राम कुलरिया जिला - अध्यक्ष जिला सभा - बालोतरा

आपको एवं आपके प्रतिष्ठान/संस्था को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह दिवस आपकी निरंतर प्रगति, परिश्रम और उपलब्धियों का प्रतीक है। हम आशा करते हैं कि आने वाले वर्षों में भी हमारा समाज इसी प्रकार सफलता की नई ऊँचाइयों को छूता रहे।-- **महेश कुमार, बावल ब्लॉक, हरियाणा**

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण सभा द्वारा राजनैतिक प्रकोष्ठ का गठन

जांगिड समाज में राजनैतिक क्षेत्र में लोगों में चेतना जागृत करने के लिए एक राजनैतिक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। चुरु जिला सभा के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर 20 दिसंबर को, राजनीति में विशेष अनुभव रखने वाले और समाज के प्रति अगाध समर्पण और समाज सेवा की प्रतिमूर्ति राकेश कुमार जांगिड को , महासभा के राजनैतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने राकेश कुमार जांगिड को राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि राजनीति के पुरोधा और मिलनसार स्वभाव और सरल व्यवहार के द्योतक राकेश कुमार जांगिड की क्षमता और दक्षता को देखते हुए ही उनको यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासभा ने पहले आध्यात्मिक प्रकोष्ठ और अब राजनैतिक प्रकोष्ठ का गठन करके, यह सिद्ध कर दिया है कि महासभा समाज के उत्थान के लिए बदलते हुए मूल्यों और प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में बदलते हुए समय के साथ नए-नए सार्थक निर्णय भी ले रही है। जिसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। प्रधान राम पाल शर्मा ने कहा कि यह राजनैतिक प्रकोष्ठ समाज में एक नई राजनीतिक चेतना जागृत करने के साथ ही एक नया संदेश देने का प्रयास भी करेगा। अगर समाज को विकास के रास्ते पर अग्रसर करना है, तो राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। मेरा यह स्पष्ट मानना है कि ,जब तक समाज में एक मजबूत संगठन और राजनैतिक चेतना का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। इस सामाजिक सरोकार के अन्तर्गत ही राजनीति के क्षेत्र में पारंगत राकेश कुमार जांगिड, समाज में राजनैतिक चेतना को जागृत करने में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। प्रधानजी ने आशा व्यक्त की है कि वह सभी राजनैतिक पार्टियों के साथ सामंजस्य और आपसी तालमेल बनाए रखते हुए, राजनीति के क्षेत्र में एक विशेष भूमिका निभाते हुए , समाज को राजनैतिक रूप से सशक्त बनाने का स्तुत्य प्रयास करेंगे ताकि देश की राजनीति में समाज की समुचित भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इसी बात को ध्यान रखते हुए महासभा ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आशा है कि भविष्य में इस दूरगामी फैसले के सार्थक परिणाम लोगों के सामने आएंगे।

प्रधानजी ने कहा कि , जब तक समाज राजनैतिक रूप से सशक्त और संगठित नहीं होगा, तब तक कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। इसलिए समाज के सामाजिक शैक्षणिक विकास के लिए राजनैतिक स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और मुझे विश्वास है कि राकेश कुमार जांगिड अपने कार्य को बड़ी ही ईमानदारी , सत्य निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करते हुए, समाज में एक नई चेतना पैदा करेंगे और महासभा के लिए यह राजनैतिक प्रकोष्ठ बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। इसके साथ में राकेश कुमार जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ और आशा करता हूँ कि आने वाले समय में वह अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए , समाज को राजनीति के क्षेत्र में अपना हक दिलवाने के लिए सतत प्रयास करते रहेंगे।

नवनियुक्त राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राकेश कुमार जांगिड ने महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का इस नियुक्ति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, रामपाल शर्मा ने मुझ जैसे छोटे से समाज सेवक और महासभा के एक छोटे से कार्यकर्ता को जो जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व सौंपा है, उसका मैं सत्य निष्ठा और ईमानदारी से पालन करूंगा। समाज में राजनीति के क्षेत्र में जागृति लाने का प्रयास करुंगा और महासभा के संगठन के साथ मिलकर, दूसरे प्रदेशों में रह रहे जांगिड - सुथार समाज के लोगों से मिलकर, उन प्रदेशों की राजनैतिक पार्टियों के साथ तादात्म्य स्थापित करते हुए, समाज को राजनीति के क्षेत्र में मजबूत करने के स्तुत्य प्रयास किए जाएंगे। सामाजिक सरोकारों तथा राजनैतिक चेतना को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

महासभा के महामंत्री, सांवरमल जांगिड ने कहा कि राकेश कुमार जांगिड की राजनैतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की नियुक्ति समाज के लिए एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा और इस कदम से, समाज में राजनैतिक चेतना के शंखनाद के साथ साथ ही, विकास का रास्ता भी प्रशस्त होगा। उन्होने कहा कि मुझे विश्वास है कि जो दायित्व राकेश कुमार जांगिड को सौंपा गया है, उसकी उपादेयता और सार्थकता को सिद्ध करते हुए, वह राजनैतिक विकास का एक नया अध्याय लिखने का स्तुत्य प्रयास करेंगे। मैं उनको अपने लक्ष्य में सफलता हासिल करने की मनोकामना करता हूँ। विपुल धन्यवाद।

महासभा महामंत्री, सांवरमल जांगिड।

जांगिड सेवा संघ द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान की अमृत वर्षा की गई।

जांगिड सेवा संघ, मुंबई की स्थापना सन् 1983 में की गई थी। इसके पहले अध्यक्ष बंजरग लाल जांगिड थे। यह स्वयं सेवी संस्था, शिक्षा कोष के माध्यम से जहां एक ओर समाज के गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए उनकी आर्थिक सहायता कर रही है, वहीं समाज में आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने के लिए दीपावली मिलन समारोह, तीज मिलन समारोह और क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करने के साथ ही लोगों की आध्यात्मिकता की प्यास बुझाने के साथ ही समाज में धर्म, भक्ति एवं ज्ञान की धर्म ध्वजा फहराने के प्रयास कर रही है। मुम्बई महानगरी में आज की इस भागदौड़ एवं आपाधापी भरी दुनिया में सुकून और शांति की तलाश में जांगिड सेवा संघ ने देवभूमि उत्तराखंड में गंगा किनारे बसी योगनगरी ऋषिकेश में गंगा के तट पर, योग एवं ज्ञान की प्राप्ति के लिए अनादि काल से साधु संतो की तपो भूमि रहे परमार्थ निकेतन आश्रम क्षेत्र में वानप्रस्थ आश्रम में, व्यास पीठ से देश की प्रख्यात कथा वाचक देवी चित्रलेखा ने अपनी कर्णप्रिय और मधुर सुरीली आवाज में, श्रीमद भागवत कथा का रसपान करवाकर आनंद विभोर कर दिया। इसके अतिरिक्त परमानंद आश्रम के स्वामी चिन्मयानंद, साध्वी भगवती देवी का मार्मिक उद्बोधन, संगीतमय सुंदरकांड, भजन संध्या में मुम्बई के भजन गायक राकेश बावलिया ने भी अपने मधुर गीतों के स्वर भक्तों को भक्ति रूपी गंगा में डुबकी लगवा कर भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

इस भागवत कथा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, जांगिड सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष हरिराम जांगिड ने बताया कि इस 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक वानप्रस्थ आश्रम में जांगिड सेवा संघ मुंबई के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से शानदार ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कथा के प्रथम दिन मुम्बई सेवा संघ के वरिष्ठ संरक्षक और पूर्व अध्यक्ष और प्रसिद्ध उद्योगपति, मीता राम जांगिड और उसकी अर्धांगिनी श्रीमती शारदा देवी जांगिड की अगुवाई और मार्गदर्शन में समाज की देशभर से पधारी हुई महिलाओं द्वारा एक ही ड्रेस कोड के साथ, कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें मुख्यतः अध्यक्ष महिला मण्डल श्रीमति अनिता शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कांता जांगिड, श्रीमती मीना जांगिड, श्रीमती संगीता जांगिड, श्रीमती रामरती जांगिड एवं इनकी कार्यकारिणी की अन्य पदाधिकारियों ने, केवल कलश यात्रा में ही नहीं बल्कि कथा के 7 दिन सभागार एवं भोजनालय में भी पूरी श्रद्धा एवं लग्न से अपनी भागीदारी निभाई।

कथा के प्रथम दिन की शुरुआत करते हुए व्यास पीठ से, देवी चित्रलेखा ने भागवत कथा के महत्त्व के साथ ही इससे प्राप्त होने वाले पुण्य पर प्रकाश डाला। श्री हरि के संकीर्तन के साथ ही सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा और सभी श्रद्धालुओं ने कथा के

माध्यम से श्रद्धा भक्ति, ज्ञान के यज्ञ में डुबकी लगाकर उसमें से जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों को आत्मसात किया। भागवत कथा के सातों दिन सरल एवं हृदय ग्राही भाषा में भगवान विष्णु के सभी अवतारों की हृदय स्पर्शी व्याख्या करते हुए, भगवान की भक्ति में डूबे हुए भक्तों को भावविभोर कर दिया और हिमालय की गोद में 7 दिन तक बेहद शांत वातावरण में आनन्द में सराबोर होकर सभी भक्तों ने भक्ति रुपी रसपान किया।

मुंबई जांगिड सेवा संघ के मुख्य संरक्षक मीता राम जांगिड ने कहा कि संघ द्वारा आगुंतकों के ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई थी। भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी भामाशाह सांवरमल व लक्ष्मण जांगिड और उनकी टीम को सौंपी गई थी और उन्होंने बड़ी ही आत्मीयता से इसे पूरा किया। हरिद्वार, ऋषिकेश रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट देहरादून से भक्तों के लाने-ले जाने की भी बेहतरीन ढंग से व्यवस्था की गई थीं। सभी मेहमानों द्वारा बेहतरीन व्यवस्था के लिए जांगिड सेवा संघ के पदाधिकारियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। जांगिड सेवा संघ के आयोजकों में, मुख्य रूप से अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जांगिड, हरीराम, मीताराम जांगिड, मणिलाल, सांवरमल सज्जन कुमार, प्रहलाद कुमार, रमेश ग्रामीण, रतनलाल, मनोज, प्रकाश, कीर्ति सचिन्द्र सीताराम एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट रामावतार आदि ने दिन-रात परिश्रम करके इस आयोजन को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

आयोजन में शामिल महानुभावों और मातृशक्ति ने गंगा स्नान, गंगा आरती के साथ-साथ ऋषिकेश एवं आसपास के दर्शनीय स्थलों, महान साधु संतों के आश्रमों एवं मंदिरों मठों का दर्शन लाभ तथा ऋषिकेश व आसपास के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में मुख्यतः लक्ष्मण झूला, रामझुला, जानकी झूला, गीता आश्रम, परमार्थ निकेतन आश्रम, नीलकंठ महादेव और देहरादून में सहस्त्र धारा, टपकेश्वर महादेव आदि का दर्शन लाभ करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया। बाहर से पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों, का अतिथि देवो भव: की परम्परा को चरितार्थ करते हुए पलक पांवड़े बिछाकर भावभीना स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष सहयोगकर्ता ,उत्तराखंड के प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रमेश शर्मा का भी संघ की तरफ से सम्मान किया गया। इस आयोजन की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, नाशिक से जांगिड रत्न मोहनलाल दायमा, बुलढाणा से चम्पालाल, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पवार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा जांगिड , महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड , सीकर जिला अध्यक्ष बनवारी लाल खण्डेलसर, लोहार्गल धाम अध्यक्ष सांवरमल लदोया, कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष रामकृपाल एवं पूर्व अध्यक्ष शिवदयाल भादवासी, भंवरलाल चोयल , हनुमानगढ़ से सुभाष एवं लक्ष्मणगढ़ से राधेश्याम मांडण शामिल थे। जांगिड सेवा संघ मुंबई द्वारा सभी महानुभावों का हृदय के अन्तःकरण से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

जांगिड सेवा संघ मुंबई के पूर्व अध्यक्ष हरिराम जांगिड।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा सीकर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ संपन्न

18 जनवरी 2026 को बालाजी रिसोर्ट, गोरियां में जिला सभा सीकर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण, घनश्याम जी पंवार प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री झाबर सिंह खर्रा शहरी विकास मंत्री राजस्थान सरकार, माननीय रामगोपाल सुथार अध्यक्ष विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान और रामपाल शर्मा प्रधान महासभा दिल्ली उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में सांवरमल जांगिड महामंत्री महासभा, विपुल देव जांगिड क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी जयपुर, रविशंकर शर्मा पूर्व प्रधान महासभा दिल्ली, राकेशजी जांगिड पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तारानगर, हरिनारायण जांगिड प्रदेश प्रभारी राजस्थान, प्रभुदयाल बरनेला प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश, श्रीमती रेणु जांगिड महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, श्रीमति कंचन जांगिड कार्यकारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ राजस्थान, धर्मवीर जांगिड युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान, नीरज जांगिड जिलाध्यक्ष चुरू, रतनलाल जांगिड गढ टकणेत, डा.दयाशंकर जांगिड, बंशीधर जांगिड, सुभाषचन्द्र जांगिड, बद्रीप्रसाद जांगिड सहित देश भर से समाज के विशिष्ट पदाधिकारियों ने भागीदारी की। रेवासा पीठ के संतश्री अभिलाष जी महाराज के सानिध्य में कार्यकारिणी के पदाधिकारीयों को अतिथियों द्वारा शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम से पहले सर्वप्रथम सभा स्थल पर राष्ट्रीय प्रधानजी द्वारा सभी पदाधिकारियों एवम मेहमानो की उपस्थिति मे महासभा का झण्डा रोहण किया। प्रधान जी द्वारा बालाजी रिसोर्ट प्रांगण में झंडारोहण करने के पश्चात बनवारीलाल खंडेलसर के नवनिर्मित शानदार सभागार का उद्घाटन किया गया और इसी में समारोह आयोजित किया गया जिसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। तत्पश्चात सभागार मे भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर के सामने अतिथियों द्वारा मंत्रोचार के साथ दीप प्रज्वलन कर सामुहिक आरती गायन किया गया। इसके बाद स्वागत भाषण के साथ अध्यक्ष महोदय की अनुमति से शपथग्रहण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

जिला अध्यक्ष बनवारीलाल खंडेलसर द्वारा जिला सभा मे बाबूलाल पालड़ी कार्यकारी अध्यक्ष, सांवरमल लदोया जिला मंत्री, गोवर्धन लाल ढाणी मानासी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विश्वनाथ पनलावा मुख्य सलाहकार, बजरंगलाल साँवलोदा उपाध्यक्ष, शंकरलाल जांगिड कोषाध्यक्ष, जगदीश जांगिड चुनाव अधिकारी, सुनील पलसाना को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गये। नौरंगलाल पालड़ी को शिक्षा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, एवं मुकेश जांगिड रींगस को युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष तथा रामकरण जांगिड खुड़ी को राजनीतिक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती संतोष राजेन्द्र जांगिड सीकर जिला अध्यक्ष, श्रीमति संतोष प्रहलादराय जांगिड दूजोद उपाध्यक्ष, श्रीमती संतोष महेश जांगिड मंत्री, श्रीमती मंजुला सुनील जांगिड पलसाना महिला संगठन मंत्री, श्रीमती सरोज विनोद कुमार खंडेलसर को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

245 सदस्यों की कार्यकारिणी में **45** महिलाओं ने शपथ ग्रहण कर महिला सशक्तिकरण की मुहिम को गति दी और समाज में एक अच्छा मैसेज दिया कि महिलाएं अब कंधे से कंधा मिलाकर समाज कल्याण,समाज उत्थान में बराबर सहयोग करेगी।

आज के समारोह में जांगिड समाज की तरफ से माननीय मंत्री झाबर सिंह जी खर्रा को विश्वकर्मा जयंती का अवकाश घोषित करने, बालिका छात्रावास के लिए रियायती दर पर जमीन आवंटित करने और आगामी निकाय चुनाव में जांगिड समाज के प्रतिनिधियों को उचित भागीदारी देने के लिए ज्ञापन दिया गया जिस पर माननीय मंत्रीजी ने पूरा आश्वासन दिया कि वह सरकार एवं संगठन स्तर पर इस बात को पहुंचाएंगे और जांगिड समाज की सक्रिय भागीदारी के लिए उनसे जो बन पड़ेगा कराएँगे।

रामगोपाल सुथार अध्यक्ष विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड ने भी बताया कि सीकर जिला बहुत सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और समाज निश्चित रूप से प्रगति करेगा। उन्होंने लम्बे समय से अपेक्षित समाज की भावना को देखते हुये बताया कि सीकर में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड का प्रशिक्षण केंद्र शीघ्र ही शुरू करने का प्रस्ताव है इससे जांगिड समाज को भरपूर फायदा मिलेगा।

पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा ने महासभा की मजबूती की अपील की, घनश्याम पंवार ने शिक्षा पर जोर देने की हिमायत की, राकेश जांगिड तारानगर ने समाज में राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए युवकों को आगे आने और समाज को संगठित रहने की प्रेरणा दी और कहा कि जब तक हम संगठित रहेंगे तभी हम आगे बढ़ेंगे। हमें राजनीति में आगे आना है तो हमें संगठन के साथ चलना होगा। सभी वक्ताओं ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, दहेज प्रथा, बच्चो की ज्यादा उम्र में शादी करने का प्रचलन, शादियों में फिजूल खर्च और आज के प्रयास में बढ़ते तलाक के प्रचलन पर सोचने की जरूरत पर जोर दिया और इस बात पर बल दिया कि कुरीतियों को त्यागने से ही हमारा समाज आगे बढ़ सकता है और हमें इसका सतत प्रयास करना चाहिए। जिसका सबने समर्थन किया।

महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड ने महासभा द्वारा किये जाने वाले प्रयासों विशेष तौर पर शिक्षा के विकास की चर्चा की। जिला मंत्री जिलासभा सीकर सांवरमल लदोया ने हजारों समाज बंधुओं की उपस्थिति को ऐतिहासिक बताया और कहा कि नई कार्यकारिणी का मुख्य एजेंडा शिक्षा के विकास पर जोर देने का रहेगा। कोई भी मेधावी बच्चा आर्थिक अभाव से शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा ऐसी व्यवस्था जिलासभा सीकर द्वारा बनाई जायेगी जिसमें आज समाज के कुछ भामाशाहों ने करीब **5 लाख रूपये** की घोषणा कर इसको बल दिया।

जिला प्रवक्ता सुनील पलसाना ने सामाजिक एकता पर बल देते हुए हर पदाधिकारी व सदस्यों को समय, समर्पण व समभाव की भावनाओं को समाहित करते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित किया समाज की छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार ग्रहण करने व इसे अपनी दैनिक जीवनचर्या में अपनाने के लिए आह्वान किया।

उपस्थित समाज बंधुओ ने नवनिर्वाचित बनवारी लाल खण्डेलसर का अभिनंदन किया और शुभकामनाएं प्रेषित की वही निवर्तमान जिला अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड को भी मंच द्वारा सम्मानित किया गया जिनके कार्यकाल में महासभा की इकाई जिला सभा सीकर को उन्नति की राह पर आगे बढ़ाया था। राष्ट्रीय स्तर के सभी पदाधिकारियों ने जिला सभा सीकर की प्रशंसा की और सीकर के समाज को शुभकामनाएं देते हुए बहुत-बहुत धन्यवाद किया। जिले एवं आसपास के जिलों से भी मातृशक्ति ने करीब 40% भागीदारी कर एक अच्छा संदेश समाज में प्रेषित करते हुये यह दर्शाया कि महिलाएं भी अब पीछे नहीं रहेगी और हर कार्य को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग करेगी।

महिला प्रकोष्ठ की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती रेणु जांगिड ने महिलाओं की उपस्थिति व कार्यकारिणी में भागीदारी देख कर महिला प्रकोष्ठ को शपथ दिलाते हुये महिलाओं का आह्वान किया कि समाज सेवा में भी हमें छाप छोड़नी है। साथ ही श्रीमती कंचन शर्मा ने महिलाओं को कंधे से कंधा मिलाकर आगे काम करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम मे सीकर जिले व बाहर से करीब 2 हजार समाज बंधु व मातृ शक्ति पधारे।

मंच संचालन राधेश्याम मांडण ने किया। महासभा प्रधान रामपाल शर्मा ने पधारे हुये समस्त समाज बन्धुओं को धन्यवाद व शुभकामनायें दी। अंत में सबने प्रीतिभोज का आनंद लिया।

सुनील जांगिड, जिला प्रवक्ता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा सीकर

मुन्नी देवी जांगिड कर्नाटक प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनीं

समाज सेवा की प्रतिमूर्ति मुन्नी देवी जांगिड को कर्नाटक प्रदेश महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और उनको भगवान विश्वकर्मा की जयघोष के नारों के साथ ही पद और गोपनीयता की शपथ कर्नाटक प्रदेश सभा के, अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा द्वारा दिलवाई गई और वहां पर उपस्थित महिलाओं ने माला और पगड़ी पहना कर, विनम्रता सादगी और और सरल स्वभाव और समाज सेवा की प्रतिमूर्ति श्रीमती मुन्नी देवी का स्वागत किया।

मुन्नी देवी जांगिड को समाज सेवा की प्रेरणा और अपने जीवन साथी रवि जांगिड से मिली है। उल्लेखनीय है कि उनके पति रवि जांगिड, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के, दक्षिण भारत के प्रभारी रहे हैं और और उन्होंने दक्षिण का प्रभारी रहते हुए बेहतर कार्य किया है और उनके मार्गदर्शन में हुए, लगभग सभी प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध रुप से संपन्न हुए हैं।

श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की पूर्व अध्यक्ष और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की जीवन संगिनी, विनम्रता और सौम्यता तथा सादगी की द्योतक श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने, श्रीमती मुन्नी देवी को उसके निर्विरोध महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनने पर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनको बधाई देते हुए कहा कि, समाज ने उनको जो दायित्व सौंपा है, वह अपने दायित्व का भलीभांति निर्वहन करते हुए, प्रदेश की महिलाओं में विशेष जागृति पैदा करने का स्तुत्य प्रयास करते हुए, सभी महिलाओं को साथ लेकर अपने कार्यकाल के दौरान एकता और सहयोग एक नया इतिहास रचने का प्रयास करेगी।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, भी मुन्नी देवी को कर्नाटक प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि, महासभा के प्रदेश अध्यक्षों और जिला अध्यक्षों सहित सभी पदों पर निर्विरोध रुप से अध्यक्ष बनने का एक और रिकॉर्ड स्थापित किया गया है और 3 जनवरी को भी हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष, हनुमान जांगिड का भी निर्विरोध रुप से निर्वाचन हुआ है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से, मुन्नी देवी जांगिड अपने पति के साथ मिलकर, समाज के कार्यो में अपना योगदान दे रही है और उनका यह अनुभव भविष्य में महिलाओं में, विशेष जागृति पैदा करने के साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने के साथ ही, समाज के बच्चों को , बेहतर शिक्षा और संस्कार देने का प्रयास करेगी।

नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मुन्नी देवी जांगिड ने कहा कि , समाज के लोगों ने मुझ पर अगाध विश्वास करते हुए ,जो दायित्व सौंपा है, उस पर मैं हमेशा ही खरा उतरने का प्रयास करुंगी । प्रदेश की सभी महिलाएं संगठित और एकजुट होकर, एकता के सूत्र का शंखनाद करने के साथ ही, बच्चों को बेहतर संस्कार प्रदान करने के साथ ही, लड़कियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के लिए अभिभावकों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

हम सभी मिलकर एक नए संकल्प और उद्देश्य के साथ समाज को आगे बढ़ाने में, अपना बहूमूल्य योगदान प्रदान करते हुए, महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

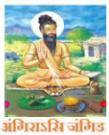

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2911/2026 दिनांक 21/01/2026

प्रेषित :-

सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी,
महासभा के अधीनस्थ समस्त संस्थाएं एवं
समस्त सामाजिक संस्थाये ।

विषय:- **महासभा की मासिक पत्रिका "जांगिड़ ब्राहमण" मे प्रकाशन हेतु समाज से सम्बन्धित सामग्री भेजने बाबत ।**

जैसा कि आप सभी जानते है, कि वर्षो से महासभा की मासिक पत्रिका **"जांगिड़ ब्राहमण"** प्रकाशित हो रही है। यह महासभा के सम्माननीय सदस्यों को विभिन्न स्रोतो के माध्यम से उपलब्ध करवायी जा रही है। पत्रिका मे समाज मे हो रही गतिविधियों के बारे मे जानकारी प्रकाशित की जाती है जिससे समाज बंधुओं को पूरे देश मे समाज मे हो रही सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और वैचारिक प्रगति के बारे मे जानकारी प्राप्त होती रहे। इस पत्रिका में प्रदेश सभा, जिला सभा, तहसील सभा, शाखा सभा तथा समाज की अन्य सामाजिक संस्थायें जैसे- शैक्षणिक, मंदिर कमेटी, धर्मशालाए, वैवाहिक संस्थाए आदि द्वारा की गयी किसी भी प्रकार की गतिविधि जो समाज हित मे हो इन सभी के बारे मे विस्तृत समाचार प्रकाशित किये जाते है ।

साथ ही समाज के होनहार बालक / बालिकाओं की उपलब्धियों, समाज के उधोगपति, शिक्षाविद, कलाकार, विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा, प्रशासनिक सेवा, खेल आदि मे विशेष उपलब्धी प्राप्त समाज बंधुओं / बहिनों के साक्षातकार / उनके जीवन मूल्यों पर आधारित लेख प्रमुखता से प्रकाशित किये जाते है । इसके अतिरिक्त किसी भी तरह के सामयिक विषय की जानकारी, ज्ञानवर्धक लेख, कविता आदि भी व्यक्तिगत रूप से कोई भी समाज बंधु प्रकाशन हेतु प्रेषित कर सकता है । सामग्री अगर पत्रिका के मूल उद्देश्यों के तहत प्रकाशित करने योग्य होती है तो जरूर प्रकाशित की जाती है ।

लेकिन ऐसा देखने मे आया है कि महासभा कि अधीनस्थ सभाओं और सामाजिक संस्थाओं द्वारा पत्रिका मे प्रकाशित करने लायक सामग्री बहुत ही कम मात्रा मे महासभा को प्रेषित की जाती है। केवल कुछ ही प्रदेशो से प्रकाशन हेतु सामग्री / लेख आदि प्राप्त होते है । जबकि वर्तमान मे हमारी 15 प्रदेश सभायें कार्यरत है । इससे प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेशप्रभारी, जिलाध्यक्ष और अन्य संस्थाओं के प्रमुखों की सामाजिक गतिविधियों और समाज उत्थान के प्रति उदासीनता झलकती है। पूरे देश मे आप सभी महासभा के संवादवाहक होने के कारण आप सभी का दायित्व और भी बढ जाता है ।

अत: आप सभी से निवेदन है कि अपने प्रदेश, जिला / तहसील सभा एवम समाज के अन्य संगठनों की गतिविधियों के बारे मे नियमित रूप से महासभा कार्यालय को अवगत करवाते रहे, जिससे महासभा द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका के माध्यम से समाज की ज्यादा से ज्यादा जानकारी समाज के हर माननीय सदस्य तक पहुंचती रहे ।

साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि प्रकाशन हेतु लेख या प्रेस नोट भेजते समय भेजने वाले व्यक्ति का नाम, पद / संस्था का नाम, स्थान का नाम एवं मोबाइल नम्बर आदि जरूर लिखे। यहाँ यह ध्यान रखना आवश्यक है कि प्रकाशन हेतु भेजे गए लेख कविता आदि मौलिक हो। आप पत्रिका मे छपने लायक सामग्री सीधे महा सभा के **मेल आईडी - jangid.mahasabha@gmail.com** पर कभी भी भेज सकते है । इसके अलावा महासभा के **मोबाइल संख्या - 9990070023 पर व्हाट्सएप** पर भी प्रकाशन हेतु सामग्री भेज सकते है ।

आप सभी से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा के साथ ...

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री - महासभा

नववर्ष -नई आशाओं, आत्मविश्वास और नये संकल्पो का प्रतीक

नव वर्ष जीवन में नई आशाओं, नए संकल्पों और नए उत्साह का प्रतीक है। यह केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, सुधार और समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को पुनः स्मरण करने का समय है। नव वर्ष हमें बीते हुए समय से सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है।

नव वर्ष मनाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। विभिन्न सभ्यताओं में नव वर्ष अलग-अलग समय पर मनाया जाता रहा है। रोमनों ने जनवरी माह को नव वर्ष की शुरुआत माना, जिसका नाम द्वार और आरंभ के देवता 'जानस' के नाम पर रखा गया। भारत में भी विभिन्न कालगणनाओं और पंचांगों के अनुसार नव वर्ष के अलग-अलग स्वरूप देखने को मिलते हैं, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं।

हिन्दू परंपरा में नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होता है, जिसे विक्रम संवत का प्रारंभ माना जाता है। इस दिन लोग घरों की साफ-सफाई करते हैं, पूजा-पाठ करते हैं और ईश्वर से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। गुड़ी पड़वा, उगादी, नवरेह और बैसाखी जैसे पर्व भी भारतीय नव वर्ष से जुड़े हुए हैं, जो हमारी सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करते हैं।

नव वर्ष हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को याद दिलाता है। यह संकल्प लेने का समय है कि हम ईमानदारी, परिश्रम और अनुशासन के साथ देश की प्रगति में योगदान देंगे। एक जिम्मेदार नागरिक बनकर कानून का पालन करना, राष्ट्रीय एकता बनाए रखना और देशहित को सर्वोपरि रखना ही सच्चा देशप्रेम है।

समाज के बिना व्यक्ति का अस्तित्व अधूरा है। नव वर्ष पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में सहयोग देंगे। जरूरतमंदों की सहायता करना, शिक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देना तथा आपसी सहयोग की भावना विकसित करना हमारा सामाजिक दायित्व है।

नव वर्ष आत्मचिंतन का उत्तम अवसर है। हमें अपने पिछले वर्ष के कार्यों, व्यवहार और निर्णयों का मूल्यांकन करना चाहिए। इससे हमें अपनी अच्छाइयों को पहचानने और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलती है। आत्मचिंतन व्यक्ति को आत्मविकास की दिशा में अग्रसर करता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता। नव वर्ष पर हमें अपनी त्रुटियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारने का संकल्प लेना चाहिए। गलतियों से सीख लेकर ही आगे बढा जा सकता है।

नव वर्ष जीवन में नई आशाओं, नए सपनों और नई शुरुआत का प्रतीक होता है। इस अवसर पर किए गए संकल्प हमें अपने जीवन को बेहतर दिशा देने की प्रेरणा देते हैं। नए वर्ष पर हमें ऐसे संकल्प लेने चाहिए जो हमारे व्यक्तित्व, समाज और भविष्य तीनों के लिए लाभकारी हों।

नव वर्ष पर कुछ संकल्प इस तरह से ले सकते है :-

1. इस वर्ष मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि समय का सदुपयोग करूँगा/करूँगी और अपने लक्ष्य पर नियमित रूप से मेहनत करूँगा/करूँगी। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहकर संतुलित आहार और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करूँगा/करूँगी। बड़ों का सम्मान, छोटों से स्नेह और सभी के प्रति सहानुभूति रखना मेरा संकल्प होगा।
2. मैं यह भी संकल्प लेता/लेती हूँ कि नकारात्मक सोच से दूर रहूँगा/रहूँगी, पर्यावरण की रक्षा करूँगा/करूँगी और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाऊँगा/निभाऊँगी। निरंतर सीखते रहना और स्वयं को बेहतर बनाना भी मेरा लक्ष्य रहेगा।

नव वर्ष पर लिए गए ये संकल्प यदि पूरे मन और अनुशासन से निभाए जाएँ, तो निश्चय ही जीवन को सफल और सार्थक बनाया जा सकता है। नया वर्ष हमें आत्ममंथन का अवसर देता है, जहाँ हम भेदभाव, भ्रष्टाचार, हिंसा, नशाखोरी और अंधविश्वास जैसी कुरीतियों को छोड़ने का संकल्प लें। जब समाज इन बुराइयों से मुक्त होता है, तभी समरसता, सहयोग और आपसी सम्मान का विकास होता है। समरस समाज में हर नागरिक को समान अवसर मिलते हैं, जिससे राष्ट्र की नींव मजबूत

होती है। इस नव वर्ष पर यदि प्रत्येक व्यक्ति सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाए, तो सशक्त, समृद्ध और एकजुट भारत का निर्माण निश्चित है।

हम समाज और देश के लिये कुछ और भी संकल्प ले सकते है जैसे:-

1.नवयुवकों और बच्चों को सही दिशा देने का संकल्प:- नव वर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन, सुधार और नए संकल्पों का अवसर होता है। यह समय हमें अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों पर पुनः विचार करने की प्रेरणा देता है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती नवयुवकों और बच्चों में बढ़ता भटकाव है। नव वर्ष पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम स्वयं भी सही मार्ग पर चलें और आने वाली पीढ़ी को भी सही दिशा दें।

2.नवयुवकों में भटकाव रोकने का संकल्प:- आज का नवयुवक देश की सबसे बड़ी शक्ति है, किंतु वही शक्ति जब गलत दिशा में जाती है तो वह समाज के लिए चिंता का विषय बन जाती है। बेरोज़गारी, नशा, मोबाइल और सोशल मीडिया की लत, पश्चिमी दिखावे की अंधी नकल, नैतिक मूल्यों की कमी ये सभी नवयुवकों को भटकाव की ओर ले जा रहे हैं। नव वर्ष पर यह आवश्यक है कि नवयुवक अपने जीवन के लक्ष्य स्पष्ट करें। शिक्षा, कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और चरित्र निर्माण को प्राथमिकता दें। परिवार और समाज का भी दायित्व है कि वे युवाओं को केवल उपदेश न दें, बल्कि संवाद करें, उन्हें समझें और सही मार्गदर्शन दें। खेल, योग, सेवा कार्य, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्य युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकते हैं।

3.अभिभावको द्वारा बच्चो का सही समय पर विवाह का संकल्प :- आज की एक गंभीर सामाजिक समस्या है, विवाह में अनावश्यक विलंब। करियर, धन और सुविधाओं की अति-आकांक्षा के कारण विवाह को टालना अब सामान्य होता जा रहा है। इसके दुष्परिणाम मानसिक तनाव, अकेलापन, पारिवारिक असंतुलन और सामाजिक समस्याओं के रूप में सामने आ रहे हैं।

शास्त्रों और सामाजिक परंपराओं में विवाह को जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार माना गया है। सही समय पर विवाह व्यक्ति को भावनात्मक स्थिरता, जिम्मेदारी और सामाजिक संतुलन प्रदान करता है। नव वर्ष पर युवाओं और अभिभावकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे दिखावे और अनावश्यक अपेक्षाओं से ऊपर उठकर सरल, सुसंस्कृत और समयबद्ध विवाह को अपनाएँ। इससे न केवल व्यक्ति का जीवन संतुलित होगा, बल्कि समाज भी सुदृढ़ बनेगा।

4.छोटे बच्चों मे सही मानसिक विकास का संकल्प :- आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। यदि बचपन से ही उन्हें सही संस्कार नहीं मिले, तो आगे चलकर उन्हें सही दिशा देना कठिन हो जाता है। मोबाइल, इंटरनेट, हिंसक खेल, अशोभनीय सामग्री और माता-पिता के लिए समय की कमी ये सभी बच्चों के भटकाव के प्रमुख कारण बन रहे हैं। नव वर्ष पर माता-पिता और शिक्षकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे बच्चों को समय दें, उनकी बात सुनें और उन्हें केवल भौतिक सुविधाएँ नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और प्रेम भी दें। बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, सेवा, सत्य और परिश्रम का महत्व समझाना अत्यंत आवश्यक है। परिवार का वातावरण जितना सकारात्मक होगा, बच्चे उतने ही सुरक्षित रहेंगे।

नव वर्ष हमें आत्मचिंतन और सुधार का अवसर देता है। यदि हम नवयुवकों को भटकाव से बचाएँ, सही समय पर विवाह को प्रोत्साहित करें और बच्चों को अच्छे संस्कार दें, तो निश्चित ही समाज और राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

आइए, इस नव वर्ष पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम स्वयं भी सही दिशा में चलेंगे और दूसरों को भी सही मार्ग दिखाने का प्रयास करेंगे। यही सच्चे अर्थों में नव वर्ष का स्वागत होगा।

कुरीतियों का त्याग करें, समरसता अपनाएँ—नव वर्ष में राष्ट्र निर्माण का संकल्प उठाएँ।"

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

सह संपादक - प्रहलादराय शर्मा

☆☆☆

नीचे **"प्रधान मंत्री विश्वकर्मा"** (प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना) की पूरी जानकारी दी गई है, एवं विशेष रूप से **कारपेंटर्स (बढ़ई / सुतार)** हेतु इसके अन्तर्गत रोजगार व आर्थिक सहायता के अवसरों पर प्रकाश डाला गया है। यह योजना हमारे समाज बंधुओ को आर्थिक रूप से सुदृढ बनाने मे सहायक हो सकती है। **सह संपादक - प्रहलादराय शर्मा**

1. योजना का सामान्य परिचय

- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 17 सितंबर 2023 को शुरू की गई है।
- यह **केंद्रीय क्षेत्र योजना** है, जिसे भारत सरकार पूरी तरह वित्तपोषित करती है।
- इस योजना का समयावधि वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2027-28 तक (5 वर्ष) निर्धारित की गई है।
- योजना हेतु कुल प्रारंभिक बजट लगभग **₹13,000 करोड़** आवंटित किया गया है।
- इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों (hands-on artisans) एवं शिल्पकारों को **समग्र सहायता** देना है — जिसमें मान्यता देना, कौशल विकास, उपकरण सहायता, आसान ऋण, बाज़ार सहायता आदि शामिल हैं।
- इस योजना के अंतर्गत वे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं जो पारंपरिक उपकरणों (हाथ एवं औजार) से कार्य करते हैं।

2. पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया- पात्रता (Eligibility) निम्नलिखित बिंदुओं को पूरा करना अनिवार्य है:

शर्त	विवरण
ट्रेड / व्यवसाय	योजना उन 18 पारंपरिक Trades को कवर करती है जिनमें Carpenter (सुतार / बढ़ई) शामिल है।
एक परिवार सदस्य	किसी एक परिवार का एक ही सदस्य लाभान्वित हो सकता है (पति, पत्नी, अविवाहित बच्चे शामिल)
सरकारी कर्मचारी नहीं होना चाहिए	यदि कोई व्यक्ति या उसका परिवार किसी सरकार अधिकारी / कर्मचारी हो, तो वह योजना के लाभार्थी नहीं बन सकते।
सत्यापन प्रक्रिया	आवेदन के बाद कई स्टेज में सत्यापन (Verification) और स्क्रीनिंग होती है।
अन्य – प्रशिक्षण पूरा करना आदि	आगे की सुविधाएँ पाने हेतु आवश्यक शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है (नीचे बताया गया है)

आवेदन प्रक्रिया

1. **ऑनलाइन पंजीकरण** — लाभार्थी को आधिकारिक पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करना होगा।
2. **सत्यापन एवं स्क्रीनिंग** — आवेदन के बाद परिवार पहचान, व्यवसाय सत्यापन आदि स्टेज होंगे।
3. **प्रशिक्षण केंद्र चयन** — मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों (Training Centers) में चयन किया जाएगा।
4. **Basic और Advanced Training कार्यक्रम** — चयनित लाभार्थी प्रशिक्षण में भाग लेंगे।
5. **उपकरण (Toolkit) सहायता / ई-वाउचर वितरण** — प्रशिक्षण शुरू होने पर उपकरण खरीद हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
6. **ऋण (Loan) आवेदन** — पहले ट्रांच/दूसरे ट्रांच हेतु आवेदन करना होगा, शर्तों का पालन करने पर ऋण दी जाएगी।
7. **अन्य सुविधाएँ जैसे बाज़ार/ब्रांडिंग सहायता आदि** — लाभार्थियों को विपणन सहयोग आदि दिया जाएगा।

3. योजना के लाभ / सुविधाएँ (Benefits) — विशेष रूप से कारपेंटर्स के लिएनीचे इस योजना द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सुविधाएँ सूचीबद्ध हैं, एवं यह कैसे कारपेंटर्स को लाभ पहुँचा सकती हैं:

सुविधा	विवरण
मान्यता (Recognition)	लाभार्थियों को PM Vishwakarma प्रमाणपत्र और ID कार्ड दिया जाता है। **कारपेंटर्स के लिए लाभ**

/ **उपयोग** बढ़ई को "मान्यता प्राप्त शिल्पकार" का दर्जा मिलेगा, जिससे भरोसा बढ़ेगा और सरकारी/बाज़ार संबंधी अवसरों में प्राथमिकता मिल सकती है। **कौशल उन्नयन (Skill Training / Upgradation)** Basic Training (5–7 दिन), Advanced Training (15 दिन या अधिक) — प्रशिक्षण अवधि में ₹500/दिन वजीफा (stipend) दिया जाता है। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई को आधुनिक उपकरणों का उपयोग, उन्नत तकनीकें सीखना, बेहतर डिज़ाइन और गुणवत्तापूर्ण कारीगरी करना सीखने का अवसर मिलेगा। **टूलकिट सहायता (Toolkit Incentive / E-voucher)** Basic Training शुरू होने पर **₹15,000** तक का उपकरण सहायता (e-voucher) दिया जाएगा। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई अपनी कार्यशाला में आवश्यक आधुनिक उपकरण (उदाहरण: इलेक्ट्रिक टूल्स, मशीनरी, सुधारित हाथ उपकरण आदि) ला सकता है, जिससे कार्य क्षमता, गुणवत्ता व उत्पादन बेहतर होगा। **ऋण सहायता (Enterprise / Development Loan)** सुविधाजनक ब्याज दर (5%) पर योग्य लाभार्थियों को **पहले ट्रांच में ₹1 लाख**, और दूसरे ट्रांच में **₹2 लाख** (कुल ₹3 लाख तक) ऋण दिया जा सकता है। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई अपनी कार्यशाला का विस्तार कर सकता है, कच्चे माल खरीद सकता है, गोदाम या उपकरण निवेश कर सकता है, नए व्यापार विस्तार कर सकता है। **डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन (Incentive for Digital Transactions)** योजना डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देती है — पात्र डिजिटल लेनदेन (उच्चतम 100 लेनदेन) हेतु ₹1 प्रति लेनदेन की धनराशि लाभार्थी के बैंक खाते में जमा होगी। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई डिजिटल भुगतान अपनाएगा, ग्राहकों को डिजिटल सौदों की सुविधा देगा, जिससे व्यवसाय की पारदर्शिता और ग्राहक विश्वास बढ़ेगा। **बाज़ार / विपणन सहायता (Marketing / Branding Support)** राष्ट्रीय विपणन समिति (NCM) के माध्यम से कारीगरों के उत्पादों को बाज़ार से जोड़ने, ब्रांडिंग, प्रचार आदि सहायता प्रदान की जाएगी। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई अपने उत्पादों को बड़े बाज़ार (ऑनलाइन, शोरूम, सरकारी प्रदर्शन आदि) में ला सकते हैं और अपनी पहुंच बढ़ा सकते हैं। **समेकित सहायता (End-to-End Support)** योजना एक "holistic support" मॉडल अपनाती है जिसमें पहचान - प्रशिक्षण - उपकरण - ऋण - मार्केटिंग सभी पहलुओं का समन्वय है। **कारपेंटर्स के लिए लाभ / उपयोग** बढ़ई को अलग-अलग विभागों के बीच जाना नहीं पड़ेगा — एक छत के नीचे सभी सहायता मिल सकेगी।

4. कारपेंटर्स के लिए विशेष अवसर एवं चुनौतियाँ ------अवसर / फायदे -

1. उच्च गुणवत्ता व डिज़ाइन प्रशिक्षित बढ़ई नए डिज़ाइन, उच्च गुणवत्ता, मशीन टूल उपयोग आदि जान पाएंगे, जिससे उनकी उत्पादकता और मांग बढ़ेगी। **2. व्यापार विस्तार** ऋण सहायता मिलते ही छोटे बढ़ई अपनी कार्यशाला को बड़ा कर सकते हैं, अधिवेशन ले सकते हैं, अधिक ऑर्डर ले सकते हैं। **3. Digital बिक्री और मार्केटिंग** मार्केटिंग सहायता एवं डिजिटल लेनदेन प्रोत्साहन से ऑनलाइन ऑर्डर्स,e-commerce, शोरूम आदि माध्यम से विक्रय बढ़ाने का अवसर। **4. सरकारी/सार्वजनिक ठेके** मान्यता प्राप्त शिल्पकार होने के कारण सरकारी उत्पाद/कामों की टेंडरिंग / ठेके मिलने में प्राथमिकता हो सकती है। **5. स्थिर एवं दीर्घकालीन व्यवसाय** आधुनिक उपकरण और गुणवत्ता के साथ, बढ़ई अपना व्यवसाय एक सतत स्वरूप में विकसित कर सकता है।

चुनौतियाँ / जो ध्यान रखना चाहिए

- प्रशिक्षण केंद्रों की दूरी या उपलब्धता समस्या हो सकती है।
- आवेदन / सत्यापन प्रक्रिया जटिल हो सकती है, जिससे कुछ पात्र लाभार्थियों को पहुँच नहीं होती।
- ऋण स्वीकृति सभी को नहीं मिलती — बैंकिंग प्रक्रियाएँ बाधा बन सकती हैं।
- बाजार पहुँच / विपणन में कमी हो सकती है — उपयोगी नेटवर्क आवश्यक है।
- नियमित डिजिटल लेनदेन की बाधाएँ जैसे इंटरनेट सुविधा, ग्राहकों की डिजिटल सुविधा आदि।

5. कैसे योजना की सहायता प्राप्त करें — कदम दर कदम (For Carpenters)

1. पहले यह सुनिश्चित करें कि आपका व्यवसाय **Carpenter / सुतार / बढ़ई** ट्रेड में आता हो।
2. ऑफिशियल पोर्टल (**pmvishwakarma.gov.in**) पर जाएँ और आवेदन करें।
3. अपने व्यवसाय व पहचान (Aadhaar, बैंक खाता, स्थानीय शिल्प प्रमाण आदि) की जानकारी भरें।
4. सत्यापन प्रक्रिया पूरी करें।
5. यदि चयनित हुए, तो Basic Training में भाग लें।
6. प्रशिक्षण के लिए निर्धारित अवधि तक वजीफा प्राप्त करें।
7. **e-voucher** के ज़रिए आवश्यक टूलकिट (उपकरण) खरीदें।
8. पहले ट्रांच ऋण **(₹1 लाख)** हेतु आवेदन करें।
9. ऋण स्वीकार होने पर कार्यशाला सुधारें, व्यवसाय बढ़ाएँ।
10. अगले चरण में **Advanced Training**, डिजिटल लेनदेन, विपणन सहायता आदि का लाभ उठाएँ।
11. यदि पहली ट्रांच सफलतापूर्वक चुकाई जाए, तो दूसरे ट्रांच **(₹2 लाख)** हेतु आवेदन करें।

☆☆☆

जांगिड ब्राह्मण समाज ने ओबीसी की आरक्षण सीमा बढ़ाने की मांग की

राजस्थान अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सीकर जिला परिषद सभागार में ओबीसी के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के अध्ययन के संदर्भ में जनसंवाद एवं परिचय चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आयोग के सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा व पवन मावंडिया को अध्यक्ष, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, राजस्थान सरकार के नाम अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के राजस्थान प्रभारी हरिनारायण जांगिड व सीकर जिलाध्यक्ष बनवारी लाल खंडेलसर के नेतृत्व में जांगिड ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अपना मांग पत्र दिया। परिचर्चा कार्यक्रम में ओबीसी श्रेणी के भीतर वर्गीकरण किए जाने, जनसंख्या के अनुपात में सीटों का निर्धारण करने, पिछड़ी एवं अति पिछड़ी जातियों को आरक्षण का पूर्ण लाभ दिलाने तथा वर्तमान 21 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 36 प्रतिशत किए जाने की मांग मुख्य रही। राज्य प्रभारी हरिनारायण जांगिड ने कहा कि आरक्षण से वंचित शेष जातियों को ईडब्ल्यूएस के तहत 10 प्रतिशत रिजर्वेशन है जबकि इन जातियों की जनसंख्या मात्र 15 से 20 प्रतिशत अनुमानित है। यानी इंडब्ल्यूएस को इनकी संख्या का लगभग 66 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियों की संख्या लगभग 55 से 60 प्रतिशत अनुमानित है।

अतः हम सरकारी नौकरी और उच्च शिक्षण संस्थानों सहित पंचायती राज व नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग करते हैं। न्यायसंगत आरक्षण व्यवस्था से ही सामाजिक संतुलन और वास्तविक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकता है। इस दौरान पूर्व प्राचार्य बी.एल.जांगिड, शिक्षाविद विश्वनाथ पनलावा, सांवरमल लदोया, कन्हैया लाल सांवलोदा, लालचंद सबलपुरा, शंकर लाल, सुनील कुमार, जगदीश जांगिड, रामपाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला प्रवक्ता सुनील कुमार जांगिड पलसाना अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा ने जिला परिषद सीकर में आयोजित राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग जयपुर जनसंवाद कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए गोपाल कृष्ण शर्मा सदस्य आयोग एवं पवन मांड्या की सदस्य आयोग के जरिए मान्य अध्यक्ष महोदय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग राजस्थान सरकार जयपुर व विभिन्न अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के प्रतिनिधियों के समक्ष जातिवाद परंपरा व उसके दुष्प्रभाव के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एकमत की विफलता में यदि जातिगत बंटवारा हो ही रहा है तो मूल ओबीसी की अवधारणा को पूर्ण रूप से स्वीकार्य करते हुए, 1999 से पूर्व की ओबीसी जातियों की अलग सूची को वर्गीकृत कर इसका प्रतिशत 21 से बढ़ाकर 36-40 प्रतिशत तक बढ़ाने के साथ यदि इसमें अन्य जाति को और जोड़ा जाए तो उनका प्रतिशत अलग से रखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व को आगामी चुनावों से पूर्व है मंजूरी दिलाई जाए एवं साथ ही राजनीतिक पद पर जो भी व्यक्ति सेवा करने की इच्छा रखता हो उसकी शैक्षिक व बौद्धिक क्षमताओं को मध्य नजर रखते हुए ही उसको चुनाव लड़ने के लिए योग्य समझा जाए इसके साथ घूंघट प्रतिनिधि प्रथा को चाहे वह आरक्षित सीट ही क्यों ना हो स्वीकार्य नहीं किया जाए आयोग सदस्यों माध्यम से यह भी आग्रह किया कि निष्पक्ष पारदर्शिता एवं बिना किसी वर्चस्व दबाव के मूल ओबीसी जातियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित रिपोर्ट तैयार करके सरकार के सामने संशोधन हेतु प्रस्तुत करके मूल ओबीसी जातियों को अनुग्रहित करें अंत में माननीय अध्यक्ष महोदय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग राजस्थान सरकार जयपुर के नाम **'ज्ञापन'** अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के महामंत्री सांवरमल जांगिड, प्रदेश प्रभारी हरिनारायण चला, जिला सभा सीकर के अध्यक्ष बनवारी लाल, खंडेलसर कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल पालड़ी, जिला महामंत्री सांवरमल लदोया, पूर्व कोषाध्यक्ष लालचंद सबलपुरा, श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति अध्यक्ष रामकृपाल वाराणसी, मंत्री बोदूराम दिनारपुरा, जिला सभा चुनाव अधिकारी जगदीश प्रसाद, मुख्य सलाहकार विश्वनाथ पनलावा, कार्यकारिणी सदस्य कन्हैयालाल सांवलोदा, संगठन मंत्री सुनील जांगिड ने पवन मावंडिया सदस्य आयोग के माध्यम से प्रस्तुत किया सभी ने एक स्वर में समरसता समभाव पर बल दिया।

प्रदेश सभा-राजस्थान के आह्वान पर जांगिड समाज ने विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग रखी।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा-राजस्थान के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों में जिला सभाओं और अन्य सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने माननीय मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा, जिसमें

जांगिड - सुथार समाज के आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा जी की जयंती माघ शुक्ला त्रयोदशी को सार्वजनिक अवकाश की मांग की गयी। सभी जिला मुख्यालयों पर एक साथ दोपहर 12 बजे ज्ञापन माननीय जिलाधिकारी को प्रस्तुत किए गए। सभी ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री महोदय को समय लेकर सौपकर समाज की इस मांग को पुरजोर तरीके से उठाएंगे। जयपुर जिले में प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष श्री मुकेश झाझवाड के साथ लगभग 50 सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा पंवार ने बताया कि राजस्थान में जांगिड सुथार समाज बहुतायत से निवास करता है। इस स्वाभिमानी और कर्मशील समाज

का राष्ट्र निर्माण में अनुकरणीय योगदान रहा है। जांगिड सुथार समाज के साथ ही कई अन्य शिल्पी जातियां और औद्योगिक प्रतिष्ठान के इंजिनियर और श्रमिक भी भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा करके ही कार्य का शुभारम्भ करते हैं। प्रदेश महामंत्री श्री कैलाश शर्मा सालीवाले ने बताया कि सरकार ने कई अन्य समाजों के आराध्य देवों की जयंती पर अवकाश घोषित किए हैं लेकिन हमें सिर्फ आश्वासन मिले हैं, जिससे समाज में इस उपेक्षापूर्ण रवैये से काफी आक्रोश है।

हम माननीय मुख्यमंत्री जी से विनम्र आग्रह करते हैं कि इस ऐच्छिक अवकाश को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर समाज को अनुग्रहित करें, समाज सदैव आपका आभारी रहेगा।

कैलाश शर्मा सालीवाले महामंत्री प्रदेश सभा राजस्थान

☆☆☆

जिला सभा द्वारा सीकर विश्वकर्मा जयंती पर अवकाश की मांग

आज सामाजिक एकता को बल देते हुए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा राजस्थान के निर्देशों के अनुसार सीकर में विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को विश्वकर्मा जयंती के ऐच्छिक अवकाश को पूर्णकालिक अवकाश में तब्दील करने के लिए अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा सीकर के जिलाध्यक्ष बनवारी लाल जी खण्डेल्सर एवं राजस्थान प्रभारी हरिनारायण जी चला के नेतृत्व में कार्यकारी जिला अध्यक्ष बाबूलाल जी पालड़ी, सांवर मल जी लदोया महामंत्री जिलासभा सीकर, मुख्य सलाहकार श्री विश्वनाथ जी पनलावा, नोरंग जी पालडी, राजेंद्र जी सीदड, मोहनलाल जी जैतूसर, राधेश्याम मांडण ने ज्ञापन दिया। जिला सभा सीकर के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती संतोष देवी उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष देवी दूजोद ने भी मुख्यमंत्री के नाम से जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सोपा। श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के अध्यक्ष राम कृपाल जी जांगिड, मंत्री बोदुराम जी दिनारपुरा विश्वनाथ जी पनलावा, नवरंग लाल जी पालड़ी, द्वारका प्रसद जी रोलीवाल अध्यक्ष मंदिर समिति लक्ष्मणगढ़, रामोतार जी गोकुलपुरा ने भी मुख्यमंत्री महोदय के नाम से अपना ज्ञापन जिला कलेक्टर साहब को प्रस्तुत किया। जिला सभा सीकर के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुकेश जी जांगिड रींगस, मखनलाल जी जांगिड कोटडी धायलान, सुनील जी पलसाना, बजरंग लाल जी x en, प्रहलाद जी दूजोद ने भी मंत्री जी के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सुनील जांगिड- प्रवक्ता जिला सभा सीकर

जिला सभा गंगानगर द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

श्री गंगानगर द्वारा इस विषय पर कलेक्टर महोदया को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे बताया गया कि, राजस्थान में जांगिड - सुथार समाज बहुतयात में निवास करता है। हमारे जांगिड - सुथार समाज के आराध्य देव **"भगवान श्री विश्वकर्मा"** है जांगिड सुथार समाज के अतिरिक्त भी अन्य कई जातियां जैसे **स्वर्णकार, लौहार, पांचाल, कुमावत, ठठेरा, मूर्तिकार** आदि जातियां भी **"भगवान श्री विश्वकर्मा"** जी की ही पूजा करते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों पर व कारखानो के **मजदूर, मिस्त्री, इंजीनियर** आदि भी भगवान **"भगवान श्री विश्वकर्मा"** की पूजा करके ही अपने कार्यों का शुभारंभ करते हैं।

राज्य सरकार ने उनकी जयंती माघ शुक्ल त्रयोदशी पर ऐच्छिक अवकाश तो घोषित किया हुआ है, लेकिन काफी समय से इस जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की हमारी मांग की जाती रही है। समय-समय पर इस संदर्भ में हमें सार्वजनिक अवकाश करने का आश्वासन भी दिया गया था। राज्य सरकार ने कई अन्य समाजों के आराध्य देवों की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिए गए हैं किए हैं। हमारे समाज से इस उपेक्षा पूर्ण व्यव्हार से हमारे समाज में काफी आक्रोश है।

आपके इस गौरवशाली कार्यकाल में हमें पूर्ण विश्वास है कि आप हमारी जायज मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए भगवान **"भगवान श्री विश्वकर्मा"** की जयंती माघ शुक्ल त्रयोदशी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करके समाज को अनुग्रहित करेंगे। समाज इसके लिए सदैव आपका आभारी रहेगा।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के 119वें स्थापना दिवस पर सुंदरकांड का पाठ का आयोजन

झुंझुनूं। कारूडिया रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर खातियों की बगीची में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का 119वां स्थापना दिवस पूर्ण होने पर महासभा के जिलाध्यक्ष सुनिल सिद्धड़ चिड़ावा की अगुवाई में समाज के गणमान्य लोगों द्वारा मंदिर में सुंदरकांड का पाठ चिड़ावा महिला भक्त मंडली द्वारा किया गया। भगवान विश्वकर्मा जी को आराध्य देव मानते हुए उनकी पूजा अर्चना की। विश्वकर्मा मंदिर में सैंकड़ों मातृ शक्तियों द्वारा सुंदरकांड पाठ का आनंद लिया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ झुंझुनूं के सह कार्यवाह प्रचारक मनोज जांगिड ने बताया कि महासभा कि स्थापना सन् 1907 में दिल्ली में हुई थी। जिसका उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता आंदोलन भी महासभा का बड़ा योगदान रहा है।

महासभा के संविधान में लिखा है कि शाखा सभा से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन की रूपरेखा तैयार थी। महासभा के संस्थापकों की दूरदर्शी नीति की सोच की सराहना करनी चाहिए। 119 साल पहले एक वृक्ष लगाया था। इस विशेष कार्यक्रम में माता बहनों को परिवार में संस्कार और परिवार को किस प्रकार से संगठित रखना है। परिवार में क्या नवाचार करने हैं। परिवार में आज के दिन आ रही समस्याओं पर चर्चा और उसके निराकरण की भी बातें हुई। अपने समाज के बुजुर्गों द्वारा जो अपनी रीति रिवाज खान पान और पहनावा अपने को दिया गया। उसको छोड़कर आज युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की ओर दौड़ रहे हैं। रसोई में खड़ा होकर खाना बना रहे हैं। जिस कारण परिवार में बीमारियों का आना ऐसे है जैसे वह स्थाई रह गई हैं। बहुत सी माताएं में कम उम्र में ही घुटने का जो दर्द है। इसका कारण बताया गया और माता की परिवार में क्या जिम्मेदारी है। परिवार को किस किस प्रकार संगठित रखना है। परिवार में किस प्रकार शाम जैसे बना रहे प्रेम बना रहे एक दूसरे के प्रति स्नेह बना रहे। इसके लिए माता बहनों बेटियों को थोड़ा सा विचार दिया गया और घरों में प्लास्टिक का उपयोग बंद कर घर से बाजार जाते वक्त पुरुषों के हाथ में थैला लेकर जाने की परिपाटी चालू हो। ऐसा विचार किया गया माता ने उसे पर सहमति दी। इस अवसर पर सैंकड़ों भक्तजन और सामाजिक बंधु मौजूद थे।

चुनाव अधिसूचना

अखिल भारतीय जागिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा महाराष्ट्र के पुणे, नंदुरबार, बीड व यवतमाल के जिलाध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो रहा है व अमरावती, कोल्हापुर, सातारा व अहिल्यानगर जिलासभा का कार्यकाल पूर्व में ही समाप्त हो चुका है। महासभा संविधान अनुसार चुनाव करवाना अपेक्षित है। इसलिए महाराष्ट्र के लिए निम्नलिखित जिलों के लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जाती है। - (1) पुणे (2) नंदुरबार (3) बीड (4) यवतमाल (5) अमरावती (6) अहिल्यानगर (अहमदनगर) (7) सातारा (8) कोल्हापुर

अधिसूचना तिथि : 27 दिसम्बर 2025
सदस्यता कि अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026
नामांकन तिथि :- गुरूवार 05 फरवरी 2026
मतदान तिथि : रविवार 22 फरवरी 2026

पुरुषोत्तम लाल जांगिड
मुख्य चुनाव प्रभारी महाराष्ट्र प्रदेश

नोट:- चुनाव से संबंधित अन्य दिशा-निर्देश के लिए मुख्य चुनाव प्रभारी से संपर्क करें।

कुरुक्षेत्र के भारत जांगिड, राजस्थान में न्यायिक मजिस्ट्रेट बने।

जीवन में सपने देखना और फिर उन सपनों को मूर्त रूप और साकार करने के लिए आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प तथा लक्ष्य निर्धारित करके उस पर आगे बढ़ना ही सफलता के द्वार तक ले जाता है। इसी मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए कुरुक्षेत्र के रहने वाले, भारत जांगिड ने यह सिद्ध करके दिखलाया है कि अगर लक्ष्य महान हो और जीवन में आगे बढ़ने की जिजीविषा हो तो रास्ते में आने वाली सभी बाधाएं उसके लिए अवसर बन जाती है। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित, राजस्थान न्यायिक परीक्षा का परिणाम 19 दिसंबर को घोषित किया गया और कुरुक्षेत्र के भारत जांगिड ने इस मैरिट सूची में 6 वां स्थान हासिल करके यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के सामने गरीबी भी बोनी पड़ जाती है।

एक गरीब परिवार में पिता सोहनलाल जांगिड और माता ममता जांगिड के घर पैदा हुए भारत जांगिड ने अपनी दसवीं कक्षा महाराणा प्रताप स्कूल कुरुक्षेत्र से और स्नातक की परीक्षा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पास की है। एल.एल.बी. की पढ़ाई पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से पास की है। उसने एल.एल.बी. की परीक्षा में, स्वर्ण पदक हासिल करके केवल जांगिड समाज ही नही अपितु अपने प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है। अभी वह एल.एल.एम. की पढ़ाई कर रहा है। इस दौरान उनका राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सन 2025 में आयोजित की गई, परीक्षा में न्यायिक मजिस्ट्रेट (जुनियर डिविजन) के पद पर चयन हो गया है और उसकी ट्रैनिंग जोधपुर में शुरू होगी। भारत जांगिड को राजस्थान प्रदेश में, न्यायिक परीक्षा में चयनित होने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बधाई देते हुए कहा कि उसने अपने कठोर परिश्रम और प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए, कठिन परीक्षा के दौर से गुजरते हुए अपना लक्ष्य हासिल किया है,जो उसकी असाधारण दक्षता और उत्कट जिजीविषा का द्योतक है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में अपने परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर न केवल अपने माता-पिता अपितु हरियाणा का भी नाम गौरवान्वित करेगा। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

उल्लेखनीय है कि भारत जांगिड को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 27 दिसम्बर को कुरुक्षेत्र में, राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित होने पर सम्मानित किया था। हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्यामलाल जांगिड ने भारत जांगिड को उसकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि, उसने परीक्षा में 44 पदों में से 6वां स्थान हासिल करके अपने लक्ष्य को कठिन परिश्रम और पुरुषार्थ से हासिल करते हुए, माता-पिता का नाम गौरवान्वित किया है। उनको आज माया एंजेलो द्वारा कही गई वह बात याद आ गई है, कि छोटी सी सराहना भी, किसी के भीतर बड़े सपनों को जन्म देती है और उसके माता-पिता ने उसकी पढ़ाई की जो मुक्त कंठ से प्रशंसा की थी उसी से अभिप्रेरित होकर उसके सपनों को नई उड़ान मिली। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

भारत की मां श्रीमती ममता जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि, मुझे अपने बेटे भारत पर गर्व है और वह पढ़ाई में हर कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करता रहा है और उसने माता-पिता की भावनाओं और परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही दूसरे बच्चों की तरह अनावश्यक रूप से फालतू खर्च करने से हमेशा ही गुरेज किया। उसने हमारी भावनाओं को समझते हुए अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने याद दिलाया कि वह इस परीक्षा की तैयारी के समय हर रोज 10-12 घंटे पढ़ाई करता था जिसका आज उसे पुरस्कार मिला है।

भारत जांगिड ने कहा कि मैंने अपने पिता के संघर्ष पूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर ही जीवन में सफलता हासिल करने का संकल्प लिया, लक्ष्य निर्धारित किया और सफलता हासिल की है। मैंने अपनी इस उपलब्धि को अपने परिवार और माता-पिता को समर्पित किया है। उसने कहा कि कानून की डिग्री हासिल करने के बाद ही, न्यायिक सेवा की परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी और मुझे अपने दादा श्याम लाल जांगिड का मार्गदर्शन मिला जिन्होंने उपभोक्ता आयोग के चेयरमेन और हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य के रूप में कार्य करने का सुअवसर मिला है। इसके अतिरिक्त मेरे चाचा, गौरव जांगिड ने भी मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जो कि पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय में एक अधिवक्ता हैं। उन्होंने मुझे कहा था कि आप, जिस भी क्षेत्र में जाना चाहते हो, अपना लक्ष्य निर्धारित करके उस पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ो, सफलता अवश्य ही हासिल होगी।

युवाओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देते हुए भारत जांगिड ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने का कोई भी शॉर्टकट रास्ता नहीं है। असफलता ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। मैं भी पहले प्रयास में असफल रहा लेकिन इस असफलता से मैंने अपनी कमजोरी के बारे में सीखा और हिम्मत नहीं हारी और दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्य को हासिल किया है। परीक्षा तैयारी करने के लिए एक परीक्षार्थी को हर रोज कम से कम 10-12 घंटे की पढ़ाई करने की जरूरत है और जो भी पढ़ाई करो उसकी नोट्स बनाकर उनका बार-बार रीविजन करें ताकि परीक्षा में बेहतर अंक हासिल किये जा सके। मैंने खुद भी प्रतिदिन 10 से 12 घंटे तक पढ़ाई की है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने भारत जांगिड को न्यायिक मजिस्ट्रेट बनने पर बधाई देते हुए कहा कि समाज का युवा आज इस प्रतिस्पर्धा के युग में तेजी से अग्रसर हो रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि एक तो, समाज में पैदा होने वाला प्रत्येक बच्चा जन्मजात ही इंजीनियर पैदा होता है और इसके साथ ही यह सब उच्च शिक्षा का भी परिणाम है। महासभा ने भी, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान बच्चो के लिए शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया है। मैं भारत जांगिड के उज्ज्वल और भविष्य की मनोकामना करता हूँ।

☆☆☆

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

दिल्ली संगम विहार के नरेश जांगिड चार्टर्ड अकाउंटेंट बने।

जीवन में सफलता हासिल करने का एक ही मूल मंत्र है और वह है मेहनत, समर्पण और अथक परिश्रम और आत्मीयता जिसके बल पर एक इतिहास रचा जा सकता है और जीवन में, असफलता से घबराकर अपने लक्ष्य से विमुख नहीं होना चाहिए और सतत् परिश्रम और पुरुषार्थ ने ही सदैव ही सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है और यह मानना है हाल ही में, चार्टर्ड अकाउंटेंट बने, नरेश जांगिड का, जिन्होंने 29 दिसम्बर को शाहदरा दिल्ली लीला एम्बीएंस होटल में आयोजित एक समारोह में इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट आफ इंडिया द्वारा सी.ए. की डिग्री देकर सम्मानित किया गया है।

पिता पूरणमल जांगिड और माता श्रीमती संतोष जांगिड के घर, ग्राम भावसिया, जिला डीडवाना-कुचामन राजस्थान में 20 फरवरी 2000 में पैदा हुए, नरेश जांगिड के पिता इंटीरियर डिजाइनर का व्यवसाय करने के साथ ही, समाज सेवा उनमें कूट-कूट कर भरी हुई है और वह विश्वकर्मा मंदिर संगम विहार दिल्ली में सन् 2016-2018 तक कोषाध्यक्ष के पद पर भी रहे हैं।

नरेश के पिता ने बताया कि वह पढ़ने में बचपन से ही तेज तर्रार रहे हैं और उनकी प्रारंभिक शिक्षा के एस के एकडमिक दिल्ली में हुई और वर्ष 2016 में उन्होंने 10वीं कक्षा 82 प्रतिशत अंक और उसके बाद 12वीं कक्षा में 85 अंक प्राप्त किए और मैंने उनको 12वीं कक्षा के बाद एक कठिन परीक्षा से झूझकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का सुझाव दिया और नरेश ने, वाणिज्य में स्नातक की परीक्षा पास की और उसके पश्चात चार्टर्ड अकाउंटेंट की मुश्किल पढ़ाई करनी शुरू की, यह सफर थोड़ा मुश्किल ज़रूर है, लेकिन इसके भविष्य में बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का फैसला किया।

नरेश जांगिड ने कहा कि पिता की प्रेरणा से ही मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का अपना लक्ष्य निर्धारित किया, लेकिन उस समय मुझे इस प्रोफेशनल डिग्री के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी, मुझे केवल यह मालूम था कि यह 5 वर्ष की अनवरत कठोर तपस्या और साधना है और सबसे अधिक धैर्य की जरूरत होती है और इस लक्ष्य का मन में संकल्प करके नवम्बर 2018 में सेल्फ स्टडी से शुरू हुई यह यात्रा सितंबर 2025 में पूर्ण हुई है और इस दौरान चार्टर्ड अकाउंटेंट फाऊंडेशन, लेवल 1 तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट लेवल 2 भी सफलता पूर्वक उत्तीर्ण किया और इस यात्रा के दौरान इसके पश्चात तीन वर्षों के दौरान गुरुग्राम से टी आर चढ्ढा, एल.एल.पी. और बी. डी. ओ. इण्डिया जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों से अपनी ट्रेनिंग पूरी की और इस कठिन प्रशिक्षण के दौरान पिछले 5 सालों का जीवन, एक ही दिनचर्या में बँधा रहा, इसकी दिनचर्या सुबह 4 बजे शुरू होती थी, दिन में ऑफ़िस का काम तथा रात्रि 9 से 12 बजे तक निरन्तर अध्ययन के बाद समाप्त होती थी और पढ़ाई के दौरान कोविड काल जैसी विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और इस दौरान परिवार के सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा, जो मेरी सबसे बड़ी ताकत बना और जिससे सफलता हासिल करने में कामयाबी मिली है।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा में अनेक पारिवारिक समारोह, शादियां और त्योहार सब छूट गए और अगर साथ रहा तो वह था, मेरा लक्ष्य ,जो मैंने कभी भी कमजोर नहीं होने दिया और चार्टर्ड अकाउंटेंट की सफलता का मूल मंत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि समर्पण, निरन्तरता और कठोर परिश्रम तथा अनुशासन ही हैं , जो सफलता में अंहम भूमिका निभाते हैं। नरेश जांगिड ने युवाओं को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा कि, जो भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं, उनको एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि इसमें सफलता हासिल करने के लिए प्रतिदिन 10 से 12 घंटे का अध्ययन अनिवार्य है। लेकिन कई बार अत्यधिक मेहनत और पुरुषार्थ करने के बाद भी सफलता नहीं मिल सकती है और वह एक दो नम्बर से ही पिछड़ जाते हैं तो उनको निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा सबसे कठिन है और इसका रिजल्ट भी अखिल भारतीय स्तर पर भी 10-12 प्रतिशत तक ही रहता है। ऐसे समय में ,युवाओं से आग्रह है कि वह धैर्य और संयम बनाए रखें और अपने लक्ष्य पर फोकस रखें, क्योंकि समय पर मेहनत का फल अवश्य ही मिलता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि नरेश जांगिड ने यह सिद्ध कर दिया कि अगर दृढ़ संकल्प और अदम्य इच्छाशक्ति और अपने पर भरोसा और विश्वास है तो सफलता अवश्य ही कदम चूमेगी। इसलिए इस कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए विश्वास और सहनशीलता का दामन कभी नहीं छोड़ना चाहिए, जो सफलता की आधारशिला है।

विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड

डॉ तनुषी शर्मा , को उसकी उपलब्धि के लिए पुरस्कार मिला ।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए संकल्प के साथ आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्कट जिजीविषा के साथ आगे बढ़ने से सफलता मिलना निश्चित है । इस फार्मूले को आत्मसात करते हुए सफलता की सीढ़ी पर चढ़ते हुए अपने आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही डॉ तनुषी एम.बी.बी.एस. बनी और अब वह एम.डी. कर रही है। एनकालोजी में पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल कर केवल अपने माता-पिता ही नही अपितु समाज का नाम भी गौरवान्वित किया है। यह पुरस्कार उसकी उत्कृष्ट प्रतिभा का द्योतक है। पिता अनिल शर्मा और माता श्रीमती सीमा शर्मा के घर 22 अक्टूबर 1998 को जयपुर में पैदा हुई तनुषी बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल दर्जे की रही है और प्रत्येक कक्षा में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। तनुषी शर्मा के पिता अनिल शर्मा ने कहा कि तनुषी बचपन से ही मेधावी छात्रा रही है । उसकी प्रारंभिक शिक्षा सेंट जेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल जयपुर से हुई है। उन्होंने इसी स्कूल से10वीं में 81 प्रतिशत अंक और सन् 2016 में उन्होंने 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग से 93.6 प्रतिशत अंक हासिल करके पास की । **तनुषी को जांगिड समाज की सबसे प्रतिभाशाली छात्रा के सम्मान से प्रतिभा सम्मान समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया था।** तनुषी ने सन् 2017 मे नीट यूजी की परीक्षा दी और मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में अपनी असीम प्रतिभा और दक्षता का परिचय देते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया । उसको तत्कालीन तकनीकी शिक्षा और आयुर्वेद राज्य मंत्री सुभाष गर्ग द्वारा कॉलेज के वार्षिक समारोह में सम्मानित किया गया था। इसी प्रकार वर्ष 2022 में भी इसने पुनः द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी असीम प्रतिभा और दक्षता का परिचय देते हुए पुरस्कार हासिल किया।

डॉ तनुषी शर्मा ने बताया कि उसने सरकारी मेडिकल कॉलेज, भरतपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है और सन् 2025 में पीजी में चयनित होकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है । वर्तमान में डॉ तनुषी आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग विज्ञान) में पी जी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि माता पिता ने मुझे बेहतर संस्कार दिए और इस सफर में मेरी मां ने विशेष रूप से मुझे कदम कदम पर प्रोत्साहित किया क्योंकि मेरे पिता एक ट्रेवल एजेंसी चलाते हैं और उनकी बहुत अधिक व्यस्तता रहती है। उन्होंने कहा कि वास्तव में मैंने अपने पिता का सपना साकार किया है क्योंकि वह स्वयं डॉ बनना चाहते थे, लेकिन आर्थिक परिस्थितियां आड़े आ गई और वे डाक्टर नही बन पाये । अब मैंने उनके सपने को पूरा किया है। मेरी मां की अथक साधना और मेरे संबल ने डाक्टर बनने में मेरी मदद की।

डॉ तनुषी ने कहा कि **11 जनवरी को संपन्न 50वें ऑल इंडिया ऑन्कोलॉजी सम्मेलन में, उनके द्वारा तैयार किए गए वैज्ञानिक पोस्टर को अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी एवं 7,000 रुपए नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है ।** मुझे विश्वास है कि इस प्रोत्साहन से मुझे एक नई शक्ति मिलेगी जिसको आत्मसात करके मैं भविष्य में और अधिक परिश्रम और पुरुषार्थ से नई उपलब्धि हासिल करने में सक्षम हो सकती हूँ। उन्होंने कैंसर जैसी गम्भीर बीमारी पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में जब कैंसर जैसी गंभीर बीमारी देश में तीव्र गति से फैल रही है, इस क्षेत्र में सेवा और योगदान अत्यंत प्रेरणादायक है।

डॉ तनुषी ने **युवाओं को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि, सफलता का कोई भी शार्टकट रास्ता नहीं है, केवल लक्ष्य पर फोकस करते हुए आगे बढ़ने से ही सफलता का वरण किया जा सकता है।** मैंने भी अपना लक्ष्य निर्धारित करके कठोर साधना करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इससे हमारे समाज के अन्य मेधावी एवं प्रेरणास्पद छात्र-छात्राएं प्रेरणा ग्रहण कर सकती हैं । ऐसे प्रयास समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाएँगे और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने का संबल प्रदान करेंगे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, डॉ तनुषी को उसकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिश्रम और पुरुषार्थ के सामने सभी लक्ष्य बोने पड़ जाते हैं। भावी डॉ. उसके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। यह उसके आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का ही परिणाम है कि उसने अपनी मेहनत और पुरुषार्थ से अपने माता-पिता के सपनों को साकार किया है। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

महामंत्री महासभा , सांवरमल जांगिड

रजनीता ने 12 दिसम्बर को आयोजित सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

जीवन में सफलता हासिल करने का मूल मंत्र है, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प। इसकी सुदृढ़ दीवार पर चढ़कर ही रजनीता जांगिड ने अपने संकल्प और सपनों को साकार किया है। जीवन में कुछ सर्वश्रेष्ठ कर गुजरने की उत्कट अभिलाषा से अभिप्रेरित होकर ही, उसने अपनी मंजिल को हासिल किया है। अपने सपनों को पूरा करते हुए ही, उसने 12 दिसम्बर से 14 दिसम्बर तक अहमदाबाद में आयोजित की गई, सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में 59 किलोग्राम भार वर्ग में, स्वर्ण पदक हासिल करके , न केवल अपनी असीम प्रतिभा का परिचय दिया है, अपितु अपने माता पिता और समाज तथा प्रदेश का नाम भी गौरवान्वित किया है।

गांव झोझू जिला दादरी की रहने वाली होनहार बेटी रजनीता जांगिड का जन्म 10 मार्च 2007 को गांव झोझू, जिला चरखी दादरी में पिता-रजनेश जांगिड और माता श्रीमती सुनीता जांगिड के घर हुआ। रजनीता के पिता रजनेश जांगिड ने बताया कि, रजनीता के बुलन्द हौसलों के सामने मेरे परिवार की गरीबी कभी भी आढे नहीं आई है। उन्होंने कहा कि मैं गांव में एक छोटी सी किरयाना की दुकान चलाता हूँ। इसी से परिवार का गुजारा बड़ी ही मुश्किल से होता है लेकिन रजनीता ने अपने सपनों को उड़ान देने की परिकल्पना को आत्मसात करके अपने सुनहरे सपनों को हकीकत में मूर्त रूप देने का काम किया है और वह भविष्य में बबीता फौगाट जैसी कुश्ती पहलवान बनकर न केवल समाज का अपितु देश का नाम भी रोशन करना चाहती है। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है। उसने अपने जीवन में जो भी सपना संजोया है, उसको परम पिता परमेश्वर के आशीर्वाद और अथक परिश्रम, मेहनत और दृढ़ संकल्प से ही पूरा किया जा सकता है। इसीलिए वह अपना लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ रही है।

रजनीता की माता श्रीमती सुनीता जांगिड ने कहा कि हमारी बेटी ने अहमदाबाद में 12 से 14 दिसम्बर तक हुई सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में 18 वर्ष से ऊपर आयु की लड़कियो की प्रतियोगिता में, प्रथम स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक हासिल किया है और फाईनल में, उन्होंने उत्तर प्रदेश की खिलाड़ी पुष्पा पहलवान को, 10-0 के अन्तर से हराकर स्वर्ण पदक जीता है। उसने जांगिड ब्राह्मण समाज का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा रजनीता ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अब तक कुल 17 मैडल हासिल किए हैं और इनमें से अधिकांश मेडल जुनियर कुश्ती प्रतियोगिता में, राज्य स्तरीय , राष्ट्रीय स्तर और एशियन खेलों में हासिल किए हैं और इसका श्रेय मैं इनके पिता को ही देना चाहती हूँ क्योंकि वह अपनी बेटी को कुश्ती का प्रशिक्षण दिलवाने के लिए पास के गांव में, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित बबीता के पिता महावीर फोगाट के पास प्रशिक्षण लेने के लिए सन् 2018 से ले जाते रहे हैं और महावीर फोगाट ने रजनीता जांगिड का जो मार्ग दर्शन किया है, आज उसका कोई भी सानी नहीं है। श्रीमती सुनीता जांगिड ने बताया कि उनकी बेटी को, लोगों की संकीर्ण मानसिकता का सामना करने के साथ ही, ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के कारण ही रजनीता को लेकर भी अक्सर हमें लोगों के ताने भी सुनने पड़ते थे और विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन मैं अपनी बेटी के अदम्य साहस और आत्मविश्वास की तारीफ किए बिना नहीं रह सकती, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से जीवन में पहली बार, केवल 14 साल की अल्पायु में ही , यह सिद्ध करके दिखला दिया कि आज लड़कियां, किसी भी क्षेत्र में लड़कों से किसी भी प्रकार से कम नहीं हैं। वह अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ-साथ महावीर फोगाट को भी देती है, जिन्होंने रजनीता को, सफलता हासिल करने के गुर सिखाए हैं।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने रजनीता जांगिड को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि उसने इतनी छोटी सी आयु में एशियन और राष्ट्रीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 17 मेडल हासिल करके यह सिद्ध कर दिया कि अदम्य साहस और प्रतिभा के बल पर कोई भी दुष्कर से दुष्कर उपलब्धि भी हासिल की जा सकती है। उसका भविष्य बड़ा ही उज्ज्वल है और मुझे विश्वास है और मेरी मनोकामना है कि भविष्य में वह बबीता फोगाट की तर्ज पर ओलम्पिक खेलों में अपना परचम लहराने का काम करते हुए पदक जीत कर समाज का ही नहीं अपितु देश का नाम भी गौरवान्वित करेगी। उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभ मंगल कामनाएं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

रिद्धि जांगिड को हार्दिक बधाई

हम सभी के लिए गर्व और हर्ष का विषय है कि झुंझुनूं निवासी श्री मनोज कुमार जांगिड की सुपुत्री रिद्धि जांगिड ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), नई दिल्ली से गणित विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। यह उपाधि उन्हें विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह में 12 जनवरी 2026 को प्रदान की गई, जिसमें माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रिद्धि जांगिड ने अपने शोधकार्य "**Advances in the Theory of Network Topological Properties Using Petri Nets and Its Application in Data Mining**" के माध्यम से गणित और कंप्यूटर विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनका शोध नेटवर्क टोपोलॉजी, पेट्री नेट्स और डेटा माइनिंग जैसे विषयों को एक नई दृष्टि प्रदान करता है, जो भविष्य में शोधकर्ताओं और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

यह उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और ज्ञान के प्रति गहरी निष्ठा का परिणाम है। रिद्धि ने केवल अपने परिवार का ही नाम रोशन नही किया है, बल्कि झुंझुनूं जिले और सम्पूर्ण राजस्थान के लिए भी गौरव का अवसर प्रदान किया है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि समर्पण और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वे आने वाले समय में अपने शोध और ज्ञान से देश-विदेश में भारत का नाम और भी ऊँचाइयों तक पहुँचाएँगी। उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और यह संदेश देगी कि शिक्षा और शोध ही समाज की प्रगति का आधार हैं।

लोहड़ी और मकरसंक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं।

ॐ वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ:। निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

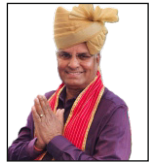

भारत देश की सांस्कृतिक विरासत बड़ी प्राचीन एवं अद्वितीय है और इसकी सांस्कृतिक परम्परा बड़ी ही समृद्ध है जो आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण है। **लोहड़ी** का त्योहार विशेष रूप से पंजाब हरियाणा सहित उत्तरी भारत में मनाया जाता है। इसी प्रकार **मकर संक्रांति** का त्योहार, सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। इस दिन भगवान सूर्य उत्तरायण में प्रवेश करते हैं, उत्तरायण को देवताओं का दिन कहा जाता है और दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि माना जाता है। उत्तरायण का यह सूर्य आपके जीवन में सपनों को नई उड़ान देने के साथ ही आपको जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास हो और आपके जीवन में, सभी क्षेत्रों में उत्तरोत्तर सफलता हासिल हो। ऐसी मेरी मनस्कामना है। मकरसंक्रांति, आपके जीवन में नववर्ष के दौरान सुख समृद्धि और खुशहाली और सकारात्मक सोच और व्यापक दृष्टिकोण आत्मसात करते हुए, आप जीवन में भगवान सूर्य की तरह सभी से साथ समान व्यवहार और आचरण रखने का संकल्प ले। क्योंकि जीवन में किसी की भी भलाई कभी भी व्यर्थ नहीं जाती है, यह ईश्वर ही जानता है कि वह भलाई किस रूप में लौट कर आपके पास आएगी। इसके साथ ही प्रथम पूज्य गौरी पुत्र गणेश का भी आज दिन है, उनकी भी अनुकम्पा आप और आपके परिवार पर सदैव ही बनी रहे।

☆☆☆

दुबई में 21 दिसंबर को आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में वीके ब्लास्टर टीम ने ट्राफी हासिल की।

खेल प्रतियोगिता के माध्यम से जहां आपसी प्रेम ,सौहार्द, टीम और खेल भावना का विकास होता है ,वही इसके माध्यम से उदीयमान खिलाड़ियों को, अपनी प्रतिभा दिखलाने के साथ ही अपना लक्ष्य हासिल करने में भी सहायता मिलती है। खेलों के द्वारा अनुशासन के साथ ही भाईचारा भी बढता है।

यह उद्गार जांगिड सुथार समाज की अग्रणी समाज सेवी संस्थान विश्वकर्मा प्रोफेशनल एण्ड बिजनेस ग्रुप (वी पीबी जी) द्वारा 21 दिसम्बर को आयोजित वार्षिक टी -10 क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता टीम वीके ब्लास्टर्ज टीम को पुरस्कार और ट्राफी प्रदान करने के बाद, मुख्य अतिथि फाइन एसेर्ज के बिजनेस हेड दयापरण तथा विशिष्ट अतिथि पिंकलाईन ग्रुप के प्रबंध निदेशक नरपत राम कुलरिया ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि जांगिड सुथार समाज की अग्रणी अन्तर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्थान विश्वकर्मा प्रोफेशनल एंड बिज़नेस ग्रुप (वीपीबीजी), यूएई द्वारा अजमान (यूएई) में रॉयल स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर रविवार, 21 दिसंबर को वार्षिक टी-10 क्रिकेट प्रतियोगिता **"विश्वकर्मा प्रीमियर लीग 2025"** का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज में आपसी एकता और परस्पर सहयोग की कड़ी और मजबूत होती है। साथ ही समाज के उत्साह में अभिवृद्धि और समाज में समरसता पैदा होती है।

मीडिया प्रभारी पेंपाराम सुथार ने इस प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि दिनभर चले इस मैच की शोभा को द्विगुणित करने के लिए भारत से आए टिकूसिंह गोदारा, ज्ञानसिंह, जेएनवीयू के पूर्व अध्यक्ष कुन्नालसिंह की गरिमामय उपस्थिति ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वीपीबीजी सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों को ,पुष्पगुच्छ एवं दुपट्टा भेंट करके सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में यूएई में स्थापित समाज के अग्रणी व्यावसायिक एवं औद्योगिक संस्थानों के स्वामित्व वाली आठ टीमों — टीम फेयरफील्ड, टीम अल मुल्ला कारपेंट्री, नोआफ नाइट्स, टीम पिंकलाइन, राजस्थान रॉयल्स, एसबीजे किंग्स, टीम विमलकर टेक्निकल सर्विस तथा वीके ब्लास्टर्स के खिलाड़ियों ने रोमांचक मुकाबलों के माध्यम से उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अन्त में बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में वीके ब्लास्टर्स ने ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि राजस्थान रॉयल्स के अनिल जांगिड को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया गया।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस आयोजन में फाइन एसेर्स, पिंकलाइन ग्रुप, वीके ग्रुप, कारीगर इंटीरियर्स, आर्कटिक कारपेंट्री, एसबीजे टेक्निकल सर्विसेज, करानी इंटीरियर्स, स्वाति इंटीरियर्स, एसोसिएट ग्लास, पिंकलाइन फर्नीचर, वाइट स्टोन, क्रिस्टल कासा एवं आईआरजे द्वारा प्रायोजक के रूप में प्रदान किए गए अमूल्य सहयोग के लिए वीपीबीजी द्वारा हृदय के अन्तःकरण से उन सभी प्रतिष्ठानों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

वीपीबीजी के सभापति राधेश्याम जांगिड, उपसभापति गणेश सुथार एवं लालाराम सुथार, अध्यक्ष नरपतलाल सुथार, अर्जुन सुथार, उपाध्यक्ष सवाई सुथार तथा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती राधा सुथार, महासचिव जशराज जॉपिंग, सचिव अर्जुन भूंदड मैच कोऑर्डिनेटर प्रवीण बरड़वा ने भी आयोजन की अपार सफलता पर संतोष एवं प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी टीम स्वामियों, खिलाड़ियों, प्रायोजकों, मातृशक्ति तथा हजारों की संख्या में उपस्थित क्रिकेट प्रेमियों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और आशा व्यक्त करते हुये भविष्य में भी उन सभी प्रतिष्ठानों से निरन्तर एवम सतत सहयोग की अपील की। उन्होने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है।

मीडिया प्रभारी, पेंपाराम सुथार, यूएई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला, (इन्दौर)

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स, दिल्ली

श्री अशोक कुमार बरनेला, इन्दौर

श्री पी.एल.शास्त्री, गुड़गांव

श्री देबूराम जांगिड, दिल्ली

श्री रामनिवास शर्मा, दिल्ली

श्री राजेन्द्र शर्मा, इन्दौर

श्री निर्मल कुमार जांगिड, इन्दौर

श्री लीलू राम शर्मा, दिल्ली

श्री रमेशचन्द शर्मा 'सरपंच', दिल्ली

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली

श्री श्रीगोपाल चोयल, अजमेर

श्री कृष्ण कुमार शर्मा, मुम्बई

श्री विद्यासागर जांगिड, गुड़गांव

श्री सुशील कुमार शर्मा, कोलकता

श्री सांवरमल जांगिड, सीकर

श्री रघुवीर सिंह आर्य, शामली

श्री वेदप्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री प्रभुदयाल शर्मा, देवास

श्री प्रहलादराय शर्मा, इन्दौर

श्री पूनाराम जांगिड, जोधपुर

श्री ललित जड़वाल, अजमेर

श्री मीता राम जांगिड, मुम्बई

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री यश अजय शर्मा, मुम्बई

श्री रविन्द्र शर्मा, बीकानेर

श्री जवाहरलाल जांगिड, उज्जैन

श्री नरेश जांगिड, गुड़गांव

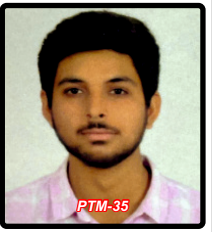

श्री भुवन जांगिड, गुड़गांव

श्री कृष्ण कुमार जांगिड, गुड़गांव

श्री किशन लाल शर्मा, नागपुर

श्री किशोर जी मोखा, नागपुर

श्री बाबू लाल शर्मा, अहमदाबाद

श्री नारायण दत्त, साड़ीवाले, दिल्ली

श्री ओमप्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री धनपत शर्मा, फरीदाबाद

श्री सुरेन्द्र शर्मा, अहमदाबाद

श्री सत्यनारायण शर्मा, दिल्ली

श्री सोमदत्त शर्मा, दिल्ली

श्री बी.सी. शर्मा, जयपुर

श्री सुरेश शर्मा, नीमच

श्री नितिन शर्मा, इन्दौर

श्री प्रमोद कुमार जांगिड, सूरत

श्री हुकुमचन्द जांगिड, इन्दौर

श्री सत्यनारायण जांगिड, इन्दौर

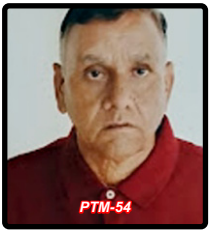

श्री गजानन जांगिड, जालना

श्री अशोक कुमार मोखा, नागपुर

श्री घनश्याम जांगिड, बैंगलुरू

श्री देवमणि जांगिड, दिल्ली

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री फूलकुमार शर्मा, द्वारका-दिल्ली

श्री अमराराम जांगिड, जोधपुर

श्री रमेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री रविशंकर शर्मा, जयपुर

श्री यादराम जांगिड, दिल्ली

श्री बाबू लाल, बैंगलुरू

श्री अशोक दत्तु राम, अहमदाबाद

श्री दयानन्द शर्मा, दिल्ली

श्री यशवंत नेपालिया, अजमेर

श्री राधेश्याम शर्मा, वापी

श्री रामपाल शर्मा, बैंगलुरू

श्री गोपाल शर्मा, कोरबा

श्री भंवर लाल कुलरिया, मुम्बई

श्री अमित कुमार शर्मा, जयपुर

श्री नरेश चन्द्र शर्मा, बैंगलुरू

श्री भीमराज शर्मा, जयपुर

श्री रवि जांगिड, बैंगलुरू

श्री भंवरलाल सुथार, गोवा

श्री रामनिवास शर्मा, भिलाई

श्री शुभम शर्मा, कोरबा

श्री नानूराम जांगिड, धुलिया

श्री प्रहलाद शर्मा, जयपुर

श्री रीछपाल शर्मा, बिलासपुर, छ.ग.

श्री धर्मचन्द शर्मा, बस्तर

श्री राधेश्याम जांगिड, रेनवाल

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री कन्हैया लाल खाती, अजमेर

श्री कन्हैया लाल सिलक, अजमेर

श्री अनिल शर्मा, इन्दौर

श्री धन सिंह जांगिड, फरीदाबाद

श्री लालचन्द जांगिड, नारनौल

श्री रोहिताश जांगिड, औरंगाबाद

श्री सांवरमल जांगिड, बांसवाडा

श्री महावीरप्रसाद जांगिड,अहमदाबाद

श्री शंकरलाल जांगिड, जयपुर

श्री संजय शर्मा, चित्तौड़गढ़

श्री जगतराम भद्रेचा, बंगलौर

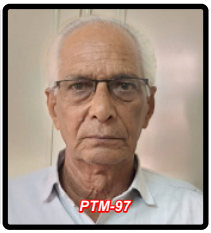

श्री पुरूषोत्तम लाल जांगिड, जयपुर

श्री अनिल शर्मा, चंडीगढ़

श्री लक्ष्मीनारायण जांगिड, गुरूग्राम

श्री नेमीचन्द जांगिड, सूरत

श्री चिरंजीलाल जांगिड, इन्दौर

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, सूरत

श्री सत्यपाल वर्त्स, बहादुरगढ़

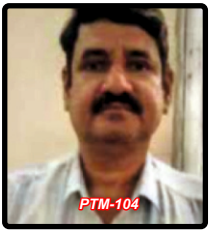

श्री सोमदत्त शर्मा, लखनऊ

श्री ओम प्रकाश जांगिड, दिल्ली

श्री अनिल शर्मा, तेलंगाना

श्री मुकेश जांगिड, तेलंगाना

श्री भंवरलाल जांगिड, सूरत

श्री जगदीश खण्डेलवाल, दिल्ली

श्री भंवरलाल शर्मा, पाली,राज0

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री प्रहलाद चन्द शर्मा, बैंगलुरू

श्री नानूराम जांगिड, हिंगोली,

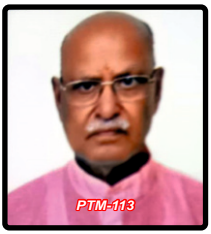

श्री रामानन्द शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली

श्री कैलाश जांगिड, सूरत

श्री मदन लाल शर्मा, वडोदरा

श्री गजानन्द जांगिड, सूरत

श्री हरिराम शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

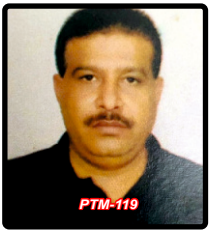

श्री सतवीर शर्मा, गुरूग्राम

श्री किशोरी लाल शर्मा, सागरपुर, दिल्ली

श्री सुनील सिद्धड़, चिड़ावा, झुंझुनू

श्री सुरेश कुमार जांगिड, नजफगढ़

श्री मोहन पंवार, सागरपुर दिल्ली

श्री रामावतार जांगिड, सरदारशहर, चूरू

श्री राजील कुमार जांगिड, सूरत

श्री सादीराम जांगिड, हनुमानगढ़,रा0

श्री मामराज मिस्त्री, सूरत

श्री सागरमल जांगिड, वडोदरा

श्री सुनील कुमार जांगिड, महाराष्ट्र

श्री महेश कुमार शर्मा, दिल्ली

श्री किशन लाल जांगिड, जयपुर

श्री एकलिंग प्रसाद सुथार, सूरत

श्री राजेश जांगिड, हैदराबाद

श्री सियाराम जांगिड, हैदराबाद

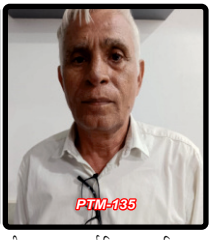

श्री रामवतार शर्मा,तिरूवल्लुर,तमिलनाडू

महासभा दिल्ली के एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य

श्री सतीश कुमार जांगिड,(किशनगढ़ बास)वलसाड

श्री शंकरलाल माकड़, हैदराबाद

श्री महेश चन्द शर्मा, साध नगर, दिल्ली

श्री राकेश जांगिड, सूरत

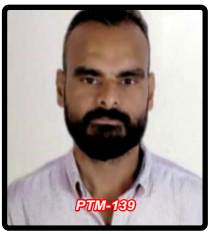

श्री देवकरण जांगिड, हैदराबाद

श्री सुभाष शर्मा, भरूच

श्री महेश शर्मा, बैंगलुरू

श्री चंद्र प्रकाश शर्मा, गांधीधाम,कच्छ

श्री सतवीर जांगिड, बैंगलुरू

श्री महेन्द्र सिंह जांगिड, धारूहेड़ा रेवाड़ी

श्री पूरनमल जांगिड, सूरत

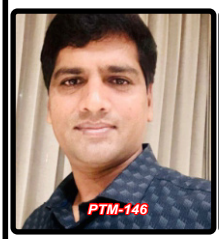

स्वर्गीय श्री नरेश शर्मा, भरूच

श्री बंशीधर जांगिड, भरूच

श्री मुकेश कुमार जांगिड, हिम्मतनगर

श्री गोपाल जांगिड, गांधी नगर

श्री राजेन्द्र कुमार डभाण, खेड़ा

श्री ओम प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद

श्री अरूण कुमार डभाण, खेड़ा

श्री कैलाश चंद्र शर्मा, डभाण, खेड़ा

श्री मदन लाल सुथार, भरूच

श्री महेन्द्र जांगिड, भरूच

श्री कन्हैया लाल, (ओजटू वाले) बैंगलुरू

श्री शंकरलाल जांगिड, झुंझुनूं

श्रीमती उषा बरड़वा धर्मपत्नी श्री आनन्द बरड़वा, कोटा राज0

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली
अंगिराऽसि जांगिड

शपथ ग्रहण समारोह के बाद बने हुए एक लाख रूपये के प्लेटिनम सदस्य की सूची

श्री देवेन्द्र शर्मा, उदयपुर, राजस्थान

श्री नरोत्तम लाल जांगिड, फरीदाबाद, हरियाणा

श्री हजारी लाल शर्मा, जयपुर, राज0

श्री भागीरथ मल जांगिड, जयपुर, राज0

श्री मदनलाल शर्मा, रायपुर छ0गढ़

श्री पतराम शर्मा, गुरूग्राम, हरियाणा

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग, छत्तीसगढ़

श्री विरदी चन्द शर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री ओमप्रकाश जांगिड, रायपुर छत्तीसगढ़

श्री संतलाल शर्मा, बैंगलुरू, कर्नाटक

श्री जगन नाथ जांगिड, रेवाड़ी, हरियाणा

श्री राजकुमार जांगिड, सीकर, राज0

श्री गोपालदास शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री विनोद कुमार शर्मा, रायपुर, छ0गढ़

श्री राधेश्याम शर्मा, जयपुर, राज0

श्री प्रहलाद राय जांगिड, दूजोद, सीकर, राज0

श्री भोलाराम शर्मा, दुर्ग, छत्तीसगढ़

श्री रमेश शर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री अनुराग नीलेश कुमार शर्मा, अहमदाबाद, गुज0

श्री ओम प्रकाश जांगिड, वापी वलसाड, गुज0

श्री शिवपाल जांगिड, इन्दौर, मध्य प्रदेश

श्री उमेदराम जांगिड, वलसाड, गुजरात

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंगिराऽसि जांगिड

श्रद्धांजलि सुमन

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि **जांगिड ब्राह्मण पत्रिका** के पूर्व संपादक स्वर्गीय श्री प्रभुदयाल शर्मा "जांगिड" की धर्मपत्नी **श्रीमती रुकमणि देवी,** निवासी द्वारापुरा दौसा का स्वर्गवास 16/01/2026 को हो गया है। दिनांक 18/01/2026 को इनकी तीये की बैठक में समाज बन्धुओं, रिश्तेदारों व परिवारजनों ने इनकी श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की तस्वीर के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

स्वर्गीय श्रीमती रुकमणि देवी एक सरल स्वभाव मिलनसार, हंसमुख एवम् धर्मपरायण ग्रहणी थी, जो अपने पीछे परिवार में नरेन्द्र, योगेन्द्र, शम्भूदयाल,शंकर, महेश, मुकेश (पुत्र), गौरव, अजय, सौरभ, विजय, भानू, केशव, देवांशु, मेहुल (पौत्र), मनन, काव्यांश (प्रपौत्र) सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गई है।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली तथा समस्त कार्यकारणी परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती है कि दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

॥ ॐशान्ति ॐशान्ति, ॐशान्ति॥

गोठवाल परिवार, दौसा , जयपुर

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 18/05/1996, Birth time 10:55 PM, Ht-5'1", Birth Place- Village Hassangarh, Rohtak, Haryana. Education Bsc, B.Ed, MSc Chemistry,C.T.E.T.. Teacher by profession in private school Delhi. **Gotra Self**-Kalonia, **Mother**-Baiday, **Grandmother**-Khandelwal, **Maternal Grandmother**- Kagtaan. Contact:- Mr. Parshant - 9728008171.

2. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 06/05/2001, Birth time 07:05 AM, Ht-5'1", Birth Place- Swai Madhopur, Rajasthan, . Education: BA, B.Ed, Computer RSCIT & Accounts (Tally/Busy). **Gotra Self**-Bahrawadiya, Mother-Pachriya, **Grandmother**-Palwad,Godhdiwal, **Maternal** Grandmother-Bukariya. Contact:- Mr. Devendra Kumar Jangid - 9413153268, 9413719477.

ज्ञान की बातें

1. ज्ञान ही शक्ति है: ज्ञान आपको मजबूत बनाता है और आपके जीवन को सफल बनाता है।
2. सीखना कभी बंद नहीं होता: जीवन भर सीखते रहें, नई चीजें सीखें और अपने ज्ञान को बढ़ाएं।
3. प्रश्न पूछना जरूरी है: कभी भी प्रश्न पूछने से हिचकिचाएं नहीं, यह आपके ज्ञान को बढ़ाता है।
4. असफलता से डरना नहीं है: असफलता से डरने की बजाय, उससे सीखें और आगे बढ़ें।
5. सहानुभूति और दया रखें: दूसरों के प्रति सहानुभूति और दया रखें, यह आपके जीवन को समृद्ध बनाता है।

शुभविवाह

दहेज प्रथा के विरुद्ध समाज हित के लिये एक अनुकरणीय प्रयास

दिल्ली के जांगिड समाज के दो महानुभाव **श्री अनिल शर्मा- सागरपुर, दिल्ली (वर पक्ष)** व **श्री रामकिशन जांगिड, पालम (कन्या पक्ष)** कोषाध्यक्ष- श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज, नई दिल्ली द्वारा बिना दहेज शादी कर समाज में फैली दहेज प्रथा जैसी कुरूति को रोकने का संदेश दिया है। श्री अनिल शर्मा द्वारा नेक एवम बड़ा दिल रखते हुए अपने बड़े बेटे का रिश्ता करते वक्त यह आग्रह किया था कि दहेज में कोई भी सामान व नगदी नहीं लेकर रिश्ते में केवल एक रुपया ही लेकर बिना दहेज की शादी की जाये जिसमें श्री रामकिशनजी की भी सहमति रही। इसके साक्षी समाज के **श्री गंगादीन जांगिड जी प्रधान - श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज, नई दिल्ली व श्री मदनलाल जांगिड, उप प्रधान -श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज, नई दिल्ली** रहे। रिश्ता तय होने के बाद दिनांक **10/12/2025** को बहुत ही सादे ढंग से शादी की सभी रस्मे उल्लास और उमंग के साथ पूरी की गयी तथा कन्या दान में भी **100/- रुपये** ही लिया गया। भात/मायरा/ममेरा की रस्म में भी दोनों की ओर से एक-एक रुपया लिया गया। कुछ लोगों ने कन्या दान में ज्यादा देने का आग्रह किया, लेकिन साफ कहा गया कि **100/-रुपये** से ज्यादा नहीं। कुछ व्यक्तियों द्वारा कन्यादान लिफाफे मे दिया गया था। लिफाफों को खोला गया तो कुल **₹ 52700/-** की राशि मिली जिसमे से **100/- ₹** सांकेतिक रूप मे रखकर बाकी राशि श्री रामकिशन जी द्वारा श्री ब्रह्मानंद जी की उपस्थिति मे श्री गंगादीनजी को किसी गरीब लड़की की शादी हेतु प्रदान कर दी गयी। श्री गंगादीनजी जांगिड ने समस्त जांगिड समाज की ओर से श्री रामकिशन जांगिड एवम श्री अनिल शर्मा जी का आभार व्यक्त करते हुए परमपिता परमात्मा से नव दम्पत्ति के सुखद जीवन व उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : NARMADA TOYOTA
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Registered With The Registrar of
News Papers For INDIA,
Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 January 2026
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)